राष्ट्रीय दैनिक

प्रात:किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 विश्व चैंपियन गुकेश को बधाइयां देने वालों को लगा तांता....

कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने 'एक देश, एक चुनाव विधेयक को लोकतंत्र पर हमला करार दिया... 12

वर्ष : 12 | अंक : 240 | पटना, शनिवार, 14 दिसम्बर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

पटना में अतिविशिष्ट नेत्र अस्पताल का होगा निर्माण, शंकरा नेत्रालय से हुआ करार

स्वास्थ्य विभाग व शंकरा आई फाउंडेशन इंडिया के बीच हुआ समझौता

सीएम नीतीश की मौजूदगी में समझौता ज्ञापन पर हुआ हस्ताक्षर

- 75 प्रतिशत मरीजों का होगा मुफ्त इलाज
- ढाई लाख रुपए प्रति वर्ष से कम आयवाले परिवार पा सकेंगे निःशुल्क चिकित्सा

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समक्ष शुक्रवार को मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद में स्वास्थ्य विभाग और शंकरा आई फाउंडेशन इंडिया, कोयम्बटूर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ। पटना में अतिविशिष्ट नेत्र अस्पताल के निर्माण एवं संचालन के संबंध में यह समझौता ज्ञापन हुआ है। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के सचिव संजय कुमार सिंह और शंकरा आई फाउंडेशन इंडिया, कोयम्बटूर के प्रबंध निदेशक पद्मश्री डॉ आरबी रमणी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर एक दूसरे को प्रति सौंपी।

कंकड़बाग में 1.60 एकड़ जमीन पर बनेगा अस्पताल :

ज्ञातव्य है कि शंकरा आई फाउंडेशन इंडिया, कोयम्बटूर के द्वारा पटना में अतिविष्टि नेत्र अस्पताल की स्थापना की जायेगी। राज्य सरकार ने शंकरा आई फाउंडेशन इंडिया, कोयम्बटूर को अतिविशिष्ट नेत्र अस्पताल बनाने के लिये कंकड़बाग, पटना में 1.60 एकड़ जमीन 1 रुपए के टोकन राशि पर सशर्त लीज पर देने की स्वीकृति मंत्रिपरिषद् द्वारा 3 दिसम्बर 2024 को प्रदान की।

आंख से संबंधित जटिल बीमारियों का हो सकेगा इलाज :

शंकरा आई फाउण्डेशन इंडिया आंख के इलाज के लिये एक अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त अस्पताल है जो अपने खर्च पर इस भूमि पर अस्पताल का निर्माण एवं संचालन करेगा। इसमें आंख के सामान्य इलाज के साथ-साथ कॉर्नियोप्लास्टी, रेटिना डिटैचमेंट एवं आंख के कैंसर जैसी जटिल बीमारियों का भी इलाज हो सकेगा। इस संबंध में 75 प्रतिशत मरीजों का इलाज मुफ्त तथा 25 प्रतिशत का सशुल्क होगा। ढाई लाख रुपए प्रति वर्ष से कम आयवाले परिवार निःशुल्क चिकित्सा पा सकेंगे। कार्यक्रम के दौरान मख्यमंत्री को विकास आयुक्त सह स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने हरित पौधा भेंटकर स्वागत किया।

ये रहें मौजूद :

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन सह संसदीय कार्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, विकास आयुक्त सह स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, स्वास्थ्य विभाग के सचिव संजय कुमार सिंह, राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक सुहर्ष भगत, शंकरा आई फाउंडेशन इंडिया, कोयम्बटूर के प्रबंध निदेशक पद्मश्री डॉ आर बी रमणी एवं डॉ भरत सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

नहीं हुआ पेपर लीक, शरारती तत्वों का करतूत : आयोग

70वीं बीपीएससी पीटी परीक्षा के दौरान छात्रों का हंगामा

प्रात : किरण

- कहा- कहीं कोई गड़बड़ी नहीं हुई, हंगामा करने वालों पर होगी कार्रवाई

पटना। बिहार के 912 परीक्षा केंद्रों पर 70वीं बिहार लोक सेवा आयोग पीटी परीक्षा का आयोजन किया गया। बीपीएससी परीक्षा के दौरान पटना सहित अन्य कई जिलों में हंगामा हुआ। पटना के कुम्हरार स्थित बापू परीक्षा सभागार में अभ्यर्थियों ने पेपर लीक की बात कह हंगामा मचाया। प्रश्नपत्र वायरल होने की बात कह परीक्षा को रद्द करने की मांग की गयी। जिसके बाद अभ्यर्थियों ने बीपीएससी कार्यालय के समक्ष भी हंगामा मचाया और प्रदर्शन किया। परीक्षार्थियों का आरोप था कि प्रश्नपत्र लीक हुआ है। उनका कहना था कि इसी वजह से देर से प्रश्न पत्र उन्हें दिया गया। पुलिस के पदाधिकारियों ने काफी मशक्कत के बाद अभ्यर्थियों को शांत कराया। इस बीच बीपीएससी की ओर से पेपर लीक की घटना से इनकार किया गया है। बीपीएससी चेयरमैन रवि मनु भाई परमार ने आयोग का पक्ष रखते हुए कहा कि 912 केन्द्रों पर परीक्षा ली गई। कहीं से भी कोई शिकायत नहीं आई है। पटना में एक केन्द्र पर कुछ अभ्यर्थियों ने पूछे गए प्रश्नों के पैटर्न में फेरबदल की शिकायत की। लेकिन तुरंत छात्रों से बात कर उनका संशय दूर कर दिया गया। उन्होंने कहा कि परीक्षा शुरू होने के एक घंटे बाद बाद तक कहीं से कोई कंप्लेन नहीं मिला। रिपोर्ट मिली है की परीक्षा ठीक तरीके से चल रही थी। छात्रों को परीक्षा शुरू होने से एक घंटे पहले केंद्र पर पहुंचना था। बाहर जो भी चल रहा था उसे परीक्षा दे रहे छात्रों को कोई सूचना नहीं थी। क्योंकि किसी के पास मोबाइल नहीं था। परीक्षा शुरू हो जाने के बाद छात्रों के पास सिर्फ पेपर थे। कोई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस नहीं था। आयोग पूरे परीक्षा का हाईटेक तरीके से मॉनिटरिंग कर रही है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के युग में शरारती तत्वों की करतूत है।

पीटी परीक्षा में पेपर लीक जैसी कोई बात नहीं हुई। बीपीएससी के ज्वाइंट सेक्रेटरी कुंदन कुमार ने मीडिया को बताया कि बिहार के 36 जिले में आज बीपीएसपी की 70वीं पीटी परीक्षा आयोजित की गयी थी। 912 में से 911 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हुई। सिर्फ पटना के एक परीक्षा केंद्र बापू परीक्षा सभागार में अभ्यर्थियों ने हंगामा मचाया। बीपीएससी के ज्वाइंट सेक्रेटरी कुंदन कुमार ने बताया कि प्रश्न पत्र कहीं लीक नहीं हुआ है। पटना के एक सेंटर पर हंगामा हुआ था। पटना के इस परीक्षा केंद्र पर कुछ छात्रों ने उदंडता की। उन्होंने कहा कि कही से पेपर लीक नहीं हुआ है। सभी परीक्षा केंद्र पर शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षा संचालित हुई। प्रश्न पत्र को उपद्रवी तत्वों ने वायरल किया। आयोग पूरे मामले की जांच करेगा। जांच के बाद आयोग कोई फैसला लेगा। वही बीपीएससी के चेयरमैन परमार रवि मनु भाई ने बताया कि हम सेंटर सुप्रिटेंडेंट की रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं यदि यह पता चला कि अभ्यर्थियों को समय पर प्रश्न पत्र नहीं मिला तब आयोग कार्रवाई करेगी। उन्होंने बताया कि कही कोई प्रश्न पत्र लीक नहीं हुआ। यह सब अफवाह है इस पर अभ्यर्थी ध्यान ना दें। अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र पर तैनात पदाधिकारी के हाथ से प्रश्न पत्र छीनकर भागे और परीक्षा केंद्र के बाहर आकर हंगामा मचाने लगे। जिन लोगों ने आयोग की एग्जाम को बाधित किया है उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कोई प्रश्न पत्र लीक नहीं हुआ है। पटना के कुम्हरार स्थित बापू परीक्षा सभागार परीक्षा केंद्र में लगे सीसीटीवी को खंगाला जा रहा है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रश्न पत्र कम नहीं था। डीएम की रिपोर्ट की भी जांच करायी जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

सन्नी हत्याकांड के आरोपी ने किया सरेंडर

मसौढ़ी !थाना क्षेत्र में 9दिसंबर को सन्नी हत्या कांड का आरोपी लक्की कुमार को पुलिस दबिश के कारण शुक्रवार को मसौढ़ी न्यायालय में समर्पण कर दिया।इधर थानाध्यक्ष विजय कुमार येदुवेंदु ने बताया कि हत्यारा को पकड़ने के लिए लगातार छापेमारी कि जा रही थी।जिसके बाद उसने कोर्ट में कियाआत्मसमर्पण किया है

बैटरी चोर को रंगे हाथों पकड़ा

मसौढ़ी !थाना क्षेत्र के रामपुर मुहल्ले संत मैरिस स्कूल के पास ट्रैक्टर से बैटरी चोरी करते हुए रंगे हाथों चोर को पकड़ा है। घटना को लेकर ट्रैक्टर मालिक थाना क्षेत्र कृष्णापुरी मुहल्ले निवासी पिंकू कुमार ने बताया कि मेरा ट्रैक्टर संत मैरिस स्कूल के पास लगा हुआ था।उसी समय एक युवक आया और मेरे गाड़ी से बैटरी चोरी कर रहा था। उसी समय रंगे हाथों उसे पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। थानाध्यक्ष विजय कुमार येदुवेंदु ने बताया कि गिरफ्तार बैटरी चोर थाना क्षेत्र के लखीबाग मुहल्ले निवासी परशुराम प्रसाद के पुत्र शशि कुमार बताया जाता है।शुक्रवार को जेल भेज दिया गया है।चार दिन पहले ही वह जेल से छुटकर आया था।

डिवाइडर से ट्रक के टकराने से चालक घायल

फतुहा। शुक्रवार को भिखुआ के पास फोरलेन पर एक ट्रक डिवाइडर से टकरा गया। हादसे में ट्रक चालक सरोज कुमार बेलागंज के सलारबीघा निवासी घायल गया हो गया।जिसे फतुहा सीएचसी से पटना रेफर किया गया। डॉक्टर के अनुसार चालक का पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

आपदा प्रबंधन टीम के द्वारा मॉक ड्रिल का प्रदर्शन का आयोजन किया गया

दानापुर। नगर के अंतर्गत आर्मी पब्लिक स्कूल विद्यालय परिसर में, 9 बटालियन आपदा प्रबंधन टीम बिहटा के द्वारा मॉक ड्रिल का अभ्यास एवं प्रदर्शन का आयोजन किया गया। सब इंस्पेक्टर अनिल सिंह व कवि रंजन एवं उनके टीम के सदस्यों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में 09 बटालियन के आपदा प्रबंधन टीम के सदस्यो ने आकस्मिक आपदा से कैसे बचे एवं दूसरे को बचाये इसको लेकर विस्तृत जानकारी दी गयी। मौकड्रिल के माध्यम से उसे दशार्या गया। कार्यक्रम में प्राचार्या धर्मशीला पांडे, उप प्राचार्य, समस्त शिक्षक एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भूकंप एवं सड़क दुर्घटना जैसी आकस्मिक आपदाओं के समय बेहतर प्रबंधन और आपसी सामंजस्य से अधिक से अधिक मानव जीवन की रक्षा और राहत एवं बचाव कार्यों के त्वरित निष्पादन सम्बन्धी जानकारी बच्चों को देना था। छात्रों ने मॉक ड्रिल सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया। हार्ट अटैक की स्थिति में प्राथमिक उपचार के अंतर्गत सी.पी.आर देना, सड़क दुर्घटना के दौरान आवश्यक प्राथमिक उपचार, सांप काटने की स्थिति में उपचारात्मक कदम लेना, इसी प्रकार की महत्वपूर्ण जानकारी के साथ स्ट्रेचर बनाने के बारे में भी जानकारी दी गयी। सत्र का समापन उप प्राचार्य पी के सामंत्रे के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

प्रतियोगिता से किया एंटी रैगिंग को ले जागरूक

पटना सिटी (प्राकि)। एंटी रैंगिंग सेंसटाइजेशन प्रोग्राम के तहत ओरियंटल कॉलेज में छात्रों के बीच एंटी रैगिंग अभियान पर छात्रों को जागरूक किया गया। इस दौरान पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता प्राचार्य डॉ एस मसुदू रहमान की अध्यक्षता में की गई। इसका संचालन संयोजक एंटी रैगिंग सेल डॉ फौजिया परवीन ने की। प्रतियोगिता में उप प्राचार्य डॉ फैजी आफताब, कॉडिनेटर डॉ बख्तियार फातमी, संयोजक एंटी रैगिंग सेल डॉ फौजिया परवीन, सदस्य डॉ सलाउद्दीन, डॉ शबाना परवीन हुसैन, मो नयाब, डॉ हेना हुसैन, डॉ सायरा, डॉ मरियम, डॉ शादिया, डॉ सरवर, डॉ यासमीन, डॉ रेशमा, डॉ सीमा, डॉ निधि, डॉ दुर्गा, डॉ रब्बान अली, डॉ तनवीर निजामी, डॉ फारूकी, डॉ मेहंदी, डॉ कमर अली, डॉ इकबाल जफर, डॉ जमाल असलम, डॉ दानिश, डॉ बी पांडेय, डॉ परवेज आदि शामिल हुए। प्रतियोगिता से पहले कॉलेज में पौधारोपण कर इसकी शुरूआत की गई। श्रद्धांजलि सभा में किया नमन पटना सिटी. दिवंगत इंद्रदेव प्रसाद वर्मा के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. भारत विकास परिषद एवं संजय आंनद विकलांग अस्पताल रिसर्च सेंटर से जुड़े होने पर सभा में डॉ टीपी गोलवारा,विजेंद्र यादव,मोहन चतुर्वेदी,सीताराम पोद्दार व विवेक माथुर समेत अन्य उपस्थित थे. इन लोगों ने निधन को समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

हर रूम में 273 परीक्षार्थी, प्रश्नपत्र 192 ही, कुल 12 हजार परीक्षार्थी

एक रूम से दूसरे व तीसरे में प्रश्न पत्र का खुला बंडल लाने से हुई गलतफहमी : डीएम

● रोड जाम कर तोड़फोड़ पर उतारू लोगों को हल्का बल प्रयोग कर खदेड़ा

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

बापू परीक्षा परिसर में 70वीं बीपीएससी परीक्षा के दौरान यहां कुल 12 हजार परीक्षार्थियों के परीक्षा देने की व्यवस्था की गई थी। एक हॉल में 273 परीक्षार्थियों के परीक्षा देने की व्यवस्था की गई थी। प्रश्न पत्र वितरण के दौरान 192 प्रश्न पत्रों का बॉक्स खोला गया, जबकि हॉल में 273 परीक्षार्थी थे। ऐसे में हर हॉल में 81 प्रश्न पत्र कम पड़ गए। तब केंद्राधीक्षक के द्वारा दूसरे हॉल से प्रश्न पत्र का शील्ड पैकेट मंगवा कर शेष परीक्षार्थियों के बीच वितरित किया गया। तभी कुछ परीक्षार्थियों के द्वारा इस पर आपत्ति जताई गई। ऐसे में करीब तीन-चार सौ परीक्षार्थियों ने परीक्षा का बहिष्कार कर दिया। यह बात डीएम डॉ चंद्रशेखर सिंह ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहीं। बापू परीक्षा परिसर से बाहर निकलने के साथ ही मीडिया से बातचीत के दौरान डीएम डॉ चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि वह और डीआईजी सह एसएसपी राजीव मिश्रा के द्वारा यहां पहुंच कर परीक्षार्थियों को वस्तुस्थिति से अवगत कराया गया। उन्हें बार-बार समझाने की कोशिश की गई। उनके द्वारा उठाए गए सवालों का भी संतोषप्रद जवाब देने का काम किया गया। इसके बाद सभी परीक्षार्थियों ने शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षा दी। हालांकि परीक्षा हॉल के बाहर कुछ लोग सड़क जाम कर दिए और वाहनों में तोड़फोड़ का प्रयास भी किया। ऐसे में हल्का बल का प्रयोग कर स्थिति को नियंत्रित किया जा सका। डीएम ने कहा कि प्रश्न पत्र वितरण में जो कमी हुई, उसे 10-15 मिनट के अंदर पूरा करने का भरसक प्रयास किया गया। मगर गलतफहमी के बीच कुछ परीक्षार्थियों के द्वारा परीक्षा का बहिष्कार कर दिया गया। उन सबों ने अन्य परीक्षार्थियों के प्रश्न पत्र और ओएमआर शीट भी फाड़ने या छिनने की कोशिश भी की। वहीं परीक्षार्थियों का कहना था कि जो प्रश्न पत्र का बंडल बाद में लाया गया, उसका सील खुला हुआ था। इसे लेकर उन सबों की आपत्ति थी। दूसरी बात की समय 10-15 मिनट नहीं, बल्कि करीब 25 से 30 मिनट की देर की गई। मगर केंद्राधीक्षक या वीक्षक के द्वारा इस संबंध में लिखित रूप से नहीं दी जा रही थी। इससे छात्र दिग्भ्रमित हो गए। डीएम ने कहा कि यहां बीपीएससी के प्रतिनिधि भी पहुंचे थे। बीपीएससी का जो निर्णय होगा, उसे मीडिया के माध्यम से परीक्षार्थियों को अवगत करा दिया जाएगा। ऐसे परीक्षार्थी, जो परीक्षा हॉल से ओएमआर शीट लेकर बाहर निकल गए, उनका ओएमआर शीट जमा नहीं लिया जाएगा। जो फट गया है, वह भी गलत है। डीएम ने स्पष्ट तौर पर कहा कि जिन परीक्षार्थियों ने परीक्षा देने की ठानी, ऐसे लोगों ने परीक्षा दिया और जिन लोगों ने हंगामा में रुचि रखी, ऐसे लोगों ने परीक्षा का बहिष्कार किया है। डीएम ने कहा कि 11 दिसंबर को समाहरणालय में आयोजित ब्रीफिंग में आयोग के प्रतिनिधि ने भी आश्वस्त किया था कि 273 प्रश्न-पत्रों के पैकेट का बॉक्स भेजा जाएगा। फिर भी किस स्थिति में 192 प्रश्न पत्रों के पैकेट का बॉक्स भेजा गया। यह जांच का विषय है। पूरे मामले में बीपीएससी को उचित निर्णय के लिए सारगर्भित रिपोर्ट भेजी जा रही है।

पशु, पक्षी और पर्यावरण विषय पर परिचर्चा

प्रात :किरण संवाददाता

पटना पुस्तक मेला के मुख्य मंच पर आज पशु , पक्षी और पर्यावरण विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। परिचर्चा में गौरैया पर काम करने वाले पी आई बी अधिकारी संजय कुमार,पटना विश्वविद्यालय की प्रो शैला यास्मीन, धर्मेंद्र जी ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन मुस्कान ने किया। स्पैरोमैन ऑफ बिहार संजय कुमार ने कहा कि आज पर्यावरण खतरे में है। विकास के नाम पर पर्यावरण को खत्म किया जा रहा है। सबको जीने का हक है। पक्षियों की 60 प्रतिशत प्रजाति विलुप्त हो रही है। उन्होंने गौरिया के साथ सभी पक्षियों के संरक्षण की वकालत करते हुए कहा कि गौरैया और कौवा अब हमारे घर आँगन से दूर होते जा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण पक्षी खत्म हो रहे हैं। शैला यासमीन ने बायो डाइवर्सिटी के बारे में बताते हुए कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए बायोडायवर्सिटी बहुत ही आवश्यक है। इको टूरिज्म में अपार संभावनाएँ है। हमें प्लास्टिक में खाना स्टोर करने से बचना चाहिए। हमें प्लास्टिक के उपयोग को खत्म करना चाहिए। नीम पीपल तुलसी अभियान के संस्थापक धर्मेंद्र जी ने अपनी बात रखते हुए कहा कि आज सोशल मेडिसिन की सबसे ज्यादा जरूरत है। पेड़ों को स्थानांतरित किया जा रहा है। स्थानांतरण की प्रक्रिया में मात्र 10 प्रतिशत पेड़ बच पा रहे हैं।

पुलिस ने ट्रेफिक को धनुकी के पास रोक किया डाइवर्ट

कुम्हरार की तरफ वाहनों को जाने से रोका, ताकि तोड़फोड़ से बचे

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

पुरानी बाइपास के कुम्हरार स्थित बापू परीक्षा परिसर में कुछ परीक्षार्थियों के द्वारा हंगामा किया गया। सड़क जाम किया गया और वाहनों में तोड़फोड़ की कोशिश की गई। इस दौरान पुलिस ने हल्का बल का प्रयोग भी किया और हंगामा कर रहे परीक्षार्थियों को खदेड़ दिया। इस कारण से पुलिस प्रशासन के अधिकारी व पदाधिकारी ने विवेक से कम लिया। पुरानी बाइपास के पूरब की ओर से कुम्हरार की ओर आने वाले वाहनों को धनुकी मोड़ के पास ही रोक दिया गया।

हालांकि कुम्हरार की ओर से अगमकुआं आरओबी की ओर आने वाले वाहनों को जाने दिया जा रहा था। इस कारण से धनुकी से लेकर अगमकुआं आरओबी, अगमकु आं-पहाड़ी रोड, एनएच30 पर जाम की स्थिति बन गई। सुदर्शन पथ भी इससे अछूता नहीं रहा। दरअसल छात्रों का जत्था जब बापू परीक्षा परिसर से बाहर निकला, तो सड़क जाम कर हंगामा करने लगा। वाहनों में तोड़फोड़ का प्रयास किया गया। नतीजतन वाहनों का परिचालन पूरब से पश्चिम की ओर रोक दिया गया।

महात्मा गांधी सेतु से धनुकी की ओर उतरने वाले वाहनों को भी पश्चिम की ओर जाने के बजाए पूरब की ओर घुमा दिया गया। ऐसे में जाम की स्थिति बनी रही। हालांकि जब मामला शांत हो गया, तो धीरे-धीरे ट्रेफिक को आगे बढ़ने दिया गया। नतीजा यह रहा कि अपराह्न पांच बजे तक पुरानी बाइपास से लेकर अगमकुआं-पहाड़ी मोड़ के बीच और जीरो माइल से लेकर बाइपास थाना मोड़ के बीच एनएच30 पर भी जाम की स्थिति बनी रही। यही स्थिति बैरिया बस स्टैंड की ओर भी देखा गया। महात्मा गांधी सेतु पर भी जाम की स्थिति बनी रही। कारण कि परीक्षा समाप्त होने के बाद पटना से भाया हाजीपुर की ओर लौटने वाले और उसे ओर से पटना की ओर आने वाले परीक्षार्थियों का भी दबाव था।

सड़क व नाला निर्माण में अनियमितता बरतने पर स्थानीय लोगो ने कार्यपालक पदाधिकारी से लिखितशिकायत की

दानापुर। नगर के अंतर्गत नगर परिषद के वार्ड संख्या एक में चल रही पीसीसी सड़क एवं नाला निर्माण में अनियमितता बरतने का आरोप लगाते हुए स्थानीय लोगो ने कार्यपालक पदाधिकारी से लिखित शिकायत की है। लोगो ने कार्यपालक पदाधिकारी को दिये पत्र में बताया है कि वार्ड संख्या एक में पीसीसीपथ एवं हयूम पाइप नाला का निर्माण कराया जा रहा है। जिसमें अनियमितता बरती जा रही है। चल रहे योजना के अंतर्गत पाइप बिछाने से पूर्व गंगा का बालू एवं ढलाई करनी है। जो नही किया जा रहा है। पाइप का साइज भी सही नही है और लेवलिंग भी नही किया जा रहा है। स्थानीय संजीत कुमार शत्रुध्न कुमार रमेश कुमार आदि ने बताया कि नाला निर्माण में बरती जा रही अनियमितता की शिकायत करते हुए जांच कराकर निर्माण कराने की मांग की है। नाला निर्माण का फोटो आदि भी साथ में दिया गया है। इस संबंध में कार्यपालकपदाधिकारी पंकज कुमार ने बताया कि शिकायत मिली है। जिसकी जांच करायी जायेगी। गड़बड़ी पाये जाने पर कार्रवाई की जायेगी ।

बीपीएससी परीक्षा के दौरान बापू परीक्षा केंद्र पर निरीक्षक की मौत

● परीक्षार्थी की तबीयत बिगड़ने पर एनएमसीएच में इलाज

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

अगम कुआं थाना क्षेत्र के कुम्हार स्थित बापू परीक्षा परिषद में बिहार लोक सेवा आयोग के द्वारा 17वीं परीक्षा आयोजित की गई थी। इस दौरान शुक्रवार को बापू परीक्षा परिषद में बीपीएससी परीक्षा के दौरान एक परीक्षा निरीक्षक की अचानक तबीयत खराब होने से उनकी मौत हो गई। वहीं महिला परीक्षार्थी की तबीयत बिगड़ने पर उसे एनएमसीएच में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। हालांकि बताया जाता है कि दो-तीन अन्य परीक्षार्थी भी हंगामा के दौरान बेहोश होकर गिर गए। अगमकुआं थाना के थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान अरवल जिला के गोदानी कालेज के 58 वर्षीय प्रोडॉ राम इकबाल सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही स्पष्ट हो सकेगा। शव को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कालेज भेजा गया है। मृतक के पुत्र सन्नी कुमार ने बताया कि करपी थाना से सूचना मिली कि बापू परीक्षा परिषद पर चल रही बीपीएससी परीक्षा के दौरान पिताजी की हृदय गति रुकने से मौत हुई है। परीक्षा केंद्र पर पहुंचे बेटे ने बताया कि मृत पिता कहां हैं, उन्हें खोजने में काफी परेशानी हुई है। उन्हें निजी नर्सिंग होम में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। पुलिस की ओर से भी उचित सहयोग नहीं मिल पा रहा था। बेटे के अनुसार पूर्व में भी पिता जी को अटैक आ चुका था। बापू परीक्षा परिसर के बीपीएससी पीटी की परीक्षा देने के दौरान अचानक भगदड़ और हंगामा के बीच एक परीक्षार्थी की तबीयत बिगड़ गयी। उसे इलाज के लिए एनएमसीएच के इमरजेंसी में भर्ती कराया गया है। परीक्षार्थी का नाम सुष्मिता कुमारी है। बताया गया वह परीक्षा दे रही थी। प्रश्न पत्र समय से नहीं मिलने पर हंगामा होने लगा। इसी दौरान घबरा गयी और चक्कर सा आने लगा था। इसी में वह बेहोश हो गई थी। हालांकि सूचना मिलने के बाद परिजन एनएमसीएच पहुंचे और उसे अपने साथ ले गए।

नवम पातशाह का नहीं, पुरातन शस्त्र का नाम ले संगत को बताएं

● गुरुद्वारा चाचा फग्गू मल मामले में तख्तश्री पटना साहिब के पंज प्यारों का हुकुमनामा

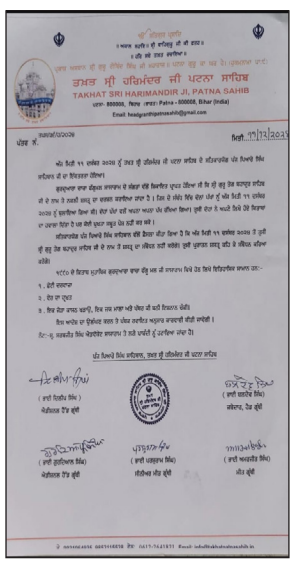

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के पंज प्यारों ने सलाह-मशविरा कर सासाराम स्थित गुरुद्वारा चाचा फग्गू मल के बारे में हुकुमनामा जारी किया है। इसमें कहा गया है कि संगत से शिकायत मिली थी कि वहां श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के नाम पर नकली शस्त्र का दर्शन कराया जा रहा है। इसे लेकर 11 दिसंबर, 24 को दोनों पक्षों को बुलाया गया था। दोनों पक्षों ने अपना-अपना पक्ष पंज प्यारों के समक्ष रखने का काम किया। दोनों पक्षों ने अपनी लिखी पुस्तकों का हवाला दिया, लेकिन कोई ठोस प्रमाण नहीं दे सके। इसके बाद पंज प्यारों के द्वारा यह निर्णय सुनाया गया कि आप सब श्री गुरु तेग बहादुर जी साहेब के नाम से शस्त्र को संबोधित नहीं करेंगे। इसकी जगह ह्यपुरातन शस्त्रह्ल कह कर संबोधित किया जाएगा। जारी हुकुमनामा में कहा गया कि वर्ष 1990 की पुस्तक के अनुसार गुरुद्वारा चाचा फग्गू मल जी सासाराम में निम्नलिखित ऐतिहासिक वस्तुएं हैं। इनमें छोटा दरवाजा, बेर के पेड़, एक जोड़ा काष्ठ का खड़ाऊं, एक जयमाला और पत्थर का बना स्नान चौकी है। साथ ही चेताया गया कि इस आदेश का उल्लंघन किया गया, तो पंथ परंपरा के अनुसार कार्यवाही की जाएगी। इस आदेश के अलावा अधिवक्ता सरबजीत सिंह (सासाराम) पर लगा प्रतिबंध को भी हटा लिए जाने की बात कही गई है। जारी हुकुमनामा में जत्थेदार भाई बलदेव सिंह, अतिरिक्त मुख्य ग्रंथी भाई दिलीप सिंह, एडिशनल हेड ग्रंथी गुरदयाल सिंह, परमजीत सिंह और अमरजीत सिंह के हस्ताक्षर हैं।

सरस मेला में सीडेनता फाउंडेशन द्वारा कृषि उद्यमिता के नए अवयव विषय पर कार्यक्रम आयोजित

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। राज्यों की संस्कृति, परंपरा और हस्तशिल्प को अपने अन्दर समेटे बिहार सरस मेला अब अपने स्वरुप में आ गया है ' बिहार सरस मेला में 25 राज्यों की 3 सौ से अधिक स्वयं सहायता समूह से जुडी महिला उद्यमी सदियों पुरानी लोक कला एवं हस्तशिल्प को पुनर्जीवित कर रही हैं । वर्तमान पीढ़ी अपनी संस्कृति एवं परंपरा से सरस मेला मेरुबू हो रही है ' इसके साथ ही आगंतुक देशी व्यंजनों का लुत्फ भी उठा रही है ' दीदी की रसोई समेत व्यंजनों के स्टॉल पर विभिन्न प्रदेशों की मिठाइयाँ लोगो को लुभा रही है । खगड़िया की जीविका दीदी द्वारा बनाई गई मक्के की रोटी ,चने की साग और शामक चावल का खीर का स्वाद आगंतुक ले रहे हैं । बिहार सरस मेला बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति जीविका द्वारा 26 दिसंबर तक आयोजित है । सरस मेला ग्रामीण उद्यमिता को समर्पित है । मेला में ऐसी सैकड़ो ग्रामीण महिलाएं एक कुशल उद्यमी के तौर पर आई हैं जो कल तक किसी और के खेत ,दुकान या मकान में चाकरी करती थी । हाजीपुर से आई सुनीता देवी उन्ही महिलाओं में से एक हैं ' चार साल पहले पति राजेश पंडित की असमय मृत्यु के बाद सुनीता स्थानीय नर्सरी में दिहाड़ी मजदुर थी ' आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी ' लिहाजा सागर जीविका महिला ग्राम संगठन ने सतत जीविकोपार्जन योजना से लाभ देने के लिए इनके नाम का अनुमोदन किया ' अनुभव के आधार पर इन्होने नर्सरी की शुरूवात की ' इनके नर्सरी से फूल , शो प्लांट, औषधि प्लांट, महोगनी, सागवान आदि की खूब बिक्री होती है ' प्रति माह 8 से 10 हजार का मुनाफा हो रहा है । कल तक दस रुपये के लिए मोहताज सुनीता देवी की पहचान अब लखपतिया दीदी के रूप में हैं ' सुनीता देवी सरस मेला में पहली बार आई हैं । और यहाँ आकर वो काफी उत्साहित है । सुनीता देवी की तरह ही यहाँ आई ग्रामीण महिलाएं महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन की तस्वीर 5 सौ से अधिक स्टॉल पर प्रदर्शित कर रही हैं ' ग्रामीण उद्यमिता के प्रदर्शनी के साथ ही सेमीनार और सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से भी आगंतुक नई तकनीक और लोक संस्कृति तथा लोक कला से रूबरू हो रहे हैं । शुक्रवार को सेमिनार हाल में सीडेनता फाउंडेशन द्वारा कृषि उद्यमिता के नए अवयव विषय पर विचारों का आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित हुआ । इस कार्यक्रम में कृषि उद्यमियों ने कृषि क्रांति की सफलता की तस्वीर पेश की । बिहार की पहली ड्रोन चलाने वाली जीविका दीदी सोनी कुमारी ने बतौर कृषि सलाहकार स्थापित होने और फिर ड्रोन चलाने वाली दीदी के तौर पर खुद को स्थापित करने की कहानी सुनाई ' गौरव सिंह, प्रोजेक्ट संयोजक , ने कृषि के अत्याधुनिक तकनीक के बारे में बताया । संध्या समय में मुख्य सांस्कृतिक मंच पर अक्षत इवेंट इंटरटेंमेंट द्वारा नाटक, मैजिक शो , लोक गीत एवं लोक नृत्य की प्रस्तुति की गई । अपन बिहार के माध्यम से बिहार गाथा लोक कलाकारों ने नृत्य द्वारा प्रस्तुत की । जाट-जटीन , झिझिया , झूमर आदि की प्रस्तुति ने दर्शकों को झुमाया ' कलाकारों में राधा, प्रियंका, सलोनी,मधुमिता आदि रही ' मंच संचालन गुलाम सिमनानी ने किया ल्संस्कृतिक कार्यक्रम की संयोजक नाजिश बानो एवं श्रीमती आशा हैं । पालना घर, फूड जोन ,फन जोन एवं एवं सेल्फी जोन आकर्षण के खास केंद्र हैं ' ग्राहक सेवा केंद्र से रुपये की जमा निकासी हो रही है ' बैंक और विभिन्न विभाग आगंतुकों को सरकार की योजनाओं के बारे में बता रहे हैं ।

रोटरी क्लब के सौजन्य से स्लम बस्ती में जांच शिविर का हुआ आयोजन

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। आज अपराह्न 10:30 बजे से स्लम बस्ती कमला नेहरु नगर, पटना के पुरानी सामुदायिक भवन में टी.बी.मरीजों को चिन्हित करने हेतु जांच शिविर का आयोजन रोटरी क्लब, पटना के द्वारा किया गया. यह आयोजन राज्य स्वास्थ्य समिति बिहार, पटना के तत्वावधान में किया गया. डॉ. सुभाष चंद्र प्रसाद, जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी एवं डॉ. सुमित कुमार, एमडी, एम्स, पटना ने शिविर में मरीजों की जांच की. सैकड़ों के तादाद में समुदाय के बच्चे, महिलायें, पुरुषों ने जांच शिविर में भाग लिया। इस जांच शिविर का उदघाटन रोटरी क्लब के वर्तमान प्रेसीडेंट व पूर्व प्रेसीडेंट क्रमशः कैलाश कुमार, मिथिलेश मंडल एवं रवि राज ने किया. प्रेसीडेंट कैलाश कुमार के कहा कि इस तरह का स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन अगले छः माह तक प्रतिमाह विभिन्न स्लम बस्तियों में किया जायेगा ताकि स्लम बस्तियों को टी.बी मुक्त कराया जा सके. वहीं पूर्व प्रेसीडेंट मिथिलेश मंडल ने कहा कि आगामी सत्र की नियुक्त रोटरी क्लब ऑफ पटना की प्रेसीडेंट रश्मी देवी ने अगले साल जून माह से एक साल तक पटना के अन्य स्लम बस्तियों में टी.बी जांच शिविर का आयोजन करने का निर्णय लिया है। इस जांच शिविर में 5 मरीजों का नाट टेस्ट के लिए स्पुटम फाल्कन टयूब में लेकर जांच के लिए भेजा गया है. जांचोंपरांत ही पता चलेगा कि किस मरीज का स्पुटम टेस्ट में रिपोर्ट पोजिटिव आया. जिन मरीजों का पोजिटिव आयेगा उन्हें निक्षय पोर्टल पर रजिस्टर्ड कराकर सरकार की ओर से मुफ्त दवा और छः माह तक 1000 रुपये मिलने की प्रक्रिया से आबद्ध कर दिया जायेगा। प्रेसीडेंट अखिलेश कुमार ने कहा कि चिन्हित टी.बी.मरीजों को छः माह तक पोषण आहार हेतु गोद लिया जायेगा। इस जांच शिविर में राकेश रंजन श्रीवास्तव, इंटर सेक्टोरल एक्सपर्ट, एसटीएसयू, राज्य स्वास्थ्य समिति, पटना, अविनाश खन्ना, ट्राई के मनोज कुमार सिन्हा, फतेह अली, धर्मेन्द्र कुमार आदि ने भाग लिया।

तख्तश्री कमेटी के पदा. ने चल रहे भवन निर्माण का लिया जायजा

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

साहेब श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज का प्रकाश पर्व चार से छह जनवरी के बीच मनाया जाना है। इसे लेकर प्रभातफेरी का दौर दिसंबर के अंतिम सप्ताह में शुरू हो जाएगा। इस बीच पटना साहिब आने वाले देश-विदेश के संगतों के ठहराने को लेकर प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारियों ने तैयारी शुरू कर दी है। इस बाबत शुक्रवार को कमेटी के वरीय उपाध्यक्ष लखविंदर सिंह एवं महासचिव इंद्रजीत सिंह ने परिसर में चल रहे भवन निर्माण के कार्यों का निरीक्षण किया और वस्तुस्थिति से अवगत हुए। इस दौरान संत बाबा कश्मीर सिंह भूरीवाले के द्वारा बनवाए जा रहे सौ आधुनिक कमरों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान गुरुद्वारा बाललीला मैनी संगत के स्थानीय प्रमुख बाबा गुरविंदर सिंह भी मौजूद रहे। बताया गया कि बेसमेंट में बाथरूम व स्नानागार सब गुरु पर्व के पूर्व तैयार कर दिया जाएगा। वहीं प्रथम मंजिल के स्ट्रक्चर में तिरपाल लगा कर और घेरबंदी कर संगतों को ठहरने का इंतजाम किया जाएगा। वहीं पटियाले वाले बाबा जी का काम भी चल रहा है। यहां भी भूतल एवं प्रथम मंजिल पर टेंट का सहारा लेकर संगतों को ठहराने का काम किया जाएगा। आगरावाले डॉ संतोख सिंह के द्वारा बाड़े की गली में 24 कमरा बनकर तैयार है। अंतिम चरण का काम चल रहा है। संभावना है कि एक सप्ताह के अंदर इसे तख्तश्री कमेटी को सुपुर्द कर दिया जाएगा। हालांकि जिस संख्या में संगतों का पटना साहिब आना होता है, उस अनुसार उनके ठहरने की सुविधा नहीं हो पाती है। हालांकि कमेटी के पदाधिकारियों के द्वारा लगातार इस दिशा में प्रयास किया जा रहा है। आने वाली संगत गुरुद्वारा के आसपास ही ठहरना चाहती है। वैसे बिहार सरकार के द्वारा मालसलामी स्थित स्व ओपी साह सामुदायिक भवन और बाजार समिति में निर्मित प्रकाश पुंज में भी ठहरने की व्यवस्था कराई जाती है। मगर तख्तश्री पटना साहिब से दूरी के कारण संगत वहां जाना नहीं चाहती है।

बदजुबानी पर डीएम ने जड़ा थप्पड़

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

डीएम डॉ चंद्रशेखर सिंह कुम्हरार स्थित बापू परीक्षा परिसर में बीपीएससी की चल रही परीक्षा के दौरान हंगामा और परीक्षा बहिष्कार की सूचना पाकर पहुंचे थे। इस दौरान एक परीक्षार्थी के द्वारा डीएम को कुछ बदजुबानी कह दिया गया। इसके बाद पलक झपकते ही डीम पीछे घूमे और उस परीक्षार्थी को एक जोरदार थप्पड़ जड़ दिया। इससे उस परीक्षार्थी का चश्मा गिर गया। हालांकि मौके पर रहे पुलिस पदाधिकारी और जवानों ने तुरंत उस परीक्षार्थी को बाहर निकालने का काम किया।

देशहित में है वन नेशन वन इलेक्शन : अशोक

बोलें-बार-बार चुनाव में जाने से संसाधनों का होता है दुरुपयोग

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन देशहित में है और हमारी पार्टी हमेशा से इसकी पक्षधर रही है। बार-बार चुनाव में जाने से सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग होता है और विकासकार्यों में भी बाधाएं उत्पन्न होती है। श्री चौधरी शुक्रवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से मुखातिब हुए। पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि टैरिफ हमारी सरकार का पुराना मुद्दा रहा है और हमें विश्वास है कि निकट भविष्य में इसका भी समाधान निकलेगा। वहीं, एक अन्य सवाल पर मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर जब भी कांग्रेस कमजोर हुई है तो लालू प्रसाद यादव ने बिहार में उन्हें और अधिक दबाने का काम किया है। कांग्रेस के प्रति वो कभी ईमानदार नहीं रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि राजद का एम-वाई समीकरण पूरी तरह से दरक चुका है और 2025 में एनडीए गठबंधन 225 सीटों पर जीत दर्ज करेगा।

युवाओं को हर स्तर पर सशक्त करना चाहती है सरकार : सुमित

इस अवसर पर प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुमित कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि बहुत जल्द लाइब्रेरियन के बहाली की प्रक्रिया शुरू होगी और वित्तीय वर्ष में हमलोग इसको पूरा भी कर लेंगे। माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में हमारी सरकार युवाओं को हर स्तर पर सशक्त करना चाहती है। इससे पहले मंत्री ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे आमजनों की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मौके पर पार्टी के माननीय विधानपार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी मौजूद रहे।

ज्यादा जोगी मठ उजाड़ वाली हालत में पड़ा इंडी गठबंधन : विजय

- विजन के अभाव में जगजाहिर हो रहा विपक्ष का विरोधाभास

प्रात : किरण संवाददाता

बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा आज इंडी जमघट की राजनीतिक हालत ज्यादा योगी मठ उजाड़ वाली हो गई है। इस गठबंधन के हर नेता और हर दल स्वघोषित नेतृत्वकर्ता बनकर घूम रहे हैं। जनता तो इन्हें चुनाव दर चुनाव नकारती ही जा रही है । अब ये लोग आपस में एक-दूसरे को खारिज करने में जुटे हैं। श्री सिन्हा ने आगे कहा कि इन सबके बीच आज सबसे दयनीय स्थिति कांग्रेस की हो गई है। जिस कांग्रेस ने लालू प्रसाद की सत्ता को सुरक्षित और संरक्षित करने के चक्कर में अपने आप को बिहार की राजनीति में अप्रासंगिक कर लिया। वो लालू भी आज किसी और की लॉबिंग करने में जुटे हैं । वास्तव में आज कांग्रेस अपने किये की सजा पा रही है। श्री सिन्हा ने कहा कि किसी भी गठबंधन का आधार विचारधारा या विकास का विजन होता है। लेकिन इंडी गठबंधन के लोग तो केवल अपनी अपनी सत्ता की जागीर बचाने के लिए इकट्ठे हुए थे। जब सत्ता हाथ नहीं लगी तो अब धीरे-धीरे इनका असली विरोधाभासी चरित्र सामने आने लगा है। आम चुनाव सहित किसी भी चुनाव में अब तक यह गठबंधन अपना रिपोर्टकार्ड, अपना एजेंडा और अपना विजन जनता के बीच रखने में नाकाम रही है। इस गठबंधन की पहल पांच सितारा होटलों में शानदार डिनर पार्टियों शुरू हुई। इसलिए इनका एजेंडा भी मटन की रेसिपी, हेलीकॉप्टर में केक काटने तक सिमट कर रह गया। जितने चेहरे उतने बोल की तर्ज हर मुद्दे पर हर पार्टी की अलग-अलग राय सामने आती है। श्री सिन्हा ने कहा कि दरअसल देश की जनता के साथ इंडी गठबंधन के नेताओं को भी भलीभांति मोदी जी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन की लोकप्रियता का अंदाजा है। इसलिए जब चुनाव में उतरें या संसद में जाएं तो इन्हें समझ ही नहीं आता कि जनता से क्या कहें ? कभी इन्हें संविधान खतरे में नजर आता, कभी लोकतंत्र संकट में दिखता। जब इनके ये दांव नहीं चलते तो समाज को धर्म और जाति के आधार पर बांटने में जुट जाते हैं । अपनी नाकामियों की खीज मिटाने के लिए, ये लोग अक्सर हिंसा और अराजकता का माहौल बनाने में भिड़ जाते हैं।

भाजपा को पीछे धकेलने की जवाबदेही बिहार पर : दीपंकर

माले को देश में विस्तार दें ताकि बदलाव की मुहिम नई ऊंचाई पा सके

- 9 मार्च 2025 को पटना में बदलो बिहार महाजुटान

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

9 मार्च 2025 को पटना में भाकपा-माले बदलो बिहार महाजुटान करेगी। तैयारी को लेकर पटना के रवीन्द्र भवन में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यकर्ता कन्वेंशन को संबोधित करते हुए माले महासचिव ने कहा कि फासीवादी भाजपा को पीछे धकेलने की जवाबदेही बिहार पर है। कुछ ही महीनों में यहां विधानसभा चुनाव होने वाला है। उन्होंने आह्वान किया कि झारखंड की तरह बिहार भी भाजपा को सबक सिखाए ताकि देश में संविधान व लोकतंत्र को बचाया जा सके।आगे कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में बैकफुट पर पहुंची भाजपा एक बार फिर से हरियाणा व झारखंड के चुनावों के बाद हमलावर है। महाराष्ट्र में उसने तिकड़मों के जरिए पहले सत्ता हथियाया फिर चुनाव हथिया लिया। आज महाराष्ट्र सहित पूरा देश चुनाव आयोग की निष्पक्षता और ईवीएम पर सवाल खड़ा कर रहा है। ऐसे में उसपर पर्दा डालने के लिए वन नेशन वन इलेक्शन का शिगुफा छेड़ा जा रहा है। अमेरिकी जांच एजेंसियों ने अडानी घोटाले का पदार्फाश किया कि किस तरह अमेरिका से पैसे उठाकर केवल पांच राज्यों में 2200 करोड़ रुपया घूस देकर सौर ऊर्जा खरीदी गई। और फिर बहुत महंगी दर पर भारत में बिजली बेची जा रही है। केंद्र सरकार संसद में इसपर चर्चा तक नहीं चाहती। सरकार ही संसद नहीं चलने दे रही है। राज्यसभा के सभापति तमाम नियम कानूनों का उल्लंघन कर रहे हैं और विपक्षी सांसदों का अपमान करते हैं। ऐसे में देश की निगाह बिहार पर है कि क्या बिहार इस फासीवादी सरकार को घुटना टेकने के लिए मजबूर कर पाएगा? हमें इस महत्ती जिम्मेवारी को कबूल करना है। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और पंथनिरपेक्ष शब्दों को चुनौती देने वाली याचिकाओं को रद्द करना और प्लेसेज ऑफ वरशिप एक्ट, 1991 पर हाल में दिया आदेश जरूर स्वागतयोग्य कदम है लेकिन भाजपा-आरएसएस द्वारा संविधान की मूल भावना को कमजोर करने के प्रयासों के खिलाफ हमें निरंतर संघर्ष जारी रखना होगा। इलाहाबाद हाइकोर्ट के एक जज कहते हैं कि बहुसंख्यक की इच्छा ही कानून है। ऐस में देश का संविधान व लोकतंत्र कैसे बचेगा? मोदी सरकार ने न्यायपालिका से लेकर मीडिया संस्थानों पर कब्जा कर लिया है और मनुस्मृति का गुलाम बना देने के सारे प्रयास हो रहे हैं। हमें इन तमाम चुनौतियों से एक साथ लड़ना है। उन्होंने कहा कि बिहार की तथाकथित डबल इंजन सरकार के अन्याय, बदलाव की ताकतों को कुचल देने और बिहार को पीछे धकेलने की साजिशों के खिलाफ चौतरफा आंदोलनों को तेज करना है। यह कन्वेंशन लोगों के जीवन-जिंदगानी, सामाजिक न्याय, आर्थिक सुरक्षा, सुरक्षित रोजगार, भूमि पर अधिकार, लाभकारी खेती जैसे बदलाव के एजेंडे को नई ऊर्जा देने के लिए आयोजित है। 9 मार्च को पटना में होने वाले महाजुटान को विभिन्न आंदोलनरत सामाजिक समूहों का एक साझा मंच बना देना है। उनकी गोलबंदी में अभी से एक-एक कार्यकर्ता को लग जाना है।

एक राष्ट्र एक चुनाव कानून अच्छी मंशा से लाए जाने पर ही फायदेमंद : पीके

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने शुक्रवार को कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव देश के लिए फायदेमंद हो सकता है, बशर्ते कि यह कदम अच्छे इरादों से उठाया जाए। उन्होंने कुछ कानूनों का उदाहरण देते हुए कहा, कानून आतंकवाद पर अंकुश लगाने के लिए बनाए गए, लेकिन उनका इस्तेमाल एक खास समुदाय को निशाना बनाने के लिए किया गया। किशोर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने संबंधी विधेयकों को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बृहस्पतिवार को मिली मंजूरी के बारे में पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। इन विधेयकों को अब शीघ्र ही संसद में पेश किए जाने की संभावना है। चुनावी रणनीतिकार रह चुके किशोर ने कहा, ह्यह्यमैं कई चुनावों में शामिल रहा हूं। मैंने देखा है कि हर साल देश का एक बड़ा हिस्सा राष्ट्रीय या राज्य स्तर के किसी न किसी चुनाव में शामिल रहता है। किशोर की चुनाव परामर्श फर्म आई-पैक (इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी जैसे विभिन्न नेताओं के चुनाव प्रचार अभियान को संभाल चुकी है। किशोर ने कहा कि अतीत में चीजें अलग थीं। उन्होंने कहा, ह्यह्यकम से कम 1960 के दशक तक, लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए चुनाव एक साथ होते थे। अगर ऐसा फिर से होता है, तो यह देश के लिए अच्छा होगा। लेकिन यह बदलाव सुगमता से करना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इस तरह के बदलाव का प्रयास रातोंरात नहीं किया जाना चाहिए। बिहार में मुसलमानों के बीच अपनी पैठ बनाने का प्रयास कर रही जन सुराज पार्टी के संस्थापक ने यह भी कहा कि प्रस्तावित विधेयकों की सफलता काफी हद तक केंद्र की मंशा पर निर्भर करेगी। किशोर ने यह टिप्पणी राजनीतिक हलकों में व्याप्त इस आशंका की पृष्ठभूमि में की है कि एक राष्ट्र एक चुनाव का इस्तेमाल केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा का विरोध कर रही पार्टियों द्वारा शासित राज्य सरकारों को निशाना बनाने के लिए किया जा सकता है।

अररिया लघुनहर के सेवापथ का 96 प्रतिशत कार्य पूरा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिले के झंझारपुर प्रखंड में सुगरवे वीयर के अपस्ट्रीम में दाँये बाँध से निःसृत अररिया लघुनहर के सेवापथ का पक्कीकरण एवं लाइनिंग कार्य तेजी से प्रगति पर है। योजनाओं के अंतरगत 1.68 ङट में सेवापथ का पक्कीकरण एवं लाइनिंग कार्य किया जा चुका है।जल संसाधन विभाग की इस महत्वपूर्ण योजना का कार्य इसी वर्ष 19 फरवरी 2024 को शुरू हुआ था। करीब 10 माह में ही योजना की भौतिक प्रगति 96.00 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है और इसे फरवरी 2025 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है। योजना के पूर्ण होने पर 619.19 एकड़ (250.58 हेक्टेयर) क्षेत्र में सिंचाई सुविधा सुनिश्चित होगी, जिससे झंझारपुर प्रखंड के अररिया, ननियौती, खरौवा, रघुनंदनपुर आदि गांवों के किसान लाभान्वित होंगे।

सूबे में जनस्वास्थ्य का अमंगल काल : गगन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने कहा है कि राजधानी में लगे बड़े-बड़े होल्डर और बैनर से यह जानकारी मिली है कि बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय ने एनडीए सरकार में स्वास्थ्य विभाग की उपलब्धियों पर एक पुस्तक लिखी है जिसका राज्यपाल महोदय द्वारा आगामी 17 दिसम्बर को विमोचन होने वाला है और किताब का शीर्षक आरोग्य पथ पर बिहार - जनस्वास्थ्य का मंगल काल रखा गया है। लगता है पुस्तक के शीर्षक का चयन करने में मंगल पाण्डेय से भारी चूक हो गई है। दरअसल पुस्तक का शीर्षक स्वास्थ्य विभाग का अमंगल काल होना चाहिए था। गगन ने कहा कि किताब लिखने से पहले उनको कैग की रिपोर्ट पढ़ लेनी चाहिए थी। मंगल पांडेय पर तंज कसते हुए आरजेडी प्रवक्ता ने कहा कि जो विभाग बजट द्वारा आवंटित राशि भी नहीं खर्च कर पा रही हो, खाली पदों को नहीं भर पा रही है और अस्पतालों में इलाज के लिए जरुरी उपकरण की व्यवस्था भी नहीं कर पा रही हो , उस विभाग के मंत्री स्वास्थ्य क्षेत्र में मंगल काल पर पुस्तक लिखते हैं । इससे अमंगलकारी कार्य और क्या हो सकता है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री जी को अपनी पुस्तक में बिहार विधानसभा में 28 नवंबर 2024 को पेश कैग की रिपोर्ट की भी चर्चा करनी चाहिए । कैग रिपोर्ट से बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खुल चुकी है। सीएजी की रिपोर्ट से स्पष्ट है कि बिहार की एनडीए सरकार के शासनकाल में स्वास्थ्य के मामले में मंगल काल नहीं बल्कि अमंगल काल चल रहा है। वित्तीय वर्ष 2016-17 से 2021-22 के बीच सरकार द्वारा आवंटित 69790.83 करोड़ रू के बजट में सिर्फ 69% राशि ही खर्च की जा सकी थी। इसमें भी सर्वाधिक खर्च महागठबंधन सरकार के कार्यकाल के समय में हीं हुआ है। जबकि 21743.004 करोड़ रुपये बिना उपयोग किए रह गए। मंत्री को अपनी किताब में इसकी चर्चा करते हुए बताना चाहिए कि इस प्रशासनिक लापरवाही के लिए कौन जिम्मेवार है। कैग द्वारा अपने रिपोर्ट में राज्य में बड़ी संख्या में डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की कमी के साथ हीं आवश्यक उपकरणों और दवाईयों के भारी अभाव को रेखांकित करते हुए स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार के लिए 31 सुझाव दिए गए हैं।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा सुप्रीमों का बिहार यात्रा आज से

पटना। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद व भारत सरकार के पूर्व मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा का पार्टी की ओर से आयोजित बिहार यात्रा के आंठवें चरण में 14 दिसंबर से 16 दिसंबर 2024 तक लखीसराय, मुंगेर, भागलपुर, व बांका में कार्यक्रम आयोजित की गई है। इन जिलों में कार्यक्रम पूरी होने के बाद बिहार के 38 जिलों में राष्ट्रीय लोक मोर्चा का बिहार यात्रा संपन्न हो जायेगी। उक्त आशय की जानकारी देते हुए राष्ट्रीय लोक मोर्चा के बिहार प्रदेश प्रवक्ता राम पुकार सिन्हा ने बताया की आठवें चरण की चार जिलों में बिहार यात्रा की सारी तैयारी पूरी कर ली गई हैं इन जिलों की यात्रा के बाद पार्टी सुप्रीमों उपेन्द्र कुशवाहा की बिहार यात्रा संपन्न हो जायेगी। श्री सिन्हा ने बताया की श्री कुशवाहा 14 दिसंबर को रात्रि विश्राम भागलपुर में, वही 15 दिसंबर को बांका में करेंगे।

स्थापना के 100वें वर्ष को शताब्दी वर्ष के रूप में मनाएगी भाकपा

02 जनवरी को राज्य स्तरीय समारोह

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की बिहार राज्य परिषद ने 12-13 दिसम्बर, 2024 को संपन्न अपनी बैठक में पार्टी की स्थापना के 100वें वर्ष को शताब्दी वर्ष के रूप में मनाने के राष्ट्रीय आह्वान की रौशनी में पार्टी की गतिविधियों, सांगठनिक विस्तार और विचारधारात्मक प्रचार-प्रसार को तेज रफ्तार देने के लिए व्यापक कार्य योजना बनायी है, 02 जनवरी 2025 को पार्टी के दिवंगत महासचिव कामरेड एबी बर्धन की 10वीं पुण्यतिथि के अवसर पर जनशक्ति भवन, अमरनाथ रोड, अदालतगंज, पटना के प्रांगण में भव्य राज्य स्तरीय शताब्दी वर्ष समारोह का आयोजन किया जायेगा। जिसमें पार्टी के वर्तमान राष्ट्रीय महासचिव का डी राजा मुख्य अतिथि होंगे। इससे पूर्व 26 से 31 दिसम्बर तक सभी जिलों और प्रखंडों में शताब्दी वर्ष के सम्मान में विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे और पार्टी के झंडे फहराये जायेंगे। इस शताब्दी वर्ष के दौरान पार्टी की सदस्यता दोगुनी करने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए अगले वर्ष के मार्च में सभी शाखाओ के सम्मेलन आयोजित किये जायेंगे, अप्रैल और मई महीनों के दौरान अंचल और जिला सम्मेलन होंगे और 10-14 जून, 2025 को पार्टी का राज्य सम्मेलन राजधानी पटना में आयोजित होगा। इस अवसर पर 10 जून को रैली की जायेगी।

आगामी 21-25 सितम्बर, 2025 को चंडीगढ़ी में आहुत पार्टी काँग्रेस (राष्ट्रीय महाधिवेशन) को शताब्दी वर्ष का ऐतिहासिक आयोजन बनाने के लक्ष्य के मद्देनजर सांगठनिक विस्तार और सुदृढ़ीकरण को व्यापक योजना की कड़ी में विविध प्रकार के बौद्धिक, सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से सांप्रदायिक फासीवाद के बढ़ते खतरों का मुकाबला करने हेतु विचारधारात्मक प्रचार-प्रसार अभियानों की श्रृंखला चलायी जायेगी। इस पूरे वर्ष के दौरान अनेक पुस्तक, पुस्तिकाओं, स्मारिकाओं और पार्टी पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन करने की भी योजना है।

बीपीएससी परीक्षा में हुए धांधली की उच्चस्तरीय जांच हो : अरुण

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने बिहार लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा में पटना स्थित बापू परीक्षा परिसर में परीक्षा में धांधली और पेपर लीक होने को लेकर प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों को पटना जिलाधिकारी डॉ चंद्रशेखर सिंह द्वारा थप्पड़ से पीटे जाने की घोर निंदा करते हुए कहा कि सरकार ने परीक्षा और शिक्षा व्यवस्था हंसी का पात्र बना दिया है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि बिहार में ऐसी कोई परीक्षा नहीं है, जिस परीक्षा में प्रश्न पत्र लीक नहीं होता है। ऐसी कोई भी भर्ती और बहाली नहीं जिस में बड़े पैमाने पर धांधली और गड़बड़ी नहीं होती है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि छात्र अभ्यर्थियों द्वारा जायज मांग जब भी उठाया जाता है। सरकार शासन प्रसासन के बल पर, लाठीतंत्र के सहारे दबाने का काम करती है। इढरउ अभ्यर्थियों की मांगों को राज्य सरकार और बिहार लोक सेवा आयोग गंभीरता से लेते हुए पटना के बापू परीक्षा परिसर सेंटर पर हुए धांधली की उच्चस्तरीय जांच कराए। राजद प्रवक्ता ने कहा कि इढरउ परीक्षा में 4 लाख 83 हजार शामिल छात्र-छात्राओं के भविष्य का चिंता छोड़कर बिहार लोक सेवा आयोग परीक्षा में हुए गड़बड़ी पर पर्दा डालने में लगी हुई है। जोकि अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ क्रूर मजाक है।

राजद में शुरू हुई प्रेशर पॉलिटिक्स : प्रभाकर

पटना। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने राजद पर करारा तंज कसते हुए कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव होने में अभी कई महीनों का समय है। लेकिन, उसके पूर्व राजद में सीटों को लेकर प्रेशर पॉलिटिक्स शुरू हो गया है। यह प्रेशर पॉलिटिक्स की नयी शुरूआत लालू परिवार से हुई है। श्री मिश्र ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि राजद का दूसरा नाम लालू एंड फैमिली प्राइवेट लिमिटेड है। यहां किसी की नहीं चलती, सिर्फ लालू और उनके परिवार की ही चलती है। लालू परिवार के लिए राजद में एक सूत्रवाक्य है, खाता न बही, हम जो कहें, वहीं सही। प्रभाकर ने कहा कि लालू प्रसाद के पुत्र तेजप्रताप ने टिकट को लेकर प्रेशर पॉलिटिक्स शुरू कर दी है। लालू जी के बड़े पुत्र तेजप्रताप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्न पर खुलेआम कहा कि अगला विधानसभा चुनाव वे महुआ सीट से ही लड़ेंगे। उन्होंने अपने पोस्ट में तेजस्वी यादव और अपने पिता लालू प्रसाद को भी टैग किया है। पिछले एक सप्ताह के दौरान यह दूसरा मौका है जब तेज प्रताप ने महुआ सीट को लेकर अपनी दावेदारी पेश की है। श्री मिश्र ने कहा इसके बाद अब राजद में लोकतंत्र के नाम पर रह क्या जाता है? कल लालू परिवार के दूसरे लोग दूसरी सीटों पर दावा ठोक देंगे। राजद कार्यकर्ता जो उम्मीदवारी की आस में मेहनत-मशक्कत कर रहे, उन्हें निराशा ही हाथ लगेगी। श्री मिश्र ने कहा कि राजद में लालू परिवार की मनमानी चलती है, वहां न तो वरिष्ठता का कोई कद्र है और न ही ईमानदारी और कर्मठता का कोई सम्मान।

नीतीश कुमार ने पिछड़े बिहार को फिर से दौड़ा दिया : जदयू

पटना। जदयू प्रवक्ता नवल शर्मा ने कहा कि श्रीकृष्ण सिंह के बाद कांग्रेस और 1990 के बाद लालू राबड़ी सरकार की नीतियों ने बिहार के आर्थिक विकास को रसातल में पहुंचा दिया। नब्बे के दशक में जब देश के अधिकांश राज्य आर्थिक उदारीकरण से उत्पन्न नए आर्थिक अवसरों को हाथों हाथ लपक रहे थे वहीं बिहार लालू यादव की जातिवादी राजनीति के पिंजरे में कैद था। उस वक्त अगर नीतीश कुमार जैसा कोई दूरदर्शी और राज्य के हितों के प्रति सजग मुख्यमंत्री होता तो शायद बिहार के विकास की कहानी कुछ और होती। लेकिन लालू यादव ने वोट की राजनीति के चक्कर में नक्सलवाद, जातीय नरसंहार और सांप्रदायिक दंगों की आग में बिहार को झोंक दिया। विकास के सवाल पर लालू जी बोलते थे कि वोट विकास से नहीं बल्कि जातीय समीकरण से मिलता है और सड़क की मांग को लेकर कहते थे कि पक्की सड़क से गरीबों के पांव में छाले पड़ जाएंगे। ऐसे अदूरदर्शी और सत्तापरस्त नेतृत्व का खामियाजा बिहार आज तक भुगत रहा। लेकिन नीतीश कुमार ने अपनी कर्मठता से पिछड़े बिहार को फिर से दौड़ा दिया।

मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए आमजनों की दूर होगी परेशानी

पटना नगर निगम द्वारा घाट वार पदाधिकारियों को दी गई मुक्ति धाम की जिम्मेदारी

- सफाई के लिए 24 घंटे कंट्रोल रूम से की जा रही घाट की मॉनिटरिंग
- विशेष वाहन द्वारा कलेक्ट किया जाएगा शवदाह गृह का कचरा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

अंतेष्ठि के लिए गंगा के घाट पर आने वाले आमजनों की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए पटना नगर निगम द्वारा विशेष व्यवस्था की जा रही है। एक तरफ जहां पटना नगर निगम द्वारा विशेष नोडल पदाधिकारियों की टीम गठित कर मुक्ति धाम (शमशान घाट) मॉनिटरिंग भी की जा रही है। इसके साथ ही आमजनों को घाट वार चिन्हित पदाधिकारियों द्वारा ही मृत्यु प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा जिससे मृतको के परिजनों को परेशानी न उठानी पड़े। इसके साथ ही गंगा घाट को स्वच्छ रखने के लिए पटना नगर निगम द्वारा घाटों के किनारे बनाये गए शवदाह गृह के पास विशेष सफाई एवं सुरक्षा के इंतजाम किए जा रहे है। नगर आयुक्त के निर्देश पर शवदाह गृह के लिए अंचलवार विशेष टीम तैनात की गई है। जिससे शवदाह के उपरांत तुरंत सफाई की जा सके।

मुख्लायय स्तर पर पदाधिकारियों को दी गई है जवाबदेही

पटना नगर निगम के विभिन्न अंचल में पड़ने वाले अंचलों के कार्यपालक पदाधिकारी के साथ ही मुख्यालय स्तर पर विशेष नोडल पदाधिकारी नियुक्त किये गये है। दीघा घाट, गुलबी घाट, बांस घाट, खाजेकलां घाट पर मुख्यालय स्तर से वरीय पदाधिकारियों को नोडल बनाया गया है।

न्युनतम दर पर मिलेगी शवदाह के लिए लकड़ी

शवदाह गृह में विद्युत के साथ ही लकड़ी द्वारा भी शवों को जलाया जाता है। पटना नगर निगम द्वारा प्रयास किया जा रहा है कि अंतेष्ठि के लिए आमजनों को न्युनतम राशि खर्च करनी पड़े। इसी कड़ी में पटना नगर निगम द्वारा शीघ्र ही इन घाटों पर न्यूनतम दर में अंत्येष्टि के लिए लकड़ी भी उपलब्ध किया जाएगा। पटना नगर निगम द्वारा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग से लकड़ी उपलब्ध करवाने के लिए पत्र भी लिखा गया है।

कंट्रोल रूम से की जा रही है घाटों की मॉनिटरिंग

पटना नगर निगम के मुख्यालय से घाटों की विशेष मॉनिटरिंग भी की जा रही है। एक तरफ जहां वॉकी टॉकी के माध्यम से दो शिफ्ट में सफाई की रिपोर्ट भी ली जा रही है। वहीं दूसरी तरफ घाटों के कैमरे को कंट्रोल रूम से कनेक्ट कर सफाई व्यवस्था की जांच की जा रही है। जिससे सफाई पूर्ण रूप से हो रही है या नहीं ये सुनिश्चित किया जा सके।

विशेष वाहन द्वारा कलेक्ट किया जाएगा कचरा

इन घाटों पर निकलने वाले कचरे (कपड़ा, पूजा का सामान) के लिए पटना नगर निगम द्वारा विशेष वाहन भी चिन्हित किये गए है। सफाई उपरांत घाट पर ही इन गाड़ियों पर कचरा कलेक्ट किया जाएगा। विशेष वाहन सिर्फ इस कचरे को ही कलेक्ट करेंगे। इसके साथ ही जेसीबी एवं टाटा 407 से भी कचरे का उठाव सुनिश्चित किया जाएगा।

चिराग आज चतरा और औरंगाबाद में

पटना। लोजपा (रा)के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चिराग पासवान आज शनिवार को सुबह 11 बजे झारखंड के चतरा विधानसभा के अंतर्गत चतरा कॉलेज मैदान चतरा में प्रेम सिंह समाजसेवी के लिए नव संकल्प महासभा सह विशाल मिलन समारोह को संबोधित करेंगे। तथा आगे श्री चिराग आज ही दोपहर 1:00 बजे(शनिवार) को औरंगाबाद के चिल्हकी हाई स्कूल मैदान,अंबा में प्रख्यात समाजसेवी पंकज पासवान के लिए नव-संकल्प महासभा सह विशाल मिलन समारोह को संबोधित करेंगे। आगे प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट विजन तथा चिराग पासवान जी के विचारों एवं सिद्धांतों से प्रेरित होकर प्रतिदिन लोग पार्टी मे शामिल हो रहे हैं।

बापू परीक्षा परिसर पर अभ्यर्थियों ने किया हंगामा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा में जमकर हंगामा देखने को मिला। परीक्षा समाप्त होने के बाद पटना के कुम्हरार में बापू परीक्षा परिसर पर छात्रों ने हंगामा शुरू कर दिया। बीपीएससी परीक्षार्थियों के हंगामे को संभालने के लिए जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह पटना एसएसपी राजीव मिश्रा के साथ मौके पर पहुंचे थे। अधिकारी छात्रों को समझा रहे थे, तभी पटना के डीएम ने आपा खोते हुए हंगामा कर रहे परीक्षार्थियों में से एक छात्र को थप्पड़ मार दिया। थप्पड़ कांड के बाद वहां खड़े पुलिसकर्मी उस छात्र को पकड़कर अपने साथ ले गए। गौरतलब है कि बीपीएससी परीक्षा में अनियमितताओं को लेकर अभ्यर्थी हंगामा कर रहे थे। उनका आरोप था कि उन्हें प्रश्नपत्र देरी से दिया गया था। अभ्यर्थी परीक्षा के दौरान प्रश्न पत्र और ओएमआर शीट लेकर बाहर आ गए। उन्होंने प्रश्न पत्र भी फाड़ दिए। बिहार के कैमूर जिले के निवासी परीक्षार्थी बरसीदा राशिद ने कहा कि पेपर बहुत अच्छा था और हिस्ट्री सेक्शन विशेष रूप से मददगार रहा। बीपीएससी की तैयारियां बहुत अच्छी थीं। एक अन्य छात्र अनुराग केसरी ने बताया कि यह मेरा दूसरा प्रयास था। पेपर में करंट अफेयर्स के सवाल अच्छे थे। अगर कोई दो महीने भी अच्छी तरह से तैयारी करता तो अच्छे अंक ला सकता था। बीपीएससी की तैयारी तो ठीक थी, लेकिन अंदर की व्यवस्थाओं के बारे में आयोग ही जानता है।

बख्तियारपुर अभियंत्रण महाविद्यालय के छात्रों ने स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन में राष्ट्रीय स्तर पर परचम लहराया

पटना। बख्तियारपुर अभियंत्रण महाविद्यालय के छात्रों ने अपनी मेहनत और प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2024 (सॉफ्टवेयर संस्करण) में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। सॉफ्टवेयर संस्करण में जीत के अलावा, महाविद्यालय की एक अन्य टीम ने स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2024 (हार्डवेयर संस्करण) में भी अपनी जगह बनाई है। यह टीम वर्तमान में एमआईटी-एडीटी यूनिवर्सिटी, पुणे में आयोजित फाइनल राउंड में भाग ले रही है। इस टीम को आवास और शहरी मामलों का मंत्रालय द्वारा दिए गए प्रॉब्लम स्टेटमेंट आईडी1584 पर काम कर रही है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता एआईसीटीई और शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में पूरे भारत में आयोजित की जाती है। इसका उद्देश्य छात्रों को नवाचारी सोच और तकनीकी कुशलता के माध्यम से विभिन्न सरकारी और सामाजिक समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करना है। स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन का सफर कॉलेज स्तर से शुरू होता है। बख्तियारपुर अभियंत्रण महाविद्यालय में भी इसका आयोजन किया गया, जहां छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने और नवाचारी प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत करने का मौका मिला। इंटरनल हैकाथॉन में छात्रों के प्रोजेक्ट्स का आकलन कर सर्वश्रेष्ठ प्रोजेक्ट्स को स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन पोर्टल पर प्रस्तुत किया गया। इसके बाद, मंत्रालय द्वारा प्रोजेक्ट्स की समीक्षा की गई और उनमें से चयनित टीमों को राष्ट्रीय स्तर पर फाइनल राउंड में बुलाया गया। बीसीई की विजेता टीम ने इस बार गुजरात सरकार के प्रॉब्लम स्टेटमेंट आईडी1608 पर काम किया, इसका विषय गुजरात राज्य में अनुसंधान, बौद्धिक संपदा अधिकार , नवाचार, और स्टार्टअप के निगरानी और प्रबंधन को बढ़ाना था। टीम को यह चुनौती दी गई थी कि वे एक ऐसा तकनीकी समाधान प्रस्तुत करें, जिससे राज्य में शोध, नवाचार और स्टार्टअप्स की प्रगति को प्रभावी तरीके से मॉनिटर और मैनेज किया जा सके। टीम ने इस चुनौती को स्वीकार किया और अपनी तकनीकी दक्षता, नवाचारी सोच और समर्पण के बल पर एक अद्वितीय समाधान प्रस्तुत किया। जिसमें ऋतिक रौशन (टीम लीडर),अनामिका कुमारी,यश राज,कृष कुमार, धनजय आर्या,आशीष राज इत्यादि शमिल थे। ये सभी छात्र कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग के चौथे सेमेस्टर के हैं। इसका फाइनल राउंड भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधी नगर में आयोजित किया गया। इस चरण में देशभर की से अलग अलग राज्यों से विभिन्न टीमों ने भाग लिया। हर टीम ने अपने-अपने प्रॉब्लम स्टेटमेंट पर काम करते हुए तकनीकी समाधान प्रस्तुत किया। बीसीई की टीम ने न केवल तकनीकी दक्षता दिखाई, बल्कि अपने प्रोजेक्ट को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करते हुए निर्णायकों का ध्यान आकर्षित किया। टीम की रचनात्मकता, स्पष्टता और व्यावहारिक दृष्टिकोण ने उन्हें प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बिहार सरकार

भवन निर्माण विभाग
विद्युत कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
विद्युत कार्य प्रमंडल संख्या–1, पटना।

शुद्धि–पत्र

इस कार्यालय का अल्पकालिन निविदा सूचना आमंत्रण सं0–14 वर्ष 2024–25, जिसका PR No. 14283 (BCD) 2024-25 है, के क्रमांक–47 पर अंकित कार्य के बदले S/R to Outhouse Servent Qtr Guard Room Security Light and Change of Cable in Qtr No-9 Daroga Ray Path, Patna पढ़ा जाय जिसकी प्राक्कलित राशि रू. 4,00,000/– होगी। जिसके अनुरूप अग्रधन एवं परिमाण–विपत्र की राशि जमा करना होगा।

शेष अन्य पूर्ववत रहेगा।

विद्युत कार्यपालक अभियंता,
विद्युत कार्य प्रमंडल संख्या–1,
भवन निर्माण विभाग, पटना।

PR- 14758 (B C D) 2024-25

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

संक्षिप्त खबरें

टीबी मुक्त सह जागरुकता अभियान की हुई शुरूआत

मुजफ्फरपुर।टीबी मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने के निमित्त 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन सह जागरूकता अभियान का आज आगाज किया गया।जिला पदाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने स्वास्थ्य विभाग की कार्य योजना के अनुरूप 13 दिसंबर से 23 जनवरी तक सभी प्रकार की गतिविधियों का संचालन एवं प्रभावी क्रियान्वयन ससमय पूरा करने तथा लगातार मानिटरिंग कर प्रतिदिन के कार्यों की समीक्षा एवं रिपोर्टिंग करने का निर्देश दिया।इस बाबत जिला पदाधिकारी ने इस अभियान से जुड़े तमाम अधिकारियों के साथ समाहरणालय सभागार में बैठक की तथा प्रखंडवार समीक्षा कर कार्यों में सुधार लाने तथा प्रगति लाने का निर्देश दिया।इसके लिए उप विकास आयुक्त को नियमित समीक्षा कर अभियान में तेजी लाने को कहा। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों को शपथ दिलाया गया। शपथ लेकर सभी अधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा मुजफ्फरपुर जिला से टीवी का उन्मूलन करने और जिला के लोगों के बीच टीवी के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा टीवी के उपचार को सुलभ करने के लिए अपने जिला के सरकारी संस्थानों, जनप्रतिनिधियों और सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

एसएफआई ने चलाया सदस्यता अभियान

विभूतिपुर, विभूतिपुर प्रखंड के डीबीकेएन कॉलेज महाविद्यालय नरहन में एसएफआई के पूर्व जिलाध्यक्ष अवनीश कुमार के नेतृत्व व अंचल मंत्री प्रिंस कुमार के उपस्थिति में चार वर्षीय स्नातक सत्र 2024-28 सेमेस्टर प्रथम के आंतरिक परीक्षा के दौरान विगत तीन दिनों से सदस्यता सह ह्लमे आई हेल्प यूह्व काउंटर लगाया गया। छात्र नेताओं ने छात्र-छात्राओं को संगठन के संविधान से अवगत कराकर स्वाधीनता, जनवाद, समाजवाद के नारा को मजबूत करने हेतु सदस्यता ग्रहण कराया। मौके पर सोनू कुमार, पप्पू कुमार, विवेक कुमार, रौशन कुमार, आदित्य कुमार, अखिलानंद, नीतीश कुमार, श्याम कुमार, विनीत कुमार, सुलोचना कुमारी, जिया कुमारी, निशा कुमारी, अंजली कुमारी, नेहा कुमारी, हरिओम कुमार, रूबी कुमारी सहित दर्जनों छात्र-छात्राओं ने सदस्यता ग्रहण किया।

गुमशुदा को लेकर थाना में दिया आवेदन

विभूतिपुर, समस्तीपुर। थाना क्षेत्र के सिंघिया बुजुर्ग उत्तर वार्ड 05 सिंघिया घाट निवासी अशोक कुमार राय ने अपने 15 वर्षीय पुत्र कुंदन कुमार की गुमशुदा को लेकर थाना में आवेदन देकर मदद की गुहार लगाई है। बताया कि 10 दिसंबर 2024 से मेरा पुत्र कहीं लापता हो गया। अपने स्तर से काफी खोजबीन किया परन्तु कहीं पता नहीं चल पाया है।

वाहन की ठोकर से युवक जख्मी

कल्याणपुर, समस्तीपुर। थाना क्षेत्र के समस्तीपुर-दरभंगा मुख्य मार्ग के डाक गाछी के समीप एक अज्ञात वाहन की ठोकर लगने से एक बाईक सवार युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जख्मी की पहचान रमपुरा गांव रामविलास महतो का पुत्र 30 वर्षीय कमलेश कुमार के रूप में पहचान हुई है। जिससे स्थानीय लोगों की सहयोग से ईलाज के लिए समस्तीपुर के एक निजी क्लीनिक मे भर्ती कराया गया। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

विद्युत चोरी की हुई प्राथमिक दर्ज

कल्याणपुर, समस्तीपुर। थाना क्षेत्र के कोयलाकुड गांव में गुरुवार को विद्युत चोरी के जानकारी होने पर छापेमारी के दौरान विद्युत जेई कुणाल कुमार ने विद्युत चोरी के आरोप में विनोद ठाकुर के पुत्र विकास कुमार के विरुद्ध कल्याणपुर थाना में आवेदन देकर प्राथमिक की दर्ज कराया है। जिसमें विकास कुमार पर विद्युत चोरी करने का आरोप लगाया है। वहीं थाना अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि दिए गए आवेदन के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

प्रो हरे कृष्ण सिंह ने पुनः संभाला डीडीई निदेशक का पदभार

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय अंतर्गत दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, दरभंगा के निदेशक पद पर पुनः प्रो हरे कृष्ण सिंह ने कार्यभार संभाला। शुक्रवार को विश्वविद्यालय परीक्षा- नियंत्रक व पूर्व डीडीई निदेशक प्रो विनोद कुमार ओझा ने कार्यालय में प्रो सिंह का स्नेहिल अभिनंदन किया। इस मौके पर विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो आनंद मोहन मिश्र, शिक्षा विभाग के डॉ अखिलेश्वर मिश्र, डॉ शंभु प्रसाद, डॉ मिलन कुमार, डॉ एहसान अली, डॉ सुरेश पासवान के अलावा निदेशालय के सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

अधिकारियों को कैम्प मोड में योजनाओं से आच्छादित करने का निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।जिले में विकास एवं कल्याण की योजनाओं का लाभ हर घर तक पहुंचाने हेतु जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने गुरुवार को अधिकारियों की टीम के साथ मुसहरी प्रखंड के नरौली पंचायत का भ्रमण किया तथा समीक्षा कर सभी विभाग के अधिकारियों को कैंप मोड में अपने-अपने विभाग से संबंधित योजनाओं से आच्छादित करने का निर्देश दिया।आगामी सोमवार को सभी विभाग के अधिकारी नरौली स्थित बिजली विभाग के कार्यालय परिसर में 11:00 बजे से शिविर लगाकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों को लाभान्वित करेंगे। इसके लिए नरौली पंचायत एवं उसके आसपास के लोग सोमवार को इस शिविर में आकर अपनी समस्या एवं शिकायतों का समाधान करा सकते हैं। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के द्वारा हेल्थ चेकअप कैंप भी आयोजित होगा। साथ ही आधार कार्ड बनाने, आयुष्मान कार्ड बनाने, राशन कार्ड बनाने, लेबर कार्ड बनाने ,जाब कार्ड सहित पेंशन , दिव्यांग जनों को ट्राइसाइकिल, परिमार्जन आदि के मामलों का मिशन मोड में निष्पादन किया जाएगा। जिलाधिकारी ने नरौली पंचायत सरकार भवन के कार्य में तेजी लाने तथा 5 दिनों के भीतर मिशन मोड में कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने मनरेगा द्वारा जीविका भवन, मनरेगा पार्क, आंगनबाड़ी केंद्र के भवन का निर्माण तथा समतलीकरण का कार्य शीघ्र पूरा करने हेतु वर्कप्लान बनाकर प्रतिदिन कार्य में प्रगति लाने तथा रिपोर्ट करने की बात कही। जिलाधिकारी ने उप विकास आयुक्त को प्रतिदिन के कार्य की मॉनिटरिंग कर पूरा कराने को कहा। उन्होंने डीपीओ आईसीडीएस को भी प्रतिदिन नरौली में कैंप कर आंगनबाड़ी केंद्र का कार्य पूरा करने का निर्देश दिया।नरौली पंचायत सरकार भवन के परिसर में ही मनरेगा के द्वारा जीविका भवन बन रहा है जिसमें पंचायत के 11 ग्राम संगठन का प्रतिमाह बैठक सहित कई अन्य विभागीय कार्य संपादित होंगे। नरौली पंचायत अंतर्गत 183 स्वयं सहायता समूह, 2285 हाउसहोल्ड,11 ग्राम संगठन, एक सीएलएफ तथा 43 सतत जीविकोपार्जन हाउसहोल्ड है। जिला कल्याण पदाधिकारी को महादलित टोलों में पेंशन सहित अन्य कार्यों के निष्पादन के लिए विकास मित्र तथा किशोर किशोरी के साथ बैठक कर सभी आवश्यक कार्य को पूरा करने का निर्देश दिया।

इस क्रम में जिलाधिकारी ने नरौली स्थित बृहद आश्रय गृह का भी भ्रमण किया तथा स्थिति का जायजा लिया।

जिलाधिकारी के साथ उप विकास आयुक्त श्रेष्ठ अनुपम, सिविल सर्जन डॉ अजय कुमार,अपर समाहर्ता राजस्व संजीव कुमार, अपर समाहर्ता आपदा मनोज कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी अजय कुमार सिंह, जिला कृषि पदाधिकारी सुधीर कुमार सहित कई अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नगद व जेवरात सहित ढाई लाख की चोरी, बाहर से कुंडी लगाकर चोरों ने घटना का दिया अंजाम

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

थाना क्षेत्र के पछियारी टभका में गुरुवार की रात्रि अज्ञात चोरों ने शंभू कुमार राय के घर में घर का एवं गोदरेज का ताला तोड़कर चोरी की घटना का अंजाम दिया है। चोर बाउंड्री व पेड़ के सहारे छत पर गया फिर वहां से आंगन में प्रवेश कर जिस कमरे में गृहस्वामी एवं घर के अन्य सदस्य सोए हुए थे उस कमरे का बाहर से कुंडी लगाकर बंद कर दिया। तथा दूसरे कमरे का ताला तोड़कर कमरे में प्रवेश किया एवं गोदरेज का ताला तोड़कर एक लाख 25 हजार रुपया नगद सहित लगभग ढाई लाख की चोरी की घटना का अंजाम देकर फरार हो गया। चोर आंगन से खटिया के सहारे बाउंड्री पार किया। घटना की जानकारी तब लगी जब सुबह घर के सदस्य उठे और अपने कमरे को बाहर से बंद पाया। शोर मचा कर गेट खुलवाया। तब जाकर घटना के बारे में जानकारी मिली। वहीं चोरी की घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। वह इस संबंध में थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना की जानकारी पर जांच जारी है। अभी तक पीड़ित पक्ष की ओर से आवेदन नहीं दिया गया है।

अररिया लघुनहर से झंझारपुर प्रखंड के कई गांवों को मिलेगा सिंचाई सुविधा

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी झंझारपुर प्रखंड में सुगरवे वीयर के अपस्ट्रीम में दाये बांध से निःसृत अररिया लघुनहर के सेवापथ का पक्कीकरण एवं लाइनिंग कार्य तेजी से प्रगति पर है। योजनाओं के अंतर गत 1.68 किलो मीटर में सेवापथ का पक्कीकरण एवं लाइनिंग कार्य किया जा चुका है।जल संसाधन विभाग की इस महत्वपूर्ण योजना का कार्य इसी वर्ष 19 फरवरी 2024 को शुरू हुआ था। करीब 10 माह में ही योजना की भौतिक प्रगति 96.00 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है और इसे फरवरी 2025 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है। योजना के पूर्ण होने पर 619.19 एकड़ (250.58 हेक्टेयर) क्षेत्र में सिंचाई सुविधा सुनिश्चित होगी, जिससे झंझारपुर प्रखंड के अररिया, ननियौती, खरौवा, रघुनंदनपुर आदि गांवो के किसान लाभान्वित होगे।

बाइक की ठोकर से घायल साइकिल सवार की इलाज के लिए ले जाने के दौरान हुई मौत

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

जिले के चकमेहसी थाना अंतर्गत सोमनाहा गांव में चकसीमा सोमनाहा पथ पर बाइक व साईकिल सवार व्यक्ति के बीच हुई भीषण टक्कर में साईकिल सवार व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में घायल व्यक्ति को ईलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कल्याणपुर में भर्ती कराया। जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर रेफर कर दिया। उधर सदर अस्पताल समस्तीपुर पहुंचने पर, वहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों ने भी उक्त घायल व्यक्ति के गंभीर स्थिति को देखते हुए, प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर ईलाज के लिए डीएमसीएच दरभंगा रेफर कर दिया। जहां ले जाने के क्रम में उसकी मौत हो गयी। उधर सड़क हादसे की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची चकमेहसी पुलिस ने हादसे में शामिल बाईक को जब्त कर थाने ले गयी। बाईक सवार युवक भी स्थानीय ग्रामीण बताया जा रहा है। मृत व्यक्ति की पहचान वैशाली जिला के बलिगांव थाना अंतर्गत बेलादरगाह पंचायत स्थित बहाउद्दीन गांव निवासी, राम स्वरूप महतो के 50 विश्वनाथ महतो के रूप में की गयी है। घटना गुरुवार 12 दिसम्बर की शाम करीब 5 बजे की बतायी जा रही है। वहीं घटना के बाद समस्तीपुर सदर अस्पताल पहुंची पुलिस, मृत व्यक्ति की मृत्यू समीक्षा रिपोर्ट तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। घटना के संबंध में मृतक के परिजनों का बताना है कि, मृतक चकमेहसी थाना क्षेत्र के सोमनाहा गांव अपने रिश्तेदार के घर गए हुए थे। जहां से देर शाम करीब 5 बजे वह अपने घर वैशाली जिला के बलिगांव थाना अंतर्गत बहाउद्दीन गांव लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे बाईक सवार युवक ने, साईकिल सवार व्यक्ति को जोरदार टक्कर मार दिया। जिसमें साईकिल सवार व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसे स्थानीय लोगों के द्वारा ईलाज के लिए पीएचसी कल्याणपुर तथा सदर अस्पताल समस्तीपुर में भर्ती कराया गया। जहां से बेहतर इलाज के लिए उसे दरभंगा डीएमसीएच रेफर कर दिया गया। जहां ले जाने के क्रम में उसकी मौत हो गयी।

रेड क्रॉस की टीम ने जिलाधिकारी को सौंपा आभार पत्र

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। सेवा व समर्पण के साथ रेड क्रॉस करेगी जनोपयोगी प्रकल्पों की शुरूआत।उक्त बातें रेड क्रॉस के अध्यक्ष सह जिलाधिकारी राजीव रौशन को रेड क्रॉस के स्थायी परिसर आवंटित करने के पश्चात आभार पत्र सौंपा। इस अवसर रेड क्रॉस के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ बी बी शाही ने महामहिम राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के निर्देश के आलोक में जिलाधिकारी से मिले त्वरित सहयोग हेतु साधुवाद प्रेषित किया।साथ ही श्री शाही ने उक्त स्थल पर रेड क्रॉस, दरभंगा द्वारा चैरिटी हॉस्पिटल व ब्लड बैंक संचालित करने की प्रतिबद्धता जतायी।संयुक्त सचिव आलोक कुमार ने तत्कालीन जिलाधिकारी बालामुर्गन डी के समय में अस्थायी रूप से रेड क्रॉस को मिले उस परिसर के संस्मरणों को साझा किया।कोषाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार ने कहा कि स्थायी परिसर आवंटित होने से रेड क्रॉस को अब सेवा प्रकल्पों के लिए नवनिर्माण का कार्य करने में आसानी होगी।साथ ही जल्द उक्त आवंटित परिसर में भूमिपूजन होने की बात कही।मौके पर रेड क्रॉस के डॉ आर बी खेतान, पेट्रोन नीरज खेडिया,सदस्य मनीष कुमार एवं उज्ज्वल कुमार उपस्थित थे।

भोजपुरी आलोचना सम्मान से कलकत्ता में सम्मानित होगे डॉ. शैलेश सिंह

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर अनुमंडल स्थित डी.बी. कॉलेज जयनगर के वाणिज्य विभागाध्यक्ष व रामनरेश सिंह एजुकेशनल फाउंडेशन के महासचिव युवा शिक्षाविद डॉ. शैलेश कुमार सिंह शौर्य को कोलकाता में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी सह भोजपुरी सम्मेलन में प्रख्यात आलोचक नामवर सिंह की स्मृति में भोजपुरी आलोचना सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। यह संगोष्ठी 14-15 दिसंबर 2024 को भोजपुरी साहित्य विकास मंच कोलकाता और प्रगति शोध फाउंडेशन पश्चिम बंगाल द्वारा भारतीय भाषाओं के लोक साहित्य में मानवीय मूल्य और प्रतिरोध के स्वर विषय पर आयोजित की जा रही है।विद्वत है कि डॉ. शैलेश सिंह संगोष्ठी के भोजपुरी परिसंवाद सत्र मे भाषा का वैज्ञानिक संदर्भ और आठवी अनुसूची पर अपने विचार भी प्रस्तुत करेगे।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में 22 करोड़ से अधिक भोजपुरी बोलने वाले लोग है लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत में भोजपुरी को अभी तक संविधान की आठवी अनुसूची में शामिल नहीं किया गया है। उन्होने केंद्र और राज्य सरकारो से आग्रह किया कि भोजपुरी को इसका संवैधानिक अधिकार दिया जाए ताकि भोजपुरी साहित्य और शोध को प्रोत्साहन मिल सके और क्षेत्रीय भाषा की पहचान को मजबूत किया जा सके।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मॉरीशस के वरिष्ठ साहित्यकार आचार्य राजेंद्र राय मिसिर होगे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता भोजपुरी साहित्य के प्रमुख हस्ताक्षर डॉ. विमलेश त्रिपाठी जी करेगे।संगोष्ठी में नेपाल अमेरिका चीन और भारत के विभिन्न राज्यो के प्रमुख साहित्यकार शिक्षाविद और शोधकर्ता भाग लेगे। जिनमें पूर्व कुलपति प्रो. सुरेश प्रसाद सिंह बिहार डॉ. जमील हसन अंसारी दरभंगा उत्तर प्रदेश से राम बहादुर राय युवा गायिका राय वैष्णवी रानी वर्मा बलिया सिवान से गुड्डु गुलशन यदुवंशी झारखंड से संजय सिंह चंदन संतोष ओझा प्रभाकर, डॉ. रूबी कुमारी साह मधुबनी डॉ. रेणु कुमारी मधुबनी शामिल होगे।मंच के महासचिव प्रकाश प्रियांशु ने बताया कि कार्यक्रम में भोजपुरी भाषा और साहित्य के उत्थान संवैधानिक अधिकार नारी विमर्श और उच्च शिक्षा में शोध पर चर्चा की जाएगी। यह संगोष्ठी भोजपुरी भाषा के उत्थान और उसे संविधान की आठवी अनुसूची में शामिल कराने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगी, और साथ ही भारतीय लोक साहित्य में मानवीय मूल्यो और प्रतिरोध के स्वर को भी उद्घाटित करेगी।

एक देश एक चुनाव का निर्णय समय की मांग के अनुरूप : सांसद

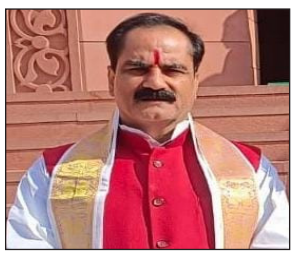

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।केंद्र की मोदी मंत्रिमंडल द्वारा एक देश एक चुनाव की स्वीकृति दिया जाना देशहित में एक प्रभावी ओ दूरगामी निर्णय साबित होगा। इस कानून के अमल में आने के बाद समय और बार बार चुनाव में होने वाले अनावश्यक समय व खर्चों की बचत होगी। सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट से इस कानून को मंजूरी दिए जाने के बाद उपरोक्त विचार व्यक्त किए। सांसद डा ठाकुर ने पीएम मोदी के वन नेशन वन इलेक्शन की अवधारणा की जमकर सराहना करते हुए कहा कि 1951-52 से 1967 तक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ ही कराए जाते थे जिसके बाद कालांतर में यह चक्र टूट गया जिसका परिणाम हुआ कि सरकार ओर उम्मीदवारों के बहुत अधिक व्यय, सुरक्षाबलों और अन्य निर्वाचन अधिकारियों तथा कर्मियों के मूल कर्तव्यों से भिन्न अन्य तैयारियों में लगना, आदर्श आचार सहित के नाम पर जनता को उत्पन्न कठिनाइयों सहित अनेक व्यवधानों का सामना करना पड़ता है।सांसद डा ठाकुर ने एक देश एक चुनाव कानून को पूरी तरह से प्रासंगिक और समयानुकूल बताते हुए कहा कि भारत के विधि आयोग ने निर्वाचन विधियों में सुधार पर अपनी 170 वी रिपोर्ट में यह स्पष्ट कहा है कि प्रत्येक वर्ष और बिना उपयुक्त समय के निर्वाचनों का अंत होना चाहिए। सांसद डा ठाकुर ने इस कानून को संसद के दोनों सदनों से सर्वसम्मत से पास किए जाने की अपील की है।

कॉलेज में कला, विज्ञान, वाणिज्य व बीएड का पढ़ाई होना मेरे लिए गर्व की बात है : प्रो विनय चौधरी

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

बहेडी(दरभंगा)।पांच दशक बाद बीएमए महाविद्यालय बहेड़ी में विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय में स्नातक स्तर तक की पढ़ाई की स्वीकृति सरकार द्वारा मिलने पर महाविद्यालय परिवार की ओर से स्थानीय विधायक प्रो विनय कुमार चौधरी के स्वागत में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया।इस दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो लक्ष्मण प्रसाद जायसवाल द्वारा विधायक श्री चौधरी को माला,पाग, चादर से सम्मानित किया गया।इस अवसर पर स्वागत से अभिभूत विधायक ने कहा कि बिलट महथा आदर्श महाविद्यालय बहेड़ी में कला ,विज्ञान, वाणिज्य के साथ-साथ बी एड का पढ़ाई होना मेरे लिए व्यक्तिगत गौरवान्वित करने वाला विषय है।और इसकी स्वीकृति मिलने पर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है।उन्होंने कहा कि वाणिज्य और विज्ञान महाविद्यालय का अनिवार्य अंग है जो इतना दिनों तक उपेक्षित रहा यह आश्चर्य का विषय है। लेकिन स्थानीय लोगों के अनुरोध पर सार्थक पहल के बाद दोनों संकाय में एक दर्जन शिक्षकों की पदस्थापना की स्वीकृत मिलने पर आज काफी खुशी हो रही है । इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार जताया। इस दौरान उन्होंने छात्र-छात्राओं से अपील करते हुए कहा कि गरीबी दूर करने के लिए शिक्षा सबसे सशक्त माध्यम है और शिक्षा का विकास होने से गरीबी स्वतः दूर हो जाएगी।उन्होंने अभिभावक से खास अपील करते हुए कहा कि अपने बच्चों को यथा संभव मोबाइल से दूर रखें तो बच्चों की पढ़ाई के लिए एक सार्थक दिशा मिलेगी।इस दौरान महाविद्यालय के प्रधानाचार्य लक्ष्मण प्रसाद जायसवाल ने विधायक श्री चौधरी का अभिनंदन करते हुए कहा कि आज का दिन महाविद्यालय के स्वर्णाक्षर में लिखने योग्य है जब 5 दशक बाद महाविद्यालय आज पूर्ण रूप से छात्रों के अध्ययन अध्यापन के लिए तत्पर है।इस अवसर पर हिंदी विभाग अध्यक्ष उमेश कुमार उत्पल, पूर्व प्रधानाचार्य डॉ शमशाद अख्तर, बेनीपुर प्रखंड प्रमुख चौधरी मुकुंद कुमार रॉय,सुजीत कुमार द्विवेदी सहित अन्य लोग ने सम्बोधित किया।कार्यक्रम का संचालनआदित्य नारायण मन्ना ने की जबकि धन्यवाद ज्ञापन विजय कुमार ने की।इस अवसर पर समाजसेवी रामशंकर सिंह,विजय कुमार सिंह,अमित कुमार राय बिट्टू,जटा शंकर राय सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

लोन मेला में उद्यमियों के बीच 12.41 करोड़ का ऋण वितरित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। समाहरणालय सभागार में गुरुवार को लोन मेला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने कैंप मोड में कुल 1017 उद्यमियों के बीच 12 करोड़ 41 लाख का वितरण किया। मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत वर्ष 2024- 25 के लिए 224 लाभुकों के बीच प्रथम किस्त के रूप में प्रति लाभुक 2 लाख के हिसाब से कुल 4 करोड़ 48 लाख रुपए का वितरण किया। जबकि बिहार लघु उद्यमी योजना अंतर्गत 793 लाभुकों के बीच द्वितीय किस्त के रूप में प्रति लाभुक एक लाख रुपए के हिसाब से कुल 7 करोड़ 93 लाख रुपए का वितरण किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने अपने उद्यम से संबंधित सभी कार्य ससमय पूरा करने वाले सकरा ,पारु एवं कुढ़नी के 3 उद्यमियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया उद्योग धंधों एवं रोजगार में वृद्धि हेतु सरकार के संकल्प को दुहराते हुए जिलाधिकारी ने उद्यमियों की हौसला अफजाई की तथा कहा कि आप सभी अपने लगन एवं मेहनत के बल पर बेहतर मुकाम हासिल करेंगे तथा अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करायेंगे। सभी को शुभकामना देते हुए कहा कि उद्योग विभाग की पूरी टीम आपके सहयोग हेतु सक्रिय एवं तत्पर है।इस संबंध में जानकारी देते हुए महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र ने बताया कि जिला में 1616 लोगों को अभी तक मुख्यमंत्री उद्यमी योजना का लाभ दिया जा चुका है। 2024-25 वर्ष में लगभग 400 लोगों को ऋण दिए जाने की योजना है जिसमें 224 लोगों को प्रथम किस्त के भुगतान हेतु स्वीकृति पत्र वितरित किया गया। दो-चार दिनों के अंदर ही लाभुक की राशि उनके खातों में ट्रांसफर हो जाएगी। बिहार लघु उद्योग योजना के संबंध में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत लघु एवं कुटीर उद्योग की स्थापना के लिए उद्यमी को तीन किस्तों में कुल 2 लाख रू राशि का भुगतान किया जाता है। प्रथम किस्त 50000, द्वितीय किस्त 100000 एवं तृतीय किश्त 50000 रुपए है। इस योजना के तहत जिले में कुल 1815 लोगों को प्रति लाभुक 50000 मिल गया है। 1421 उद्यमियों को जिला उद्योग केंद्र द्वारा उनके कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इसमें से 793 लोगों को द्वितीय किस्त के भुगतान के लिए प्रति लाभुक एक लाख रुपए का स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्रेष्ठ अनुपम , महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र अभिलाषा भारती, मीनापुर प्रखंड के टेंगरारी पंचायत के मुखिया अभिषेक कुमार सिंह सहित कई अन्य अधिकारी तथा उद्यमी उपस्थित थे।

आकाशवाणी दरभंगा केंद्र को बंद करने के विरुद्ध शांतिपूर्ण एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।प्रसार भारती द्वारा जारी फरमान के आलोक में आकाशवाणी दरभंगा को बंद कर इसे मात्र रिले केंद्र के रूप में क्रियान्वित किए जाने के निर्णय के विरोध में विद्यापति सेवा संस्थान ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को आकाशवाणी के मुख्य द्वार को बाधित कर शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन किया। संस्थान के इस कार्यक्रम के समर्थन में आकर अखिल भारतीय मिथिला संघ, सखी बहिनपा मैथिलानी संगठन, मिथिला समाज रहिका एवं मिथिला लोक संस्कृति मंच ने धरना प्रदर्शन को मजबूती प्रदान करते हुए एकजुटता का प्रदर्शन किया। विद्यापति सेवा संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ बुचरू पासवान की अध्यक्षता में आयोजित धरना प्रदर्शन में संस्थान के महासचिव डॉ बैद्यनाथ चौधरी बैजू ने कहा कि वर्ष 1976 में आकाशवाणी दरभंगा केंद्र की स्थापना मैथिली भाषा के विकास एवं मिथिला की गौरवशाली संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ इस क्षेत्र में रोजगार सृजन का अवसर तलाशते हुए किया गया था। प्रसार भारती के तानाशाही फरमान को सिरे से खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि आकाशवाणी दरभंगा केंद्र को मैथिली भाषा का स्वतंत्र केंद्र स्थापित करने के लिए मिथिला के साढे आठ करोड़ लोगों को साथ लेकर सड़क से संसद तक लड़ाई लड़ी जाएगी। अखिल भारतीय मिथिला संघ के अध्यक्ष विनय कुमार झा संतोष ने कहा कि केंद्र सरकार ने एक तरफ जहां संविधान को मैथिली में अनूदित कर अपनी सदाशयता प्रदर्शित की है वहीं मिथिला की हृदय स्थली में स्थापित आकाशवाणी केंद्र को बंद किए जाने की साजिश समझ से परे है। इस अवसर पर मिथिला लोक संस्कृति मंच के महासचिव प्रो उदय शंकर मिश्र,सखी बहिनपा मैथिलानी संगठन की अध्यक्ष आरती झा, शीतलांबर झा ने सम्बोधित किया। धरना प्रदर्शन के उपरांत डॉ बुचरू पासवान के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने आकाशवाणी केंद्र निदेशक के एन झा को ज्ञापन सौंपा।

पूर्व विधान पार्षद ने आकाशवाणी दरभंगा को मैथिली का स्वतंत्र केन्द्र बनाने की मांग की

प्रात : किरण संवाददाता

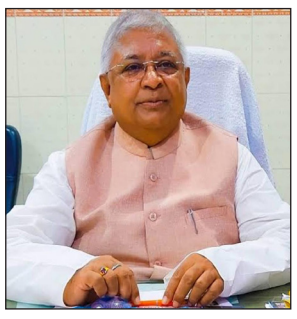

दरभंगा।पूर्व विधान पार्षद प्रो दिलीप कुमार चौधरी ने कहा है कि मिथिलावासी जहां आकाशवाणी दरभंगा को मैथिली का स्वतंत्र केंद्र घोषित किये जाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं इसे बंद कर सिर्फ रिले केंद्र बनाये की अटकलें निंदाजनक है। उन्होंने कहा कि प्रसार भारती को इस दिशा में गंभीरता पूर्वक विचार कर करोड़ों मिथिलावासी की भावना और सदियों प्राचीन मैथिली भाषा और यहां के गौरवशाली संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए इसे मैथिली भाषा का स्वतंत्र केंद्र बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने आकाशवाणी दरभंगा को रिले सेंटर बनाने की कवायद की निंदा करते कहा कि ऐसा करना संविधान की अष्टम अनुसूची में शामिल प्राचीन भारतीय भाषाओं में प्रमुख मैथिली भाषा पर गंभीर आघात होने के साथ ही मिथिला की कला, संस्कृति व साहित्य के संरक्षण व संवर्द्धन पर भी कुठाराघात होगा। सरकार का यह कदम मिथिला को आंदोलित और उद्वेलित करने का कारण बनेगा। उन्होंने भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से इस बात पर त्वरित संज्ञान लेने की मांग की।

संक्षिप्त खबरें

आग की चपेट में आने से बच्ची झुलसी

जमुई [झाझा] आग ताप रही एक 8 वर्षीय बच्ची आग की चपेट में आ गई जिससे बच्ची झुलस गई। मामला थानाक्षेत्र के हरना गांव की है। घायल बच्ची को आनन फानन में परिजनों ने रेफरल अस्पताल लाया जहां डॉक्टर के द्वारा बच्ची का बेहतर इलाज किया गया। घायल बच्ची की पहचान हरना गांव निवासी हरिहर नैया की पुत्री ज्योति कुमारी के रूप में हुई है। घायल बच्ची के पिता ने बताया कि ठंड के कारण घर मे जली बोरसी के पास मेरी बेटी आग ताप रही थी कि अचानक आग मेरी बेटी के कपड़े में पकड़ लिया और वह झुलस गई जिसके बाद मेरी बेटी के द्वारा हो हल्ला किया गया तो हमलोग मौके पर पहुंचकर उसे घायल अवस्था मे अस्पताल लाकर भर्ती करवाया।

महिला के साथ तीन लोगों ने मारपीट कर किया घायल

जमुई [झाझा] थानाक्षेत्र के चांय गांव में निजी खेत पर लगाये गए गेंहू के फसल में रास्ता बनाकर गुजर रहे लोगों को बोलने पर एक महिला के साथ तीन लोगों के द्वारा मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया। घायल महिला की पहचान मुन्नी देवी के रूप में हुई है। घायल महिला को इलाज के लिए परिजनों की मदद से रेफरल अस्पताल लाया गया जहां महिला का इलाज हुआ। घायल महिला ने बताया कि गेहूं लगे खेत से गांव के ही मंटू सिंह की पत्नी, बेटा और बेटी आवाजाही कर रहा था तो रास्ते मे कटीला झाड़ी रख दिया तो उनलोगों ने उसे उठाकर फेंक दिया जिसके बाद मैंने दुबारा झाड़ी रखा तो वे लोग गाली गलौज करने लगा और फिर सुलेखा देवी, उसकी बेटी काजल देवी और बेटा रमेश कुमार मेरे साथ ईट पत्थर चलाते हुए मारपीट किया।

अलग अलग मामले में गिरफ्तार दो आरोपी को भेजा गया जेल

जमुई [झाझा] थानाक्षेत्र के एक गांव में ससुर ने अपनी बहु के साथ छेड़छाड़ करने और चाकू से जान मारने की कोशिश किये जाने का प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़िता ने दर्ज आवेदन में बताया कि मेरा ससुर शराब के नशे में घर पर आकर मेरे साथ गलत हरकत करते हुए कपड़ा फाड़ दिया और मारपीट करते हुए चाकू से मुझे जान मारने की कोशिश किया जिसके बाद हो हल्ला करने पर लोग पहुंचा।

जन समस्याओं के समाधान को लेकर बैठक

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुईः जन समस्याओं के समाधान को लेकर सर्वजन कल्याण सेवा समिति के कोर कमिटी की बैठक समिति प्रमुख डा.विभूति भूषण की अध्यक्षता में गिद्धौर बाजार स्थित एक निजी भवन के प्रांगण में हुई। समिति प्रमुख डा. विभूति भूषण ने कहा कि गिद्धौर दुर्गा मंदिर से लेकर निजुआरा गांव होते हुए मांगोबंदर मोड़ तक जाने वाली सड़क झाझा विधानसभा के कोल्हुआ एवं मौरा पंचायत और जमुई विधानसभा के जीतझिंगोई,मांगोबंदर, चुआ, कागेश्वर तथा खंडाईच समेत पांच पंचायत के लोगों का गिद्धौर स्टेशन तक जाने का मुख्य रास्ता है। इसलिए इस सड़क का जीर्णोद्धार आवश्यक है। शिक्षाविद स्वर्गीय दयानंद झा की स्मृति में गिद्धौर बाजार में सार्वजनिक पुस्तकालय की स्थापना, सदर अस्पताल सहित जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थान में एम्बलेंस बदहाल स्थिति और एंबुलेंस चालकों के बकाया मानदेय भुगतान , निजुआरा गांव में अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण को लेकर सांसद अरुण भारती और सदर विधायक श्रेयसी सिंह को ज्ञापन सौंपा गया है। इसके अलावा निजुआरा को अलग ग्राम पंचायत का दर्जा देने ,उत्क्रमित मध्य विद्यालय निजुआरा को राजकीय मध्य विद्यालय का दर्जा देने और निजुआरा महादलित टोला और चौखटिया के लिए संयुक्त रूप से प्राथमिक विद्यालय की स्थापना और मांगोबंदर को प्रखंड का दर्जा देने को लेकर भी ज्ञापन सौंपा गया है। जमुई शहर में पूर्व मंत्री स्वर्गीय नरेंद्र सिंह की स्मृति में पार्क और आश्रम स्थल के निर्माण को लेकर बिहार सरकार के मंत्री सुमित सिंह को भी ज्ञापन सोपा जाएगा। बढ़ते ठंड को देखते हुए गरीब लोगों के बीच कंबल का भी वितरण किया जाएगा। समिति अलग-अलग प्रकार के जन समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करेगी। इस मौके पर महासचिव अभिषेक कुमार झा, उपाध्यक्ष पवन बिंद, ,अर्जुन यादव,सुनील नोनिया,अरुण मंडल समेत दर्जनों सदस्य मौजूद थे।

गिद्धौर के तीन केंद्रों पर बीपीएससी की परीक्षा आयोजित

प्रात : किरण, संवाददाता

गिद्धौर बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित 70वीं प्रारंभिक परीक्षा प्रखंड के तीन केंद्रों पर कड़ी प्रशासनिक सुरक्षा व्यवस्था के बीच सम्पन्न हुआ। प्रखंड के महाराज चंद्र चूड़ विद्या मंदिर, अखिलेश्वर उच्च विद्यालय रतनपुर एवं मध्य विद्यालय रतनपुर परीक्षा केंद्र पर रिपोर्टिंग समय से पहले ही परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र पर पहुंचे हुए थे। परीक्षार्थियों में परीक्षा को लेकर गजब की उत्साह बनी हुई थी। वहीं परीक्षा केंद्र पर नियुक्त दंडाधिकारी एवं वीक्षकों द्वारा परीक्षार्थियों को कतारबद्ध कराकर परीक्षा केंद्र पर प्रवेश दिया गया। वहीं महाराज चंद्र चूड़ विद्या मंदिर गिद्धौर केंद्र पर 492 परीक्षार्थी के एवज में 336, अखिलेश्वर उच्च विद्यालय रतनपुर में 456 परीक्षार्थी के एवज में 306 एवं मध्य विद्यालय रतनपुर में 240 परीक्षार्थी के एवज में 161 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दिया। वहीं परीक्षा में जिले से प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी एवं पदाधिकारियों द्वारा तीनों परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। वहीं परीक्षा केंद्र पर नियुक्त दंडाधिकारी द्वारा कड़ी निगरानी में परीक्षा ली गई। इधर गिद्धौर परीक्षा केंद्र पर दंडाधिकारी के रूप में चकाई प्रखंड विकास पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी के रूप सहायक अवर निरीक्षक उमेश कुमार व बिहार पुलिस के जवान द्वारा कड़ी सुरक्षा में परीक्षा को सम्पन्न कराया गया।

सोस डालकर साड़ी में उच्चकों ने महिला का रुपए से भरा थैला लेकर हुआ फरार

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] रुपए से भरा थैला चोरी हो जाने पर रोते बिखलते महिला थाना पहुंची और पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी जिसके बाद पुनि संजय कुमार महिला के साथ मौके स्थल पर जांच पड़ताल किया। बैंक से रुपए निकालकर मुख्य बाजार में तिलकुट खरीदारी करते वक्त उच्चकों ने एक महिला के साड़ी पर सोस गिराकर बड़ी चतुराई से रुपए से भरा थैला लेकर चंपत हो गया। थाना गेट के सामने हुई घटना पर लोग आश्चर्यचकित हो गया। उसी दौरान एक लड़का आया और साड़ी पर सोस होने की बात करते हुए थाना गेट के सामने लगे चापाकल पर साड़ी धोने की बात किया। ज्योहीं चापाकल पर थैला रखकर साड़ी धोने लगी तभी युवक रुपए से भरा थैला लेकर चंपत हो गया। महिला ने बताया कि थैला में सब्जी के अलावे बैंक पासबुक, एक मोबाइल भी था। पुलिस ने जब मोबाइल पर सम्पर्क साधा तो मोबाइल बंद पड़ा था। फिलहाल पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगालने में जुटी हुई है। थानाक्षेत्र अंतर्गत धमना गांव की रहने वाली महिला प्रभा कुमारी ने पुलिस को बताया कि यूको बैंक से 17 हजार 600 रुपए रुपए निकालने के बाद बाजार में सब्जी खरीदा और फिर तिलकुट दुकान पर तिलकुट खरीदारी के लिए गया तभी किसी ने मेरी साड़ी पर सोस गिरा दिया।

पुलिस और उत्पाद विभाग परेशान शराब माफिया की कट रही है चांदी

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। बिहार में पुलिस विभाग और उत्पाद विभाग की ताबड़तोड़ शराब माफियाओं पर छापामारी और घड़ पकड़ के बावजूद भी बिहार में शराब की तस्करी जारी है राज्य सरकार और राज्य पुलिस विभाग के आदेश को शराब माफिया ठेंगा दिखाकर विदेशी शराब और देसी शराब के धंधे में लगकर अधिक मुनाफा कमा रहे हैं पुलिस सूत्र के अनुसार मुंगेर के दो अलग-अलग थाना क्षेत्र में विदेशी शराब और देसी शराब के साथ तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है सूत्रों के अनुसार कोतवाली थाना क्षेत्र की पुलिस ने अवैध शराब कारोबार की गुप्त सूचना पर रेलवे गुमटी नंबर तीन सुभाष नगर के समीप छापामारी कर दो वहां से चार पेटी अवैध विदेशी शराब जप्त किया है इस दरमियान पुलिस ने चार शराब धंधे वालों को गिरफ्तार किया है पुलिस दो शराब ले जाने और प्रयुक्त दो पहिया वाहन भी जप्त किया है पकड़े गए सभी शराब धन्यवाद मुफस्सिल थाना क्षेत्र के अंतर्गत शंकरपुर गांव के निवासी हैं जिसमें सागर कुमार और कुंदन कुमार के अलावा दो विधि विरुद्ध किशोर शामिल है कोतवाली थाना अध्यक्ष राजीव तिवारी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि अवैध शराब की खेप पहुंचने वाली है सूचना सत्यापन के पश्चात पुलिस ने सुभाष नगर के समीप छापेमारी की इस दरमियान सफेद अपाचे बाइक संख्या बी 8 हा 4157 और लाल स्कूटी संख्या बी 8 एम 1110 को रोककर तलाशी ली तलाशी के दरमियान अपाचे बाइक दो कार्टून में 17 लीटर विदेशी शराब तथा स्कूटी पर दो कार्टून में 17 पॉइंट 8 65 लीटर विदेशी शराब जप्त हुआ पूछताछ में चा बताया कि विदेशी शराब की खेत लोग डिलीवरी करने जा रहे थे वहीं मुफस्सिल थाना क्षेत्र मुफस्सिल थाना क्षेत्र की पुलिस ने मैं और नया गाड़ी में छापेमारी कर 14 लीटर देसी शराब के साथ एक महिला सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया जिसमें एक किशोर भी शामिल है थाना अध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि नया गाड़ी महादेवपुर में छापामारी कर कर लीटर देसी शराब के साथ राजा शाह की पत्नी हिना देवी और काली स्थान निवासी अमर कुमार तथा नया गाड़ी निवासी लवकुश कुमार को चार लीटर देसी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया इसके अलावा मैं गांव में छापेमारी कर वो निवासी मार्शल कुमार और एक किशोर को 10 लीटर देसी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया सभा के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत नाम जड़ प्राथमिक की दर्ज कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया मुफस्सिल थाना में पुलिस ने मनियर चक गंगा घाट के किनारे संचालित देसी भट्टी का उद्वेदन करते हुए शराब निर्माण में जुटे सनी कुमार को गिरफ्तार कर लिया पुलिस ने निर्माण स्थल से 2 लीटर निर्मित देसी शराब बरामद करते हुए शराब बनाने का कई उपकरण जप्त की कर लिया थाना अध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि शराब निर्माण में जुटे मनियार्चक निवासी सनी कुमार को गिरफ्तार करते हुए 2 लीटर निर्मित देसी शराब बरामद किया गया गिरफ्तार सनी को जेल भेज दिया गया।

एक दिवसीय नियोजन सह व्यवसायिक मागदर्शन मेला का किया जाएगा आयोजन : राणा अमितेष

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। श्रम संसाधन विभाग, जिला नियोजन मुंगेर के तत्वाधान में आगामी 20 दिसंबर को जिला स्तरीय एक दिवसीय नियोजन सह व्यावसायिक मार्गदर्शन मेला का आयोजन किया जाएगा। इसकी जानकारी प्रभारी जिला नियोजन पदाधिकारी राणा अमितेष ने प्रेस को दिया है। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय एक दिवसीय नियोजन सह व्यावसायिक मार्गदर्शन मेला का आयोजन स्थानीय पोलो मैदान,किला परिसर में आयोजित किया गया है। विभागीय निदेर्शानुसार नियोजन मेला की तैयारी शुरू कर दी गई है। नियोजन मेला के सफल आयोजन के लिए निजी क्षेत्र के अधिक से अधिक नियोजकों को आमंत्रित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस मेला में लगभग 22 नियोजक युवाओं को रोजगार देने के लिए भाग लेंगे । उन्होंने बताया कि नियोजन मेला को सफल बनाने के लिए व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा है। जिससे कि अधिक से अधिक संख्या में बेरोजगार युवक युवतियां नियोजन मेला से लाभान्वित हो सकेंगे।

झाझा रेफरल अस्पताल को मिला दो एम्बुलेंस, मरीजों को मिलेगा सुविधा

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] प्रखंड क्षेत्र के मरीजों को इलाज के लिये रेफरल अस्पताल लाने और रेफर के बाद जमुई सदर अस्पताल पहुंचाने के लिये झाझा रेफरल अस्पताल को दो नई एम्बुलेंस मुहैया करायी गयी है। राज्य स्वास्थ्य समिति द्वारा शुक्रवार को दो नई एम्बुलेंस रेफरल अस्पताल झाझा को सौंपा गया है। इस मौके पर अस्पताल प्रबंधक नवीनत कुमार ने बताया कि पहले से झाझा रेफरल अस्पताल में तीन एम्बुलेंस था जिसमें दो एम्बुलेंस खराब रहने के कारण मरीजों को काफी कठीनाई का सामना करना पड़ रहा था। जिसके बाद जैन प्लस कम्पनी के द्वारा झाझा रेफरल अस्पताल को दो नया एम्बुलेंस दिया गया है । जिससे दुर्घटनाग्रस्त मरीजों एवं गर्भवती महिलाओं के बिगड़े हालात में लाने एवं ले जाने में सहायता होगी। रेफरल अस्पताल झाझा में मरीजों की संख्या के अनुसार एम्बुलेंस की भारी कमी थी अस्पताल में कुछ दिन पूर्व दो एम्बुलेंस खराब होने के बाद सिर्फ एक एम्बुलेंस थी एक एम्बुलेंस के सहारे यह ब्यवस्था चल रहा था । हालांकि अस्पताल में मरीजों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए अपेक्षित संख्या में एम्बुलेंस का अभाव था इस अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ती रहती है ऐसे में एक एम्बुलेंस के सहारे मरीज को आवागमन करने में कठिनाई हो रही थी जिसके बाद अस्पताल के लिए एम्बुलेंस की मांग का एक प्रस्ताव स्वास्थ्य विभाग को भेजा गया था। जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग द्वारा शुक्रवार को नई एम्बुलेंस रेफरल अस्पताल को मुहैया कराया गया।

एनएच 80 पर ट्रक ने टोटो को मारी टक्कर, युवक जख्मी

प्रात : किरण संवाददाता

सदर मुंगेर। साफिया सराय थाना क्षेत्र के एन एच 80 पर बुधवार की देर शाम लखीसराय से मुंगेर की ओर तेज रफ्तार से आ रही ट्रक में बाजार में खड़े एक टोटो को जोरदार टक्कर मार दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर इतनी भयंकर था कि टोटो करीब 10 फीट छला मारते हुए चाय की दुकान पर बैठे एक व्यक्ति के उपर जाकर गिर पड़ा इस घटना में युवक बुरी तरह घायल हो गया। घटना घायल युवक की पहचान धरहरा थाना क्षेत्र शिव कुंड छर्रापट ,टी निवासी शिबू यादव के 39 वर्षीय पुत्र मिथलेश कुमार के रूप में हुई है। घटना स्थल से ट्रक चालक गाड़ी सहित भागने में सफल हो गया। स्थानीय ग्रामीण की मदद से बेहतर इलाज के लिए उसे सदर अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने घायल को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया है। थाना प्रभारी अमरेश कुमार ने बताया कि दुर्घटना के बाद ट्रक ड्राइवर फरार है। इसकी खोजबीन की जा रही है। वहीं शिवकुंड पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि अरविंद यादव ने घनी आबादी वाले इलाके से गुजरने वाली ट्रकों की रफ्तार पर लगाम लगाने की मांग जिलाधिकारी से किए हैं।

खुशहाल और समृद्धि के लिए योजनाओं का लाभ जरूर लें : संयुक्त निदेशक

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर : मुंगेर जिला अंतर्गत धरहरा प्रखंड के इटवा पंचायत में अवनीश कुमार सिंह, जिला पदाधिकारी, मुंगेर के मार्गदर्शन में रेड क्रॉस सोसाइटी के प्रांगण में कृषि विभाग द्वारा दो दिवसीय कृषि यांत्रिकीकरण -सह- किसान मेला का आयोजन किया गया। शैलेश कुमार , संयुक्त निदेशक, शष्य, मुंगेर प्रमंडल, मुंगेर के कर कमलों द्वारा मेला का उद्घाटन कर शुभारंभ किया गया। यांत्रिकरण -सह- किसान मेला में कृषि विभाग द्वारा कृषि यंत्रों के साथ किसानों के फसल उत्पाद के प्रदर्शनी के साथ साथ किसानों के सब्जी, फल, फूल एवं पशुपालन से संबंधित उत्पाद को भी प्रदर्शित किया गया। मेला मे मुंगेर जिला के यंत्र विक्रेता के साथ साथ बेगूसराय, खगड़िया, लखीसराय, बांका एवं अन्य जिला के भी यंत्र विक्रेता ने भाग लिया। प्रमंडलीय संयुक्त निदेशक, शष्य, मुंगेर

प्रमंडल, मुंगेर द्वारा खेती में कृषि यंत्रों के महत्व को बताते हुए कृषि विभाग से संचालित योजनाओं को अंतिम सभी किसानों तक पहुंचाने के लिए तन-मन से काम करें एवं किसानों के लिए हमेशा उपलब्ध रहे एवं सरकार की योजनाओं का लाभ जिले के सूदूर गांव के सभी किसानों को दे। कार्यक्रम में जिला के जिला कृषि पदाधिकारी श्री ब्रज किशोर ने कृषि विभाग की सभी योजनाओं की जानकारी किसान बंधुओं, कर्मी एवं पदाधिकारियों को दी।कार्यक्रम में कृषि से सबंधित सभी अन्य विभाग अपने अपने योजनाओं की जानकारी कार्यक्रम में दिए। कार्यक्रम मे जिला पशुपालन पदाधिकारी, कृषि विज्ञान केन्द्र के वरीय वैज्ञानिक एवं कृषि विभाग के सभी जिला के सहायक निदेशक, प्रक्षेत्र व सहायक निदेशक, रसायन व सहायक निदेशक, पौधा संरक्षण व सहायक निदेशक, उधान व सहायक निदेशक, भूमी संरक्षण व उप निदेशक, आत्मा व अनुमंडल कृषि पदाधिकारी, सदर मुंगेर एवं तारापुर, हवेली खड़गपुर व सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारी व कृषि समन्वयक व प्रखंड तकनिकी प्रबंधक व सहायक तकनिकी प्रबंधक व प्रखंड उधान पदाधिकारी व कृषि विभाग के सभी कर्मी तथा प्रेस एवं मिडिया के प्रतिनिधि भाग लिए।

जिलाधिकारी के जनता दरबार में फरियादियों ने लगाई गुहार

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई जिलाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में शुक्रवार 13 दिसम्बर को जनता दरबार का आयोजन किया। मौके पर सुदूर क्षेत्र व दूर-दराज क्षेत्र से आए फरियादियों ने उनसे मिलकर अपनी समस्याओं को रखा। जिलाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा ने आम लोगों की समस्याओं को गौर से सुना और मौके पर कई मामलों का ऑन द स्पॉट निष्पादन भी किया तथा कुछ मामलों को इससे जुड़े विभाग को अग्रसारित कर विधि सम्मत कार्रवाई किए जाने का निर्देश दिया। विदित है कि जिलाधिकारी महोदया प्रत्येक शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार आयोजित कर समस्याओं को सुनते हैं। जिलाधिकारी ने जनता दरबार जन शिकायत से संबंधित सुनवाई के क्रम में भूमि बंटबारे, अतिक्रमण, दाखिल खारिज, भूमि बंटबारे, रैयति भूमि का निबंधन, अनुग्रह भुगतान, खतियान, दखल-कब्जा, जमीन की नापी, इंदिरा आवास योजना , विकलांग पेंशन, विवादित भूमि पर जबरन कार्य, चयन प्रक्रिया, जमाबंदी, सेवान्त लाभ, सामाजिक सुरक्षा से लाभ, अनुज्ञप्ति रद्द,अनुकम्पा नियुक्ति, राशि-गबन, रास्ता अवरुद्ध, मारपीट, बासगीत पर्चा, पक्की नली गली, आंगनवाड़ी, गैर मजरूआ एवं अन्य से सम्बंधित मामले आए। जिलाधिकारी महोदया ने तमाम प्रकरणों को गंभीरता से लिया और इस पर यथोचित कार्रवाई की। जिलाधिकारी महोदया ने इस अवसर पर कहा कि जनता को कठिनाइयों से उबारना ही उनका मुख्य मकसद है। सरकार की राज्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ कमजोर वर्गों को मिले इसके लिए कारगर कदम उठाए जा रहे हैं। जनता इन योजनाओं का लाभ उठाएं और सरकार की सोच को साकार करने में सहयोग दें। जिलाधिकारी महोदया ने कहा कि राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को गति देने में शिथिलता और अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके लिए अधिकारियों को निष्ठा के साथ काम करने का निर्देश दिया। मौके पर कई विभागीय पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

प्रखंड के खेल मैदानों को किया जाएगा विकसितः मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। प्रखंड मुख्यालय परिसर स्थित मनरेगा भवन गिद्धौर के पीओं कार्यालय में खेल मैदाने के विकास को लेकर एक आवश्यक बैठक की गई।पंचायत रोजगार सेवक के साथ आयोजित इस बैठक में कार्यक्रम पदाधिकारी विपिन कुमार ने खेल के मैदान को विकसित करने को लेकर चर्चा की गई।इस मौके पर प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी विपिन कुमार ने बताया कि प्रखंड में एक एकड़ से कम वाले मैदान को खेल के मैदान में विकसित किये जाने की योजना है।इस खेल मैदान में वालीबाल,बास्केटबाल,बैडमिंटन, आदि गेम्स के कोर्ट का भी निर्माण किया जाएगा।इससे वहां के खिलाड़ियों को खेल के लिए अपने मैदान से दूर जाना नही पड़ेगा,अपने गांव के ही मैदान में खिलाडी वालीबाल,बास्केटबाल,बैंडमिंटन समेत अन्य गेम्स की पैक्टिस कर सकेंगे।एक एकड़ से कम वाले चयनित मैदानों में गेम्स ऐप्रेटस जल्द ही लगाया जाएगा एवं मैदान खिलाड़ियों को सौंप दिया जाएगा।इस अवसर पर पंचायत रोजगार सेवक ने भी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी के कार्य की सराहना की। इस अवसर पर प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी विपिन कुमार पीटीए श्याम कुमार पंचायत रोजगार सेवक सुमन कुमार,प्रभात कुमार डाटा ऑपरेटर समेत अन्य कर्मी मौजूद रहे।

आशाकर्मी ने अस्पताल के प्रबन्धक के पास रुपए बंटवारे पर हो रही लड़ाई को लेकर दी पूरी जानकारी

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] झाझा रेफरल अस्पताल में फिर आशाकर्मी ने अस्पताल के प्रबन्धक के पास रुपए बंटवारे पर हो रही लड़ाई को लेकर पूरी जानकारी दिया जिससे पूरा मामला सामने आ गया और अस्पताल में मौजूद लोगों के बीच अस्पताल में मरीजों के परिजन से रुपए के खेल खुल कर शुक्रवार को सामने आ गया। जब एक बार फिर झाझा रेफरल अस्पताल में आशाकर्मी के कारण कई बार सुर्खियों में रहने के बाद एक बार फिर चर्चा में रहने वाला रेफरल फिर से आशाकर्मी के कारण चर्चा आ गया । मामला बलियाडीह गांव से गर्भवती बेटी रकीबा खातून को प्रसव करवाने के लिए आई जैबुन खातून ने बताया कि शुक्रवार की सुबह करीबन 11 बजे आशाकर्मी के साथ अस्पताल पहूंची और बेटी को भर्ती करवाया जिसके

बाद मेरी बेटी को बेटी होने के बाद आशाकर्मी ने मुझसे 1 हजार रुपए लोगों के बीच बांटने को लेकर मांग लिया। हल्ला सुनकर जब अस्पताल प्रबंधक नवनीत कुमार ने पता लगाया तो आशाकर्मी ने अस्पताल के बाहर बैठे प्रबंधक के पास आकर मरीज के मां से मांगे गए रुपए में अन्य महिला कर्मी के द्वारा हिस्सेदारी होने की बात सामने आई। जब आशाकर्मी एवं अस्पताल में अन्य महिला कर्मी के बीच महिला के मरीज से रुपए के बंटवारे को लेकर हंगामा हो रहा था । दरअसल बलियाडीह पंचायत की आशाकर्मी मानती देवी बलियाडीह गांव से एक गर्भवती महिला को प्रसव करवाने के लिए अस्पताल में शुक्रवार को भर्ती करवाया जिसके बाद महिला के प्रसव हो जाने के बाद आशाकर्मी ने उसकी मां से एक हजार रुपए मांग लिया और जब आशाकर्मी से अन्य महिला कर्मी ने रुपए में हिस्सेदारी की बात की तो आशाकर्मी और अन्य महिला स्वास्थ्य कर्मी के बीच तू तू मैं मैं होंना शुरू हो गया। जिसके बाद प्रबंधक ने सभी को डांट फटकार लगाते हुए कार्रवाई करने की बात किया।

भरवाड़ा कबीर आश्रम में दो दिवसीय वार्षिक भंडारा उत्सव आज

प्रात : किरण संवाददाता

सिंहवाड़ा(दरभंगा)।भरवाड़ा नगर पंचायत के ऐतिहासिक कबीर आश्रम में दो दिवसीय 137 वां वार्षिक भंडारा उत्सव का शुभारंभ शनिवार की शाम प्रधान संत साहब विद्यानंद दास दीप प्रज्वलित व शब्द कीर्तन के बाद संत कबीर पर आधारित प्रवचन होगा।शुक्रवार की शाम भंडारा उत्सव की तैयारियों के साथ पंडाल, ठहराव,पेयजल व भोजन निर्माण स्थल का निरीक्षण किया गया। 15 दिसंबर की देर शाम तक चलने वाले धार्मिक उत्सव में दिल्ली, मुंबई, टाटा चंडीगढ़, पड़ोसी देश नेपाल व भूटान के कबीर प्रचार-प्रसार के समर्थक, कबीरपंथी दिवंगत संत बोआ साहब के शिष्य का पहुचें कर कबीर मंदिर का दर्शन कर रहे हैं।श्भजन कीर्तन एवं प्रवचन के आयोजन को लेकर धार्मिक कलाकारों संतों की टोली की भीड के बीच आयोजन समिति स्वागत में जुट गई है।यह दो दिवसीय कबीर भंडारा उत्सव देश प्रदेश सहित नेपाल के भक्तों का आस्था का केंद्र बना हुआ है। अग्रहण पूर्णिमा के मौके पर आयोजित भंडारा उत्सव के दौरान भजन, कीर्तन एवं प्रवचन की अविरल धारा बहती रहती है।

सशस्त्र सीमा बल हवेली खड़गपुर ने किया स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। सशस्त्र सीमा बल, 16 वीं वाहिनी, जमुई अनुमंडल कार्यालय हवेली खड़गपुर अवस्थित ह्यएफह्ल समवाय ने 13 दिसम्बर शुक्रवार को 16 वीं वाहिनी स०सी०ब० का 59 वां स्थापना दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसकी अध्यक्षता कंपनी कमांडर रणधीर कुमार सिंह अस्सिटेंट कमांडेंट ने किया। इस मौके पर क्रिकेट प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिसमें खड़गपुर और स०सी०ब० की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। यह टूनार्मेंट 16वीं वाहिनी के समर्पण और समुदाय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। टूनार्मेंट का आयोजन एस एस वी के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक मनोरंजन और टीम भावना को बढ़ावा देने का माध्यम था। दोनों टीमों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और दर्शकों को शानदार क्रिकेटिंग कौशल का प्रदर्शन किया। मैच में टीम हवेली खड़गपुर ने पहले बैटिंग करते हुए 135 रन का लक्ष्य रखा, जिसे एस एस वी की टीम ने अंत तक कड़ी मेहनत के बाद पूरा किया और जीत हासिल की। इस अवसर पर 16वीं वाहिनी एस एस वी के कमांडिंग ऑफिसर ने सभी खिलाड़ियों की तारीफ की और कहा, ह्यइस तरह के आयोजन से न सिर्फ टीम भावना को बल मिलता है, बल्कि यह हमें आपसी सहयोग और दोस्ती को भी बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करता है। खिलाड़ियों ने भी टूनार्मेंट के दौरान अपना बेहतरीन प्रदर्शन किया, और दर्शकों को एक शानदार खेल का अनुभव दिया। आयोजन में स्थानीय नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही स्थापना से लेकर अब तक की उपलब्धियों के बारे में बताया गया। श्री सिंह ने सशस्त्र सीमा बल 16 वीं वाहिनी के स्थापना की सभी अधीनस्थ अधिकारीयों व जवानों तथा उनके परिवार को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने बताया कि सशस्त्र सीमा बल 16 वीं वाहिनी का स्थापना 13 दिसंबर सन 1965 को हुई थी। सशस्त्र सीमा बल की तैनाती भारत झ नेपाल सीमा पर साल 2001 में तथा सन 2004 में भारत- भूटान सीमा पर हुई। इसी के साथ 16 वी वाहिनी की तैनाती भी भारत भूटान सीमा पर थी जो कि साल 2017 में गृह मंत्रालय के आदेश पर नक्सल विरोधी अभियान हेतु बिहार राज्य के जिला जमुई व मुंगेर में पदस्थापित हुई। इस दौरान कई नक्सलियों को मार गिराया गया तथा दर्जनों नक्सलियों को सलाखों के पीछे पहुँचाने में इस वाहिनी का विशेष योगदान है। उन्होंने जवानों को प्रेरित करते हुए कहा कि सशस्त्र सीमा बल का कार्य राष्ट्र विरोधी ताकतों से देश व देश के नागरिकों की सुरक्षा करना है। हमें राष्ट्र की सेवा करने का मौका मिला है यह हमारे लिये गर्व की बात है। हमें हमेशा देश सेवा में आगे रहना है। इस उपलक्ष्य में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं तथा रात्रि में बड़ा खाना व सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस मौके पर कंपनी के निरीक्षक रोहित कुमार सिंह, उप निरीक्षक शारिक अली खान, सहायक उप निरीक्षक सुरेश सिंह धानिक, बाप्पा दित्य दास, लाखन व कंपनी के सभी जवान मौजूद रहे।

देश में बढ़ती महंगाई का जिम्मेदार कौन?

हमारे देश में रोजमर्रा के काम आने वाली चीजों के दाम अंतर्राष्ट्रीय बाजार की कीमतों के स्तर पर पहुंच चुके हैं। आम जरूरत की चीजों के दाम कम करने की कोई कोशिश भी दिखाई नहीं दे रही है। आज महंगाई की समस्या विकराल रुप धारण कर चुकी है। इसके भयंकर दूरगामी परिणाम होने की संभावनाएं भी जताई जा रही हैं ऐसे में आज मंहगाई को एक राष्ट्रीय समस्या के रूप में देखा जाना चाहिए। सरकारें महंगाई की समस्या को अपनी प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर रखने की घोषणाएं तो करती हैं, किन्तु उन घोषणाओं के प्रति कोई भी सरकार गंभीर नहीं होती। जब दाम बढ़ते हैं तो केवल अर्थव्यवस्था ही चौपट नहीं होती, सामाजिक नैतिक मूल्यों में भी ह्रास होता है। वैज्ञानिक एवं तकनीकी विकास की बढ़त अवरूद्ध होती है। देश की साख गिरती है। लोगों में योजना एवं सरकार के प्रति अविश्वास बढ़ता है। सामान्य सुविधाएं भी देश को नहीं मिल पाती, फिर कर्जों का बोझ और उसी अनुपात में अंतर्राष्ट्रीय दबाव भी बढ़ता है। आज तक मूल्य वृद्धि पर नियंत्रण के तमाम प्रयास कमोवेश असफल साबित हुए हैं। अतीत की बात करें तो कांग्रेस सरकार ने देश को आर्थिक संकट से उबारने का जो सरल रास्ता अपनाया था, वह देश के सामान्य जीवन के लिए कठिन चुनौती बन गया था। तत्कालीन वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की सलाह पर बनाई गई नीतियों से कुछ साधन एवं सत्ता संपन्न लोगों को छोड़कर जनता की आमदनी में कोई वृद्धि नहीं हुई। आज यह समस्या देश की स्थायी समस्या बन गयी। पानी, बिजली, मकान पर लगने वाले कर, कपड़ा एवं यातायात 25 प्रतिशत से 1000 प्रतिशत तक महंगे हो गए हैं। इसी बीच डीजल, पेट्रोल, रसोई-गैस, कोयला व इस्पात सबके भाव बढ़े तो व्यापारियों ने भी मनमानी वृद्धि कर दी। कीमतों की यह बढ़ोत्तरी किसी एक क्षेत्र में नहीं हुई है, बल्कि यह बढ़ोत्तरी करीब-करीब सभी क्षेत्रों में हुई है। सबसे अधिक बढ़ोत्तरी तो आम लोगों की जरूरत वाली चीजों के प्राथमिक क्षेत्र में हुई है। अगर थोक मूल्यों का सूचकांक ही लें, तो सबसे अधिक बढ़ोत्तरी फलों, सब्जियों और अनाजों के दामों में हुई। इनकी कीमतों में भी कई गुना बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। अरहर और उड़द जैसी अधिक खाई जाने वाली दालों के दाम तो हर साल आसमान छूने लगते हैं। जबकि चावल के दामों की भी लगभग यही स्थिति है। कुल मिलाकर भोजन की वस्तुओं के दामों में बेतहाशा वृद्धि दर्ज की गई है। खाने की वस्तुओं के दामों में उतार-चढ़ाव होते रहना कोई आश्चर्य की बात नहीं है, मगर अच्छी वर्षा होने के कारण खाने की वस्तुओं के मूल्य में गिरावट आनी चाहिए पर इस देश में ऐसा कभी नहीं हुआ। इस स्थिति को गंभीर बनाने वाली बात यही है कि बाकी सभी क्षेत्रों में भी दाम आज भी बढ़ रहे हैं, जो इस बात का सबूत है कि बाजार दबाव में है। महंगाई अर्थव्यवस्था में पैदा होने वाले नये-नये संकटों की एक सरलीकृत अभिव्यक्ति है, इसलिए महंगाई बढ़ाने की जिम्मेदार शक्ति केन्द्र सरकार है, जो समूची अर्थव्यवस्था का नियंत्रक है। हमारी अर्थव्यवस्था पर किसका नियंत्रण है? आयात-निर्यात नीति कौन तय करता है? उत्पाद कर निर्धारण कहां से होता है? अप्रत्यक्ष करों का जाल कौन बिछाता है? नमक से लेकर आयतित विमान के मूल्य निर्धारण का अधिकार किसके हाथ में है? इन सारे प्रश्नों का एक ही उत्तर है- केन्द्र सरकार।

मणिपुर समस्या का समाधान हुआ क्या?

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

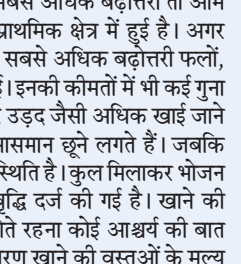

मणिपुर के लोगों बहुत ही सीधे सादे थे और ये सभी लोग वैष्णव सनातनी थे। जंगल और पहाड़ों में रहने के कारण देश के अन्य भागों से अलग थलग थे, जबकि इन लोगों के पास बहुमूल्य सम्पदा थी। जब अंग्रेज भारत आए थे तो उन्होंने पूर्वोत्तर की ओर भी कदम बढ़ाए थे, जहाँ उनको चाय की खेती के साथ साथ तेल भी मिला था। स्वार्थी अंग्रेजों ने सबसे पहले यहाँ के लोगों को देश के अन्य भूभाग से पूरी तरह करने के उद्देश्य से इनर परमिट और आउटर परमिट की व्यवस्था की। इस परमिट के अंतर्गत कोई भी भारतीय व्यक्ति इस इलाके में आने से पहले परमिट बनवाएगा और एक समय सीमा तक ही रह सकता था। लेकिन यह परमिट व्यवस्था सिर्फ भारतीय नागरिक पर लागू था अंग्रेजों पर नहीं । परिणाम यह हुआ कि अंग्रेजों ने मणिपुर में अपने भवन बनवाए और अंग्रेज अफसरों को रखा। वे लोग मणिपुर में चाय की खेती और उसको बेचने का काम करने लगे थे। अंग्रेजों ने जब देखा कि मणिपुर में ईसाई नहीं हैं तो उन्होंने ईसाई मिशनरी को ला ला कर यहां बसाने लगा। मिशनरीयों ने मणिपुर के हर इलाकों में सीधे सादे वैष्णवी सनातनी को आसानी से धर्म परिवर्तित करने का काम शुरू किया और जब अधिकाधिक लोग ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए, तब अंग्रेजों ने मणिपुर को ईसाई राज्य बनाने की दिशा में काम शुरू किया। अंग्रेजों की सोच थी कि यदि मणिपुर राज्य ईसाई राज्य बन जायेगा तो इस राज्य से चीन, भारत और पूर्वी एशिया पर नजर रखा जायेगा। इसके लिए अंग्रेजों ने एक और चाल चली कि जिन वैष्णवी सनातनी धर्म परिवर्तित करके ईसाई बन गए हैं उनलोगों को अनुसूचित जाति (रळ) की मान्यता देकर उन्हें सरकारी सुविधाएं देने लगी। जिसे वर्तमान समय में (धर्म परिवर्तित करने वालों को) कुकी जनजाति और वैष्णव लोगों को मैती समाज कहा जाता है। धर्म परिवर्तन का विरोध करने वाले मूल लोग हमेशा अंग्रेजों से लड़ते रहे, जिसके कारण अंग्रेज मणिपुर को भारत से विभाजन करने में नाकाम रहे थे। जबकि बहुत सरे नागा लोग भी धर्म परिवर्तित करके ईसाई बन गये थे। धीरे धीरे ईसाई पंथ को मानने वालों की संख्या वैष्णव सनातनी लोगों से अधिक या लगभग बराबर हो गयी। इसमें मैती हिंदुओं की संख्या कम करने और परिवर्तित लोगों को संख्या अधिक करने में कामयाब थे। मणिपुर के 90 प्रतिशत भू-भाग पर कुकी और नागा का कब्जा हो गया, जबकि 10 प्रतिशत पर मैती रह गए। अंग्रेजों ने इस इलाके में अफीम की खेती को भी बढ़ावा दिया और उस पर ईसाई कुकी लोगों को कब्जा करने दिया। आजादी के समय मणिपुर के राजा बोध चंद्र सिंह ने मणिपुर को भारत में विलय करने का निर्णय लिया था। वर्ष 1949 में उन्होंने पंडित जवाहर लाल नेहरू से मूल वैष्णव सनातनी जो कि 10 प्रतिशत भू-भाग में रह रहे है उनको अनुसूचित जाति (रळ) का दर्जा दिया जाए। लेकिन पंडित नेहरू ने नहीं दिया। जब 1950 में संविधान अस्तित्व में आया तो भी पंडित नेहरू ने मैती समाज को कोई छूट नहीं दिया। 1960 में कांग्रेस सरकार द्वारा लैंड रिफार्म एक्ट लाया गया, जिसमे 90 प्रतिशत भू-भाग वाले कुकी और नागा ईसाईयों को अनुसूचित जाति (रळ) बना दिया। इस एक्ट में ये प्रावधान भी था जिसमे 90 प्रतिशत कुकी और नागा वाले देश में कहीं भी जा सकते हैं, कहीं भी रह सकते हैं और कहीं भी जमीन खरीद सकते थे, लेकिन 10 प्रतिशत के इलाके में रहने वाले मैती हिंदुओं को ये सब अधिकार नहीं दिया गया गया था। यहीं से मैती लोगों का दिल्ली से विरोध शुरू हो गया। पंडित नेहरू ने एक बार भी पूर्वोत्तर के हालत को ठीक करने की पहल नहीं किया। इधर पड़ोसी देशों ने कुकी और नागा को हथियार देने लगा, जिसका उपयोग भारत के विरुद्ध और मैती वैष्णवों सनातनी को भागने के लिए करते थे। मैतियों ने कुकी और नागा ईसाईयों से बिना दिल्ली के सहयोग के जम कर मुकाबला करता रहा। इस इलाके में कांग्रेस और कम्युनिस्ट की सरकार रही और वो कुकी तथा नागा ईसाईयों के समर्थन में रहे। चूँकि लड़ाई पूर्वोत्तर में अपने अस्तित्व की थी, इसलिए अलग अलग फ्रंट बनाकर सबने हथियार उठा लिया। पूरा पूर्वोत्तर एक लड़ाई का मैदान बन गया। जिसके कारण मिजो जनजातियों में सशत्र विद्रोह शुरू हुआ। बिना दिल्ली के समर्थन के कुकी, नागा और म्यांमार से भारत में अनधिकृत रूप से चीन से आये लोगों से लड़ाई करते रहे। जानकारी के अनुसार, कांग्रेस और कम्युनिस्ट ने मिशनरी के साथ मिलकर म्यांमार से आये इन चीन के लोगों को मणिपुर के पहाड़ी इलाकों और जंगलों की नागरिकता देकर बसा दिया। ये लोग कुकी तथा नागा ईसाईयों के समर्थक थे तथा वैष्णव सनातनी से लड़ते थे। एनडीए सरकार ने एक्ट ईस्ट पालिसी के अंतर्गत पूर्वोत्तर पर ध्यान देना शुरू किया, ठरउठ - तथा भारत सरकार के बीच हुए नागा एकॉर्ड के बाद हिंसा में कमी आई।

कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का प्रतिबंध

पहुँच को प्रतिबंधित करने से माता-पिता और अभिभावकों को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों को बेहतर ढंग से निर्देशित करने और यह सुनिश्चित करने में मदद मिलती है कि वे पर्यवेक्षित तरीके से तकनीक से जुड़ें। हमें बच्चों और युवाओं को ऑनलाइन स्पेस को बेहतर तरीके से नेविगेट करने में मदद करने की भी आवश्यकता है, यह सुनिश्चित करके कि राष्ट्रीय पाठ्यक्रम में डिजिटल साक्षरता और ऑनलाइन सुरक्षा सिखाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। युवाओं को इस बारे में गंभीरता से सोचना सिखाया जाना चाहिए कि वे ऑनलाइन क्या देखते हैं और वे सोशल मीडिया से कैसे जुड़ते हैं। माता-पिता और शिक्षकों को उचित मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने के लिए बेहतर उपकरणों और संसाधनों की भी आवश्यकता है...

प्रियंका सौरभ
लेखक

सोशल मीडिया लोगों के बीच बातचीत के ऐसे माध्यम को संदर्भित करता है, जिसके जरिए वे वर्चुअल समुदायों और नेटवर्क में जानकारी और विचारों का निर्माण, साझा और/या आदान-प्रदान करते हैं। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने ऐसे कानून पेश करने की योजना की घोषणा की है, जो 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करने से रोकेगा। यह स्पष्ट है कि हमें बच्चों और युवाओं को ऑनलाइन बेहतर तरीके से सुरक्षित रखने की जरूरत है। संतुलन पर, ऑस्ट्रेलियाई मानवाधिकार आयोग का मानना नहीं है कि 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाना सही प्रतिक्रिया है। ऐसे कम प्रतिबंधात्मक विकल्प उपलब्ध हैं, जो बच्चों और युवाओं को ऑनलाइन नुकसान से बचाने के उद्देश्य को प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन अन्य मानवाधिकारों पर इतना महत्त्वपूर्ण नकारात्मक प्रभाव डाले बिना। वैकल्पिक प्रतिक्रिया का एक उदाहरण सोशल मीडिया कंपनियों पर देखभाल का कानूनी कर्तव्य रखना होगा। इसके लिए उन्हें अपने उत्पादों को बच्चों और युवाओं के लिए सुरक्षित बनाने के लिए उचित कदम उठाने होंगे। देखभाल का वैधानिक कर्तव्य पेश करना सोशल मीडिया कंपनियों की जवाबदेही बढ़ाने और सभी के लिए ऑनलाइन सुरक्षा में सुधार करने का एक सक्रिय तरीका होगा। आयोग समझता है कि सरकार द्वारा देखभाल के ऐसे कर्तव्य पर विचार किया जा रहा है। सोशल मीडिया बच्चों और युवाओं को साइबरबुलिंग, हानिकारक सामग्री और ऑनलाइन शिकारियों सहित कई संभावित जोखिमों के संपर्क में लाता है। पहुँच को प्रतिबंधित करने से उनके मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी। अध्ययनों से पता चलता है कि सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग स्वस्थ मस्तिष्क विकास, नींद और शैक्षणिक प्रदर्शन में बाधा डाल सकता है। प्रस्तावित कानून एक सुरक्षित विकासात्मक वातावरण का समर्थन करता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म उपयोगकताओं से बड़ी मात्रा में व्यक्तिगत डेटा एकत्र करते हैं और बच्चे पूरी तरह से समझ नहीं पाते हैं कि उनका डेटा कैसे एकत्र किया जाता है, उपयोग किया जाता है या उसका मुद्रीकरण किया जाता है। युवा उपयोगकताओं के लिए पहुँच पर प्रतिबंध लगाने से गोपनीयता के उल्लंघन और बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों द्वारा व्यक्तिगत डेटा के शोषण को कम करने में मदद मिल सकती है। पहुँच को प्रतिबंधित करने से माता-पिता और अभिभावकों को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों को बेहतर ढंग से निर्देशित करने और यह सुनिश्चित करने में मदद मिलती है कि वे पर्यवेक्षित तरीके से तकनीक से जुड़ें। हमें बच्चों और युवाओं को ऑनलाइन स्पेस को बेहतर तरीके से नेविगेट करने में मदद करने की भी आवश्यकता है, यह सुनिश्चित करके कि राष्ट्रीय पाठ्यक्रम में डिजिटल साक्षरता और ऑनलाइन सुरक्षा सिखाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। युवाओं को इस बारे में गंभीरता से सोचना सिखाया जाना चाहिए कि वे ऑनलाइन क्या देखते हैं और वे सोशल मीडिया से कैसे जुड़ते हैं। माता-पिता और शिक्षकों को उचित मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने में मदद करने के लिए बेहतर उपकरणों और संसाधनों की भी आवश्यकता है। सोशल नेटवर्किंग साइट्स व्यक्तियों और संगठनों को पारंपरिक प्रचार या शैक्षणिक तरीकों से बेजोड़ गति से जानकारी साझा करने और आदान-प्रदान करने में सक्षम बनाती हैं। सोशल मीडिया ने लोगों के बीच जानकारी साझा करने के तरीके को बदल दिया है। नतीजतन, यह निर्णय लेने में नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित करके सुशासन को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सोशल मीडिया के फायदों में से एक यह है कि यह सशक्तिकरण के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में उभरा है। सोशल मीडिया ने नागरिकों और उनकी चुनी हुई सरकार और राजनेताओं के बीच की खाई को कम किया है, जिससे लोकतंत्र में अधिक भागीदारी हुई है। गलत सूचना के प्रसार का मुद्दा सोशल मीडिया का सबसे बड़ा नुकसान बनकर उभरा है। सोशल मीडिया के उदय ने दुनिया भर में कई किशोरों को नाम पुकारने, उत्पीड़न, शर्मिंदगी, अपमान, पीछा करने, धमकियों और यहाँ तक कि धोखाधड़ी के लिए उजागर किया है। व्यक्ति एक ह्यइंटरनेट व्यक्तित्वह्न बनाए रखने का प्रयास करते हैं जो किसी के जीवन की एक गुलाबी तस्वीर पेश करता है, फि ल्टर का उपयोग करके उन हिस्सों को छुपाता है जिन्हें ह्य पर्याप्त नहीं माना जाता है। बार-बार सोशल मीडिया का उपयोग मस्तिष्क के उन हिस्सों को बदल सकता है जो भावनाओं और सीखने से सम्बंधित हैं। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के तहत सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशा-निर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021. सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को शिकायत निवारण और अनुपालन तंत्र स्थापित करने के लिए कहा गया है, जिसमें एक निवासी शिकायत अधिकारी, मुख्य अनुपालन अधिकारी और एक नोडल संपर्क व्यक्ति की नियुक्ति शामिल है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इन प्लेटफॉर्म को उपयोगकताओं से प्राप्त शिकायतों और की गई कार्यवाही पर मासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए भी कहा है। इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप को संदेश के पहले स्रोत को ट्रैक करने के लिए प्रावधान करना होगा। धारा 79 में कहा गया है कि किसी भी मध्यस्थ को उसके प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध या होस्ट की गई किसी भी तीसरे पक्ष की जानकारी, डेटा या संचार लिंक के लिए कानूनी रूप से या अन्यथा उत्तरदायी नहीं ठहराया जाएगा। यदि मध्यस्थ, सरकार या उसकी एजेंसियों द्वारा सूचित या अधिसूचित किए जाने के बावजूद, प्रश्नगत सामग्री तक पहुँच को तुरंत अक्षम नहीं करता है, तो सुरक्षा प्रदान नहीं की जाती है। एक व्यापक पारदर्शिता कानून की आवश्यकता है जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म द्वारा प्रासंगिक खुलासे को अनिवार्य बनाता है। इसके अतिरिक्त, सामग्री मॉडरेशन और सम्बंधित कार्य जैसे मानक सेटिंग, तथ्य-जांच और डी-प्लेटफॉर्मिंग को शामिल किया जाना चाहिए। किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य के सम्बंध में माता-पिता को अपने बच्चों को डिजिटल उपकरणों तक पहुँच प्रदान करते समय बहुत सावधान रहना चाहिए तथा उनके साथ स्वस्थ उपयोग के बारे में चर्चा करनी चाहिए।

गुकेश- शह और मात का नया शहंशाह

शतरंज को अब स्कूलों में एक शैक्षणिक उपकरण के रूप में मान्यता दी जा रही है, जिससे बच्चों को खेल के लाभों का अनुभव करने का अवसर मिल रहा है। स्कूलों में शतरंज को बढ़ावा देने से आने वाली पीढ़ी के लिए इसे और लोकप्रिय बनाया जा सकता है। शतरंज में प्रायोजन में वृद्धि से खेल को और अधिक लोकप्रिय बनाने में मदद मिलेगी। प्रायोजकों द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान करने से खिलाड़ियों को अपनी क्षमताओं को विकसित करने और प्रदर्शन में सुधार करने में मदद मिलेगी।

डॉ. आर.के. सिन्हा
लेखक

सारा भारत आज के दिन डी. गुकेश के विश्व शतरंज चैंपियन बनने से गौरवान्वित महसूस कर रहा है। गुकेश ने एक नया इतिहास रच दिया है। वे सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बन गए हैं। उन्होंने अपने अद्भुत प्रदर्शन से पूरे भारत का मान बढ़ाया है। उनकी इतनी शानदार सफलता में उनकी असाधारण प्रतिभा, समर्पण और रणनीतिक दृष्टिकोण अहम रहे। गुकेश ने बहुत कम उम्र में शतरंज खेलना शुरू कर दिया था, जिससे उन्हें खेल की बारीकियों को समझने और अपनी प्रतिभा को विकसित करने का पर्याप्त समय मिला। उनमें जन्मजात प्रतिभा है और उनकी ग्रहण करने की क्षमता बहुत तेज है, जिससे वे जटिल शतरंज रणनीतियों को आसानी से समझ पाते हैं। उन्होंने शतरंज के प्रति पूर्ण समर्पण दिखाया है और लगातार अभ्यास करके अपनी क्षमताओं को निखारा है। गुकेश को अनुभवी और कुशल प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन मिला, जिन्होंने उनकी खेल तकनीकों को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण और संसाधनों तक पहुंच मिली, जिससे उन्हें विश्व स्तर के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिली। गुकेश के प्रशिक्षण में आधुनिक तकनीकी उपकरणों का उपयोग शामिल था, जिससे उनकी खेल रणनीति का विश्लेषण करना और सुधार करना आसान हो गया। रणनीतिक गहराई: गुकेश के पास शतरंज में गहरी रणनीतिक सोच है, जो उन्हें खेल के दौरान तत्काल सही निर्णय लेने में मदद करती है। वे दबाव की स्थितियों में भी शांत और संयमित रहते हैं, जिससे वे महत्वपूर्ण मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं। उनमें मानसिक रूप से मजबूत होने की क्षमता है, जिससे वे हार से निराश नहीं होते और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित रहते हैं। गुकेश नियमित रूप से शतरंज का अभ्यास करते हैं और अपनी कमजोरियों को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। वे अपने पिछले मैचों का विश्लेषण करते हैं और अपनी गलतियों से सीखते हैं, जिससे उनकी खेल रणनीति में लगातार सुधार होता रहता है। वे शतरंज के महान खिलाड़ियों के खेलों का लगातार गम्भीरतापूर्वक अध्ययन करते रहते हैं और उनसे नई तकनीकों को सीखते हैं। गुकेश ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया है, जिससे उन्हें उच्च स्तर के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने का अनुभव मिला है। उन्होंने अलग-अलग शैली के खिलाड़ियों का सामना किया है, जिससे उनकी खेल में विविधता आई है और उन्हें विभिन्न स्थितियों के लिए तैयार किया गया है। गुकेश को अपने परिवार से भरपूर समर्थन और प्रेरणा मिली है, जो उनकी सफलता में एक महत्वपूर्ण कारक है। उनके परिवार ने उनके संघर्षों के दौरान उनका भावनात्मक रूप से समर्थन किया और उन्हें हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इन सभी कारणों के संयोजन ने गुकेश को विश्व शतरंज चैंपियन बनने में मदद की है। उनकी सफलता न केवल उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा और मेहनत का परिणाम है, बल्कि यह भारत में शतरंज के विकास और प्रोत्साहन का भी प्रतीक है। इस बीच, कुछ जानकार गुकेश और पूर्व विश्व शतरंज चैंपियन विश्वनाथन आनंद की तुलना भी रहे कर रहे हैं। गुकेश और विश्वनाथन आनंद, दोनों ही भारतीय शतरंज के महान खिलाड़ी हैं, लेकिन उनकी शैलियों, दृष्टिकोण और खेल में कुछ समानताएं और कुछ मौलिक अंतर भी हैं। दोनों ही खिलाड़ियों में शतरंज की असाधारण प्रतिभा है। वे जटिल स्थितियों को समझने और सटीक चाल चलने में माहिर हैं। दोनों ही खिलाड़ी अपनी रणनीतिक गहराई के लिए जाने जाते हैं। वे न केवल तात्कालिक लाभ पर ध्यान देते हैं, बल्कि लंबी अवधि की योजनाओं को भी ध्यान में रखते हैं। दोनों ही खिलाड़ियों में दृढ़ संकल्प है और वे कभी भी हार नहीं मानते हैं। उन्होंने कई बार मुश्किल परिस्थितियों से वापसी की है और जीत हासिल की है। दोनों ही खिलाड़ी अपनी शालीनता और खेल भावना के लिए जाने जाते हैं। वे हारने पर भी सम्मान बनाए रखते हैं। विश्वनाथन आनंद एक अनुभवी खिलाड़ी हैं जो 90 के दशक से खेल रहे हैं, जबकि गुकेश एक युवा और उभरते हुए खिलाड़ी हैं। आनंद ने कंप्यूटर युग से पहले शतरंज खेला, जबकि गुकेश का विकास कंप्यूटर के युग में हुआ है। आनंद अपनी तेज और आक्रामक शैली के लिए जाने जाते हैं, जबकि गुकेश एक अधिक रणनीतिक और रक्षात्मक खिलाड़ी हैं। आनंद त्वरित चालों और जटिलताओं में माहिर हैं, जबकि गुकेश स्थिति को नियंत्रित करने और धैर्यपूर्वक आगे बढ़ने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। जाहिर है, आनंद के पास खेल का अधिक अनुभव है और उन्होंने कई विश्व चैंपियनशिप जीती हैं, जबकि गुकेश अभी भी अपने करियर के शुरूआती चरण में हैं। आनंद ने दशकों तक शीर्ष स्तर पर खेला है, जबकि गुकेश अभी भी वैश्विक शतरंज समुदाय में अपनी जगह बना रहे हैं। आनंद एक अधिक सहज और रचनात्मक खिलाड़ी हैं, जबकि गुकेश अधिक व्यवस्थित और वैज्ञानिक खिलाड़ी हैं। आनंद स्वाभाविक रूप से प्रेरित होकर खेलते हैं, जबकि गुकेश अपनी तैयारी पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं। भारत में शतरंज पहले से ही काफी लोकप्रिय है, लेकिन गुकेश जैसे युवा खिलाड़ियों के उदय से यह और भी लोकप्रिय हो सकता है।गुकेश जैसे युवा खिलाड़ियों की सफलता से युवा पीढ़ी को शतरंज में रुचि लेने की प्रेरणा मिलेगी। युवाओं के लिए एक आदर्श मॉडल होने से अधिक युवा शतरंज खेलने के लिए आकर्षित होंगे। ऑनलाइन शतरंज प्लेटफॉर्म और कंप्यूटर विश्लेषण उपकरणों की उपलब्धता से खेल अधिक सुलभ हो गया है। इंटरनेट के माध्यम से सीखने और खेलने के विकल्पों ने शतरंज को अधिक सुविधाजनक बना दिया है। शतरंज को अब पहले से अधिक मीडिया कवरेज मिल रहा है, जिससे खेल के बारे में जागरूकता बढ़ रही है। प्रमुख समाचार चैनलों और खेल वेबसाइटों पर शतरंज की घटनाओं को कवर किया जा रहा है।

धूल सरकारी चेहरे पर है, वे आईना साफ कर रहे हैं

जीतू पटवारी

भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने प्रदेश में भाजपा सरकार के एक वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। इस दौरान उन्होंने सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए दावा किया कि 1 करोड़ 29 लाख लाडली बहनों को अब तक 19,212 करोड़ रुपए का अंतरण किया गया। लेकिन, यह अधूरी सच्चाई है सरकार वह तो बता रही है, जो दिया गया, लेकिन यह बताने से बच रही है, जो नहीं दे पाई। लाडली बहना योजना : वादों और हकीकत का अंतर मुख्यमंत्री का दावा है लाडली बहना योजना महिला सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन सरकार यह स्पष्ट करने में विफल रही कि योजना के तहत 3,000 रुपए प्रतिमाह देने के वादे के बावजूद अब तक बचा हुआ करीब 38,424 करोड़ से ज्यादा रुपया क्यों नहीं दिया गया? यदि यह रकम लाभार्थियों तक पहुंची होती, तो उनकी आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार हो सकता था। योजना के लाभार्थियों में से कई महिलाओं ने शिकायत की है कि उन्हें नियमित अंतराल पर भुगतान नहीं मिलता। इसके अलावा, कुछ क्षेत्रों में राशि के वितरण में भेदभाव के आरोप भी लगे हैं। बेहतर होता मुख्यमंत्री ऐसे सभी सवालों का भी जवाब देते। केन-बेतवा परियोजना : देरी और बढ़ी लागत का जिम्मेदार कौन? मध्य प्रदेश की जनता के लिए केन-बेतवा लिंक परियोजना लंबे समय से प्रतीक्षित है। यह परियोजना न केवल प्रदेश में सिंचाई क्षमता बढ़ाने का दावा करती है, बल्कि जल संकट को कम करने का भी वादा करती है। सरकार यह क्यों नहीं बता पा रही है कि शिवराज सिंह चौहान की पूर्ववर्ती सरकार और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के बीच समन्वय की कमी के कारण इस परियोजना में भारी देरी हुई। अगर इसे समय पर शुरू किया गया होता, तो आज इसकी लागत इतनी न बढ़ती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगर 25 दिसंबर को इस परियोजना का भूमि पूजन करते हैं, तो उन्हें इस बजट वृद्धि और देरी के लिए जिम्मेदार कारकों पर भी चर्चा करनी चाहिए। बीमार स्वास्थ्य सेवा और कितनी बदहाल होगी? मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य मंत्रालय और चिकित्सा शिक्षा मंत्रालय को एक करने को अपनी बड़ी उपलब्धि बताया। लेकिन, जमीनी हकीकत इससे काफी अलग है। प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में आज भी एंबुलेंस की भारी कमी है। आज भी कई परिवार शवों को कंधे, ठेलागाड़ी और साइकिल पर ले जाने को मजबूर हैं। डॉक्टरों और अन्य चिकित्सा कर्मचारियों की कमी के कारण मरीजों को अक्सर बड़े शहरों के अस्पतालों में रेफर कर दिया जाता है। हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में प्रति 10,000 जनसंख्या पर डॉक्टरों की उपलब्धता राष्ट्रीय औसत से भी कम है। ग्रामीण अस्पतालों में दवाओं और उपकरणों की कमी की शिकायतें आम हैं। सरकार द्वारा स्थापित नए मेडिकल कॉलेजों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव और शिक्षकों की कमी भी एक बड़ी समस्या है। इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन : पुरानी योजना पर श्रेय की नई लड़ाई दौर-मनमाड़ के बीच की रेल लाइन एक ऐसा झुनझुना है, जिसे जो भी मुख्यमंत्री आता है वह अपनी उपलब्धि के रूप में बजाता है। कर्ज लेकर कछुए की गति से चल रही केंद्र और मध्य प्रदेश की सरकार को अब चिंता सिर्फ इस बात की करनी चाहिए कि इस रेल परियोजना को अब बगैर बजट बढ़ाए, तत्काल पूरा किया जाए, ताकि कागजों की घोषणाएं पटरी पर नजर आए। नदी जोड़ो परियोजना : उद्देश्य केवल भ्रष्टाचार पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए नदी जोड़ो परियोजना की कल्पना की थी। लेकिन, भाजपा सरकारों ने इसे भ्रष्टाचार में नहाने का साधन बना दिया। इंदौर से निकलने वाली गंदगी से भरी कान्ह नदी उज्जैन की शिप्रा नदी में मिलकर श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्थाओं को ठेस पहुंचा रही है। इसे सुधारने के नाम पर करोड़ों रुपए स्वीकृत किए गए, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका कोई असर नहीं दिखता। भाजपा के ढेर सारे नेताओं और नौकरशाही की लंबी जमात की कई पीढ़ियों की आर्थिक स्थिति सुधर गई, लेकिन कान्हं नदी की पवित्रता सपना रह गई। सिंहस्थ के नाम पर एक बार फिर नई योजनाओं का प्रस्ताव किया जा रहा है। सरकार को चाहिए कि पुरानी परियोजनाओं के परिणामों का मूल्यांकन करे और उसी के आधार पर नई योजनाएं बनाए।

मंत्री ने शराब बंदी को ले जागरूकता शिविर में किया शिरकत

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा । बिहार सरकार के मध निषेध मंत्री रत्नेश सदा ने शराब बंदी को लेक- र आयोजित जागरूकता अभियान के तहद सदर प्रखंड के तेनुआ में पहुंच कर अभियान की शुरूआत किया ' इस अवसर पर काफी संख्या में जिविका दीदी, तालीम मरकज, टोला सेवक एवं विकास मित्र ने मंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि शराब बंदी में बहुत कमी आई है । ज्यादा अशिक्षित लोग ही इसका सेवन कर रहे हैं, जबकि जदयू जिला अल्ताफ आलम राजू ने कहा कि कुछ शरारती तत्वों के द्वारा इसे व्यवसाय का रूप दे दिया है ' हालांकि जिला प्रशासन प्रशासन द्वारा शराब बंदी के खिलाफ लगातार कार्रवाई किया जा रहा है ।इस कार्यक्रम में उपस्थित जदयू एसटी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष शम्भु मांझी ने कहा कि अशिक्षा के कारण लोग चोरी छिपे इसका सेवन कर रहे हैं ' वहीं कुसुम रानी ने कहा कि महिलाओं के कहने पर ही मुख्यमंत्री ने शराब बंदी लागू किए। इस अवसर पर नाटक मंडली द्वारा भी शराब बंदी पर नाटक प्रस्तुत किया गया । मध निषेध मंत्री रत्न `श सदा ने नगरा प्रखंड पहुंच कर उन लोगों का हाल-चाल जाना ।

बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सेवा देना प्रशासन की प्राथमिकता:डीएम

डीएम ने स्वास्थ्य सेवाओं में कमतर प्रदर्शन करने वाले प्रखंडों के एमओआईसी एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ की बैठक

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। जिला के सभी अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं आम लोगों को मिले, इसके लिये प्रशासन लगातार प्रयासरत है।

कुछ प्रखंड स्वास्थ्य सेवाओं के विभिन्न इंडिकेटर में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं तो कुछ प्रखण्डों का प्रदर्शन कमतर है। आज जिलाधिकारी ने कमतर प्रदर्शन करने वाले छः प्रखंडों- सदर, नगरा, रिविलगंज, लहलादपुर, दिघवारा एवं मशरख के एमओआईसी, बी एच एम , बी सी एम आदि के साथ बैठक किया।

जिलाधिकारी ने पंचायत की आबादी के अनुरूप समानुपातिक तरीके से स्वास्थ्य सुविधाओं को उपलब्ध कराने हेतु प्रयास करने को कहा। ऐसे गाँव/पंचायतों की पहचान करें, जहाँ से निकटतम स्वास्थ्य सुविधा औसत से अधिक दूरी पर स्थित है। यहाँ अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना हेतु पहल की जायेगी। जहाँ भी अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्र की आवश्यकता है, इसके बारे में जानकारी दें। ताकि आवश्यकतानुसार स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा सके।

उन्होंने सभी अस्पतालों में सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही शत प्रतिशत दवाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। इसके लिए बी एच एम प्रतिदिन दवाओं के स्टॉक की मॉनिटरिंग करेंगे तथा ससमय आवश्यक दवाओं का डिमांड (इंडेंट) भेजना सुनिश्चित करेंगे।

सभी एमओआईसी रेंडमली जाँच करेंगे कि डॉक्टर मरीजों को जेनेरिक दवाएं लिख रहे हैं कि नहीं। अगर जेनेरिक दवा नहीं लिख रहे हैं, तो उसका स्पष्ट कारण लिखा गया है या नहीं। एएनसी कवरेज को बढ़ाने के लिये कार्रवाई करने को कहा गया। निजी अस्पतालों में प्रसव कराने वाली महिलाओं की आशावार सूची तैयार कर इसकी समीक्षा करने को कहा गया।

बैठक में सिविल सर्जन, डीपीएम सहित स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

काठमांडू के हंगर प्रोजेक्ट चीफ लायन अमित थापा बाईक से निकले हैदराबाद, रक्सौल में हुआ स्वागत

भारत-नेपाल मैत्री संबंध को बढ़ावा देना इसका उद्देश्य

प्रात: किरण, संवाददाता

रक्सौल। लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 325 एल काठमांडू के हंगर प्रोजेक्ट चीफ लायन अमित थापा जो लायंस क्लब प्रयासनगर, काठमांडू के सदस्य भी हैं, भारत-नेपाल मैत्री संबंध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से काठमांडू से हैदराबाद की यात्रा बाइक के द्वारा शुरू किए।

रक्सौल में उनका आगमन हुआ।थापा जी हैदराबाद में आयोजित लायंस इंटरनेशनल के कार्यक्रम में भी शामिल होंगे, जो कि 19 दिसंबर से 21 दिसंबर तक चलेगा।

बाइक चला कर इतनी दुरी की यात्रा करना भारत नेपाल संबंध को और भी ज्यादा मजबूती प्रदान करेगा। रक्सौल में क्लब सचिव बिमल सर्राफ, लायन नारायण रुंगटा, नलायन पंकज वर्णवाल, नलायन हेमंत अग्रवाल ने उनका अभिवादन किया। पंकज सिनेमा के परिसर में दोनों डिस्ट्रिक्ट के विचारों का आदान प्रदान हुआ तत्पश्चात एक दूसरे को लायंस डिस्ट्रिक्ट पिन एवं क्लब पिन देकर सम्मानित किया गया।

फिर मिलने के वादे के साथ उनकी बाइक को सम्मान देते हुए बिदा किया गया।लायन थापा ने सभी लायन सदस्यों को काठमांडू आने का न्योता दिया। लायन थापा जी एक बहुत ही कुशल बाइकर्स भी हैं, जिसकी जानकारी लायंस क्लब ऑफ रक्सौल के सचिव सह मीडिया प्रभारी लायन बिमल सर्राफ ने दी।

संक्षिप्त खबरें

मनरेगा कार्य में अनियमितता की जाँच का बीडीओ से किया गया शिकायता

प्रातः किरण, संवाददाता

बनियापुर । प्रखंड के बेरुई गाव मे बीडीसी सदस्य द्वारा गलत तरिके से मिट्टी भराई कार्य करने तथा नियमों को ताक पर रख जेसीबी द्वारा कार्य कराने की शिकायत बीडीओ सहित जिले के वरीय अधिकारियो तक की गयी है। प्रखंड विकास पदाधिकारी को लिखे शिकायत पत्र मे स्थानीय निवासी धीरेन्द्र कुमार सिंह ने बताया है कि पिरौटा खास पंचायत उतरी भाग के बीडीसी द्वरा बिना एन ओ सी के और गलत योजना नाम से गंडक नहर से मिट्टी भराई कार्य मे व्यापक अनियमितता बरती गयी ।है,वही जेसीबी से कार्य कराया गया है। जिससे मनरेगा मजदूरो के नाम पर पैसा उठाकर मजदूरों के रोजगार को नुकसान पहुंचाया गया।उन्होंने इस आशय का प्रतिलिपि जिले के वरीय अधिकारियो को देकर जाँच की मांग किया है।

रौनक रतन ने भजन, गजल तथा पिता रत्नेश रतन ने अपने गीतों से श्रोताओं को खूब झुमाया

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। कला संस्कृति विभाग हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला के मंच से जिले के सुप्रसिद्ध बाल गायक रौनक रतन और उनके पिता लेखक व गीतकार रत्नेश रतन को विभाग द्वारा गायन प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया गया था जिसमें रौनक रतन ने भजन गजल गाकर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया तो वहीं उनके पिता रत्नेश रतन ने मेला विशेष स्वरचित गीत सोनपुर के मेलवा में भीड़ बड़ी होला आंचरा धईले रहीह गाकर लोगों को खूब आनंदित किया। गीतों के क्रम में अश्लील गायकों के खिलाफ भी रत्न `श रतन और पुत्र रौनक रतन ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर माहौल को और भी बेहतर बना दिया। प्रस्तुति के उपरांत विभाग के पदाधिकारी गण जैसे जिला कला संस्कृति पदाधिकारी डॉ विभा भारती सिंह और अन्य पदाधिकारी गण के द्वारा पिता पुत्र को मोमेंटो से सम्मानित किया गया।

अवैध हथियार के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय।मुफ्फसिल थाना को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति हथियार से लेश हो कर मोटरसाईकिल से आपारधिक घटना करने कि नियत से माला गाँव से विशुनपुरा बाजार की ओर जा रहा है।

उक्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए माला गाँव इंजीनियरिंग कॉलेज के पास पहुँच कर सघन वाहन चेकिंग प्रारंभ किया। वाहन चेकिंग के क्रम में उक्त व्यक्ति आकाश सिंह, पिता- मनी सिंह, साकिन शेरपुर, थाना मुफ्फसिल, जिला- सारण को 01 पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया गया है।इस संबंध में मुफ्फसिल थाना कांड सं0-719/24, दिनांक-12.12.24, धारा-317 (5) बी०एन०एस० एवं 25 (1-बी) ए/26 आर्म्स एक्ट दर्ज कर अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजा गया। पुलस ने आकाश सिंह, पिता मनी सिंह, साकिन शेरपुर, थाना-मुफ्फसिल, जिला- सारण पकड़ा। जबकि पुलिसने . पिस्टल-01, 2. जिन्दा कारतूस-01 आदि है। टीम में शामिल पुलिस पदाधिकरियों में पुनि विशाल आनंद थानाध्यक्ष मुफ्फसिल थाना, स०अ०नि० मो० आसिफ हुसैन एवं मुफ्फसिल थाना के अन्य कर्मी शामिल थे।

जन सुराज पार्टी कार्यकर्ता सम्मेलन व प्रदेश अध्यक्ष के आगमन की तैयारियों को लेकर हुई समीक्षा बैठक

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय।आगामी 16 दिसंबर को छपरा में आयोजित जन सुराज पार्टी कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी को लेकर राज्य कार्यकारिणी सदस्य नूतन शर्मा के छपरा आवास पर एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से छपरा के प्रेक्षा गृह में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में भाग लेने आ रहे पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती का भव्य स्वागत के साथ साथ कार्यकताओं का अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने, प्रखंड व पंचायत तथा राज्य पारिषद सदस्यों व जिला कार्यकारिणी के सदस्यों के साथ अलग अलग संवाद एवं प्रदेश अध्यक्ष के साथ पत्रकार वार्ता सहित अन्य कार्यक्रमों की सभी तैयारियों की समीक्षा की गयी। मालूम हो कि जन सुराज पार्टी गठन के बाद सारण की पावन धरती पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती का आगमन पहली बार होने जा रहा है।

जिलाध्यक्ष बच्चा राय ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के सारण आगमन से संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी।उनके आगमन को लेकर कार्यकताओं में उत्साह देखा जा रहा है।

इसे एतिहासिक बनाने में कार्यकर्ता कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। वहीं जिला मुख्य प्रवक्ता कुलदीप महासेठ ने बताया कि कार्यकर्ता सम्मेलन को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी है। प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती के आगमन को लेकर सोनपुर से लेकर छपरा शहर तक तोरण द्वार, कटआउट, बैनर झंडे से लगाये जायेंगे .

बैठक में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष बच्चा राय,प्रदेश कोर समिति के सदस्य राम पुकार मेहता,अभियान समिति के जिला संयोजक प्रियरंजन सिंह युवराज, जिला मुख्य प्रवक्ता कुलदीप महासेठ, जिला युवाध्यक्ष कुमार शिवम, कार्यालय प्रभारी नवनीत यादव, राज्य कार्यकारिणी सदस्य ब्रजेंद्र कुमार सिंह उर्फ मुन्ना भवानी,नूतन शर्मा,सुरेश सिंह, शकील अहमद अत्ता, उदय शंकर सिंह, ललित तिवारी,अभय शर्मा, खुर्शीद नैयर,नीलेश सिंह,प्रीति रानी, नीरज तिवारी,प्यारे लाल राय आदि कार्यकर्ता शामिल रहे।

प्रबंधकारिणी समिति की बैठक संपन्न

पुस्तकालय बच्चों को मोबाईल की आदत से दूर रखने में मददगार : आयुक्त

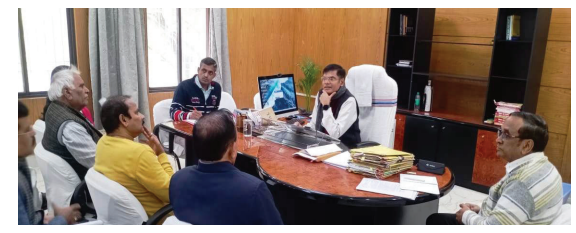

छपरा कार्यालय। प्रमंडलीय आयुक्त गोपाल मीणा की अध्यक्षता में शुक्रवार को श्रीनंदन प्रमंडलीय पुस्तकालय, छपरा के प्रबंधकारिणी समिति की बैठक आहुत की गई। आयुक्त श्री मीणा ने कहा कि बच्चों को मोबाईल से दूर रखने का प्रयास करते हुये उनका ध्यान पुस्तक और प्रतियोगिता की ओर लगाने की पहल में पुस्तकालय काफी सार्थक हो सकता है। उन्होंने आस पास के सभी विद्यालयों में बच्चों को पुस्तकालय की उपयोगिता एवं इसके उपयोग को लेकर प्रेरित करने को कहा। बच्चों में पुस्तक एवं पुस्तकालय की आदत उनके भविष्य को संवारने में मददगार होगी। इस पुस्तकालय के भवन के जीर्णोद्धार हेतु भी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। यहाँ पर्याप्त रोशनी एवं अन्य आधुनिक स्तर की व्यवस्थाओं के अनुरूप इसके जीर्णोद्धार हेतु प्राक्कलन तैयार करने का निदेश कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमण्डल को दिया गया। बैठक में आयुक्त के सचिव सहित प्रबंधकारिणी समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

आर्केस्ट्रा में नाबालिगों शोषण के मामले में सारण पुलिस की बड़ी कार्रवाई

आर्केस्ट्रा संचालक को किया गया गिरफ्तार,नाबालिग को कराया मुक्त

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय।जनताबाजार थाना को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि विनाका आर्केस्ट्रा के संचालक लहलादपुर हाईस्कुल के पीछे अपने घर में 01 नाबालिक लड़की को कैद कर के रखा है।उक्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आर्केस्ट्रा संचालक के घर को विधिवत घेराबन्दी कर छापामारी किया गया। छापामारी के क्रम में उक्त नाबालिग लड़की को बरामद कर आर्केस्ट्रा संचालक राजेश महतो, पिता रामाशीष महतो, सा०-बनियापुर अमाव, थाना बनियापुर, जिला- सारण को गिरफ्तार किया गया है। नाबालिग लड़की के द्वारा बताया गया कि पैसे का लालच देकर व जोर जबरदस्ती आर्केस्ट्रा में कार्य करवाया जाता था। इस संदर्भ में जनताबाजार थाना कांड सं0-270/24 दिनांक 12.12.24 धारा 143 (1)/145/98/ बी०एन०एस० एवं 8 पोक्सो अधि० एवं 75/79 जे०जे० अधिनियम एवं 3/4/5/6 आई०टी०पी० अधि० 1956 एवं 16/17/18 बंधुआ मजदुर प्रथा अधिनियम-1976 दर्ज कर अग्रतर विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गये आरोपियों में 1. राजेश महतो, पिता रामाशीष महतो, सा०-बनियापुर, थाना बनियापुर, जिला- सारण के नाम शामिल हैं। वहीं पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार अभियुक्तों आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। इसमें

बनियापुर थाना कांड सं0-209/20 दिनांक-09.07.20, धारा 396/120 (बी) भा०द०वी० एवं 27 आर्म्स एक्ट ।

बनियापुर थाना कांड सं0-217/20 दिनांक-14.07.20, धारा 25 (1-बी) ए/26/35 आर्म्स एक्ट।

छापामारी दल में शामिल सदस्य :-

पु०अ०नि० टुनटुन कुमार थानाध्यक्ष जनताबाजार थाना, स०अ०नि० पप्पु कु० झा एवं जनताबाजार थाना के अन्य कर्मी।

उल्लेखनीय है की सारण पुलिस द्वारा लगातार ये अभियान चलाया जा रहा है। जनता से सूचना और सहयोग की अपील है।

किरायेदार उपभोक्ताओं को मकान खाली करने से पूर्व विद्युत बिल चूकता करना जरूरी

प्रातः किरण, संवाददाता

रक्सौल। शहर के विभिन्न मोहल्लों में किराए के मकान में निवास करने वाले उपभोक्ताओं को मकान खाली करने से पूर्व विद्युत बिल चूकता करना जरूरी है, अन्यथा मकान मालिक को विपत्र की राशि भुगतान करना अनिवार्य है। उक्त जानकारी साझा करते हुए सहायक विद्युत अभियंता सुनील रंजन ने बताया कि प्रायः देखा जा रहा है कि शहरी क्षेत्र में बने आवासीय या कमर्शियल मकानों में किरायेदारों के लिए अलग विद्युत कनेक्शन लेकर बिजली जलाया जा रहा है, परंतु जब किरायेदारों के द्वारा मकान या प्रतिष्ठान खाली किया जाता है तो बगैर नोड्यूज एवं कनेक्शन बंद कराए ऐसे ही छोड़ दिया जाता है। नतीजतन कनेक्शन में लगाए गए मीटर निगेटिव बैलेंस में जा रहा है, जिसके कारण नन कम्युनिकेशन के रूप में चिन्हित हो रहा है। जिसके कारण उपभोक्ता के अलावा विभाग को भी आर्थिक रूप से ह्रास हो रहा है। इधर जेई रवि कुमार का कहना है कि हाल के दिनों में सत्यापन के दौरान कई ऐसे घरों में देखने को मिल रहा है कि मकान मालिक स्वयं किरायेदारों के द्वारा लिए गए कनेक्शन से विद्युत का उपयोग जारी रखते हुए निगेटिव बैलेंस में ही बिजली जलाते आ रहे हैं और बिजली बंद होते ही ज्यों का त्यों मीटर नन कम्युनिकेशन में पड़ा रहता है।

ऐसे में उन्होंने स्पष्ट किया कि मकान मालिक को भी परिसर में लगे किसी भी नाम का कनेक्शन क्यों न हो उसका नोड्यूज क्लियर जरूर कराए

यूपी और बिहार के करीब पांच दर्जन बीपीएससी अभ्यर्थियों को नगर निगम ने मुहैया कराया निःशुल्क आवासन:गरिमा

प्रातः किरण, संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। उत्तर प्रदेश के अलावा बिहार के विभिन्न क्षेत्र से पहुंचे बीपीएससी परीक्षा के महिला पुरुष अभ्यर्थियों का महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने स्वागत किया। इसकी जानकारी देते हुए महापौर ने बताया कि कड़ाके की ठंड के बावजूद उत्तर प्रदेश के अलावा बिहार के विभिन्न जिलों यथा हाजीपुर, नालंदा, नवादा, बेगूसराय, मोकामा, सिवान और गोपालगंज आदि जिलों से आए करीब पांच दर्जन परीक्षार्थियों का आतिथ्य और स्वागत करना बेहद अच्छा लगा। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि नगर निगम के स्टेशन चौक आश्रय स्थल में 12 से ज्यादा और बस स्टैण्ड परिसर के आश्रय स्थल मे कुल 37 परीक्षार्थियों के लिए निःशुल्क आवासन की सुविधा मुहैया कराई गई। सबको बिछावन के साथ कम्बल, पानी आदि की सुविधा दिलाई गई। इसका अवलोकन करने के बाद आवासित अभ्यर्थियों से मिली जानकारी साझा करते हुए श्रीमती सिकारिया ने बताया कि अनेक अभ्यर्थियों ने बताया कि बिहार के अनेक जिलों में इससे पहले भी वे लोग ऐसी परीक्षाएं देने जाते रहे हैं। लेकिन, ऐसी आवभगत और जाड़े की रात में कंबल गद्दा जैसी सुविधा वो भी निःशुल्क कही नहीं मिली है।

मदर ताहिरा चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से कंबल का किया गया वितरण

प्रात: किरण, संवाददाता

बेतिया(कुमार अभिजितम)। शुक्रवार को बेतिया स्थित बगीचा रेस्टोरेंट सभागार में मदर ताहिरा चेरिटेबल ट्रस्ट की ओरे से कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकता रविंदर बौद्ध, नंदलाल जेपी सेनानी, ज्ञानी जी समाज सेवी, अजीत कुमार, सुधारवादी पार्टी अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह, मधुसूदन प्रसाद गुप्ता सहित मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट के कार्यकर्ता सहित सैकड़ों लाभार्थी मौजूद रहे। इस मौके पर आए 165 जरूरतमंदों को कंबल वितरित किया गया। ठंड में कंबल मिलते ही गरीबों के चेहरे खिल उठे।

मुख्यमंत्री के दौरे के क्रम में मछली के अचार का स्टॉल दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा

आनंदी का भुजा और मछली का अचार मुख्यमंत्री चखेंगे तो मुझे खुशी मिलेगी: विक्रेता

प्रात: किरण, संवाददाता

बगहा। 15 दिसंबर को संभावित सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के वाल्मीकिनगर परिक्षेत्र में दौरे के दौरान मुख्य स्थल पर लहणे वाले स्टॉलों में मछली के अचार का स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहेगा।बतादें की वाल्मीकिनगर के घोटवा टोला से मुख्यमंत्री 15 वीं यात्रा महिला संवाद यात्रा शुरू करने वाले है जिसकी तैयारियां प्रशासनिक स्तर पर की जा रही है।मुख्यमंत्री इस दौरान घोटवा टोला जाएंगे जो आदिवासी थारू बाहुल्य इलाका है।घोटवा टोले की तस्वीर बदल दी गई है।सड़क भवन,हॉस्पिटल आदि संसाधनों के रूपरेखा रंगरोगन कर नया लुक दिया जा रहा है। इस मौके पर आदिवासियों के द्वारा हाथों से बनाई गई हस्तकरघा वस्तुओं की स्टॉल लगेंगें जिसका मुख्यमंत्री द्वारा अवलोकन किए जाने की संभावना है।इन्ही स्टॉलों में मछली से बने अचार का स्टॉल मुख्य आकर्षण लोगों के लिए रहेगा। विक्रेता राम सिंह ने उम्मीद जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री मेरे स्टॉल से मछली और आनंदी के भुजे को चखते तो मुझे ज्यादा खुशी मिलती।

आत्मनिर्भरता का मिशाल

बतातें चलें कि बिहार के बगहा के आदिवासी बहुल गांव की दर्जनों महिलाएं मछली का अचार बनाकर आत्मिनिर्भरता की मिशाल पेश कर रहीं हैं। कोरोना काल में जब मछलियों की बिक्री कम होने लगी थी। तब जीविका समूह की महिलाओं के लिए यही मछलियां वरदान साबित हुईं और आज इनके बनाए मछली के अचार की भारी डिमांड है। बिहार का एक ऐसा आदिवासी बहुल गांव जहां की नारी शक्ति आपदा में अवसर की तलाश कर स्वावलंबी बनने की राह पर चल पड़ी हैं।दरअसल,जीविका से जुड़ी दर्जनों महिलाएं विभिन्न प्रजाति की मछलियों का अचार बनाकर अपना व्यवसाय कर रही हैं और इससे उनको अच्छी खासी आमदनी हो रही है। बगहा अनुमंडल क्षेत्र के एक छोटे से गांव मझौआ में महिलाएं बिना किसी प्लांट के हैंड मेड फिश पिकल बना रहीं हैं।बतादें कि मझौआ गांव के रामजी सिंह महतो ने कोरोना महामारी के पूर्व उत्तराखंड के पंत नगर से मछली का अचार बनाने का प्रशिक्षण लिया था। 21 दिनों तक प्रशिक्षण लेने के बाद उन्होंने अपने गांव का रुख कर लिया, इसी बीच वैश्विक महामारी कोरोना ने अपना विनाशकारी रूप ले लिया. जब पूरा विश्व कोरोना संकट से जूझ रहा था.

तब मछलियों की बिक्री काफी कम हो गई। लिहाजा राम सिंह महतो ने आपदा में अवसर तलाश लिया और अपने घर के अगल बगल की दर्जनों महिलाओं को प्रशिक्षित कर वे मछली का अचार बनाने लगे।

सड़क दुर्घटना में बीएमपी जवान सहित दो की मौत, चिकित्स व पुलिसकर्मी गंभीर रूप से जख्मी

दाउदपुर। छपरा-सिवान मुख्य मार्ग पर बेलदारी गांव के समीप कार एवं ट्रक के बीच हुई भीषण टक्कर में एक बीएमपी के जवान सहित चालक की घटनास्थल पर हीं दर्दनाक मौत हो गई। वहीं इस भीषण हादसे में कार पर सवार एक चिकित्सक एवं एक पुलिस कर्मी गंभीर रूप से जख्मी बताए जाते है। जिनका इलाज पटना में चल रहा है। मृतकों में घोरदी, खजुरिया जिला भोजपुर निवासी के रामेश्वर प्रसाद का 44 वर्षीय पुत्र बीएमपी का जवान कौशल कुमार प्रसाद एवं कार चालक आंदर सिवान निवासी 40 परमेश्वर प्रसाद शामिल हैं। जबकि जख्मी लोगों में गुदरी, छपरा निवासी स्व. मरई राम के पुत्र एवं सिवान के आंदर स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थापित प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अमृतेश कुमार एवं तेतरी, जिला रोहतास निवासी श्याम नारायण तिवारी के पुत्र संतोष तिवारी शामिल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार आंदर स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अमृतेश, दो पुलिस कर्मियों और चालक के साथ सोनपुर मेला से अपने हुंडई सिटी कार से लौट रहे थे। तभी छपरा सीवान-मुख्य मार्ग पर दाउदपुर थाना क्षेत अंतर्गत बेलदारी गांव के समीप एक लाइन होटल के पास तेज रफ्तार कार और ट्रक के बीच जबर्दस्त टक्कर हो गई। जिसमें बीएमपी जवान व चालक समेत सभी लोग गम्भीर रूप से जख्मी हो गए। घटना की सूचना मिलते हीं दाउदपुर थानाध्यक्ष नवलेश व एएसआई रंजीत कुमार कुछ पुलिस कर्मियों के साथ तुरंत मौके पर पहुंच गए। उसके बाद सभी लोगों को उपचार के लिए एकमा स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद दो लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि दो लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया। जहां से गम्भीर स्थिति को देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया। जिनकी हालत चिंताजनक बताई जाती है। वही पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेज दिया। उक्त भीषण हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए।

शहर स्वच्छ और सुंदर दिखे यही है मेरा प्रयास : नगर आयुक्त

छपरा । नगर आयुक्त के निदेर्शानुसार शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने को लेकर म्युनिसिपल चौक से थाना चौक तक सड़क के बीच बने लोहे की बार्केटिंग को सुंदर आकार देने का कार्य शुरू कर दिया गया है कनगर निगम के अनुसार लोहे के बने बार्केटिंग टूट जाने से शहर की सुंदरता खराब दिख रही है, नगर आयुक्त सुनील कुमार पाण्डेय शहर को बेहतर लुक दिखे इसके प्रति तत्पर है कजिसके लिए म्युनिसिपल चौक से थाना चौक तक सुंदर बनाने के लिए तिरंगा लाइट, रंग-बिरंगे फ्लावर के पेड़ - पौधा लगाने का काम शुरू हो गया है कजिला प्रशासन के आदेशानुसार नगर प्रशासन के सौजन्य से शहर के सभी रोड के साईड पेंटिंग कराया गया और बाकी जगह भी कराया जाना है कजिससे शहर का लुक बदलेगा कशहर स्वच्छ, स्वस्थ और सुन्दर दिखे इसके लिए नगर आयुक्त द्वारा शहर के चौक म्युनिसिपल चौक, थाना चौक एवं दरोगा राय चौक तक सौंदर्यगीकरण का कार्य कराया जा रहा है कजल्द ही भिखारी चौक का भी सौंदर्य का कार्य शुरू किया जायेगा ' नगर आयुक्त के अनुसार ठण्ड को देखते हुए पूर्व से ही अलाव जलाने को लेकर लकड़ी की व्यवस्था करा दी गई है कजैसे ही तापमान में गिरावट होंगी,सभी चिन्हित स्थलों पर अलाव की व्यवस्था करा दी जाएगी ' नगर आयुक्त ने कहा कि आश्रय विहिनो के लिए नगर निगम के द्वारा आश्रय स्थल में सारी सुविधाएं मुहैया करा दी गई है, और उसका संचालन भी सही तरीके से कराया जा रहा है कसभी आश्रय विहिनों के लिए कम्बल, बेड, चादर, मछरदानी, खाने के लिए भोजन,पीने के लिए आर. वो. का पानी, मनोरंजन के लिए टेलीवजन की व्यवस्था, सामाजिक सुरक्षा कोषांग के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत उपलब्ध कराया जाता है,एवं आयुष्मान कार्ड भी बनवाया गया है ।

संक्षिप्त खबरें

रोहतास में 10 मुखिया को राष्ट्रपति द्वारा सम्मान दिया गया

प्रातः किरण संवाददाता

सासाराम (रोहतास) । रोहतास में 10 मुखिया को राष्ट्रपति द्वार सम्मान दिया गया बता दे कि सम्मान मुखिया ने बहुत ही खुशी व्यक्त की है उनको कहा है कि जिस तरह से राष्ट्रपति द्वार सम्मान हुए हैं उससे बहुत सिख मिलती है और काम पैसे में किस तरह कार्य किया जाता है उनको कर कर दिखायाउन्हें यह भी कहना है कि जिस तरह से लगता है लोग कहते हैं कि कार्य कैसे होगा नहीं होगा लेकिन आज जो कार्य किया है उसे हम लोग आज खड़े उतारे हैं उन्हें कहें कि जिस तरह से लगते हैं पंचायत में लोक स्टार से लगता है हमारे द्वार कार्य किया जाता है इसे हमें सिखानाचाहिए कि किस तरह से कम पैसे में मनोज पासवान मुखिया, धर्मेन्द्र यादव सरपंच, सरोज कुमार, रामदुलार वार्ड, नन्हे पाण्डेय, मार्कण्डेय तिवारी, चंदेश्वर पासवान, रामलाल बिंद, विजय कुमार, इंदु पासवान, कमलेश पासवान, लीला यादव, मंटू कुमार, रंजीत पासवान, आदि थे।

अनुमंडल के नए भवन परिसर में औपचारिक तौर पर कार्य प्रारंभ

बिक्रमगंज(रोहतास) । आरा-सासाराम मुख्य मार्ग पर धावां पुल के समीप शुक्रवार को अनुमंडल कार्यालय के नए भवन परिसर में कार्य प्रारंभ हो गए । अनुमंडल कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार से औपचारिक तौर पर अनुमंडल कार्यालय,भूमि सुधार उपसमाहर्ता कार्यालय एवं अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी कार्यालय से संबंधित सभी कार्य शुक्रवार यानी आज से आरा-सासाराम मुख्य मार्ग पर धावां पुल के समीप स्थित नए भवन परिसर से कार्य को संपादित किया गया । इसकी जानकारी अनुमंडल पदाधिकारी अनिल बसाक ने दी ।

दानापुर-सिकंदराबाद एक्सप्रेस ट्रेन से गिरकर युवक घायल

आरा। दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर आरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर दो पर शुक्रवार की शाम दानापुर सिकंदराबाद एक्सप्रेस ट्रेन से गिरकर एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसके बाद जीआरपी पुलिस द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार घायल युवक मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महुली गांव निवासी अशोक शर्मा का 36 वर्षीय पुत्र अमित शर्मा है। इधर अमित शर्मा ने बताया कि वह शुक्रवार की सुबह पंडित दीनदयाल उपाध्याय (मुगलसराय) किसी काम से गया था। शुक्रवार की शाम जब वह दानापुर-सिकंदराबाद एक्सप्रेस ट्रेन पर सवार होकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय(मुगलसराय) से वापस आरा लौट रहा था। लौट के क्रम में जैसे ही ट्रेन आरा प्लेटफार्म नंबर दो पर पहुंची और वह ट्रेन से उतर रहा था।उसी दौरान वह ट्रेन से गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद या फिर पुलिस द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया।

सरदार रघुवंश नारायण सिंह का मनाया गया 121 वीं जयंती समारोह

आरा। सरदार रघुवंश नारायण सिंह जी का 121 वी जयंती समारोह धूमधाम से आर सरैया रोड पर पिपरा जयपाल में आयोजित की गई कार्यक्रम की अध्यक्षता भाई बरमेश्वर ने आयोजित किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मौर्य होटल पटना के डायरेक्टर बी डी सिंह ने नवनिर्मित भवन के प्रांगण में सरदार रघुवंश बाबू का आदम का प्रतिमा के लिए शिलान्यास एवं भूमि पूजन किया कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने सरदार रघुवंश बाबू के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया मंच का संचालन मृत्युंजय भारद्वाज ने किया प्रमुख वक्ता में महाराजा कॉलेज के पूर्व प्रचारक डॉक्टर प्रोफेसर ओम प्रकाश राय समाजसेवी भाई और गणेश अधिवक्ता शिवाजी सिंह अशोक सिंह लाल बाबू सिंह रवि नंद सिंह सत्येंद्र सिंह रामबली सिंह किशोर सोनी शिवजी यादव हरबंस सिंह शिवाजी सिंह उपेंद्र सिंह जितेंद्र सिंह आकाश सिंह कमलेश सिंह अगले अगले साल इस कार्यक्रम को धूमधाम से खेलकूद के माध्यम से संपन्न किया जाएगा।

जनता दरबार का किया गया आयोजन

कुल 87 आम नागरिकों से लोक साक्षात्कार किया गया

प्रातः किरण संवाददाता

सासाराम (रोहतास)। जिला पदाधिकारी, रोहतास के द्वारा शुक्रवार को जिला जनता दरबार का आयोजिन किया गया, जिमसें कुल 87 आम नागरिकों से लोक साक्षात्कार किया गया। उक्त जनता दरबार में उप विकास आयुक्त, रोहतास, सासाराम, अपर समाहर्त्ता-सह-अपर जिला दण्डाधिकारी एवं प्रभारी पदाधिकारी, जिला अनुश्रवण कोषांग-सह-महा प्रबंधक, जिला उद्योग, रोहतास एवं अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारियों के द्वारा भी भाग लिया गया। जिला जनता दरबार में आवेदिका किरण देवी पति- सुधीत कुमार, मुहल्ला-लश्करीगज (बांध), थाना/पो०-सासाराम, रोहतास के द्वारा खरीदगी जायदाद पर आनाधिकार बल प्रयोग अनाधिकृत व्यक्तियों के द्वारा कब्जा किये जाने हेतु आवेदन दिया गया जिस पर अनुमंडल पदाधिकारी, सासाराम को निदेशित किया गया। आवेदिका धनवरती देवी पति-स्व० लक्ष्मण सिंह, ग्राम-खुमार्बाद, थाना/अंचल-चेनारी के द्वारा भूमि-बंदोबस्ती हेतु आवेदन दिया गया जिस पर भूमि सुधार उप समहर्त्ता, सासाराम को अग्रेतर कार्रवाई हेतु निदेशित किया गया। इसी प्रकार आवेदक मो. समीर आलम, सदस्य सशक्त स्थायी समिति, नगर परिषद, वार्ड न. 20, डिहरी-डालमियानगर के द्वारा रामारानी बस स्टैण्ड डिहरी डालमियानगर पर अवैध रूप से एजेन्टो द्वारा रंगदारी वसूली से मुक्त कराने हेतु आवेदन दिया गया जिसे शीघ्र निष्पादन हेतु अनुमंडल पदाधिकारी, डिहरी (रोहतास) को निर्देशित किया गया। इसी के साथ आवेदक/आवेदिका-अनिल कुमार गुप्ता, चंचल कुमारी, दिनेश प्रसाद सिंहा आदि आवेदकों द्वारा विभिन्न समस्याओं हेतु आवेदन दिया गया जिसे शीघ्र निष्पादन हेतु अपने अपने विभाग को अग्रसारित किया गया तथा शेष सभी आवेदनों यथा भूमि विवाद /अतिक्रमण एवं भू-मापी आदि से संबंधित आवेदनों को संबंधित अनुमंडल पदाधिकारियों एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों को अविलंब आवश्यक कार्रवाई करते हुए निष्पादन हेतु भेजा गया।

प्राथमिक विद्यालय, रामगढ़ में मध्याह्न भोजन करने के उपरान्त 17 बच्चों की तबीयत हुई खराब

प्रातः किरण संवाददाता

बच्चों को ईलाज के लिए तुरन्त अनुमण्डलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। अवर निर्वाचन पदाधिकारी, डिहरी द्वारा अनुमण्डलीय अस्पताल में जाकर बच्चों का हाल-चाल लिया

डेहरी (रोहतास) । सूचना प्राप्त हुयी कि डिहरी प्रखण्ड के प्राथमिक विद्यालय, रामगढ़ में मध्याह्न भोजन करने के उपरान्त 17 बच्चों की तबीयत खराब हो गयी।जिसकी सूचना मिलते ही तत्काल अंचलाधिकारी, डिहरी एवं थानाध्यक्ष, डिहरी मुफस्सिल विद्यालय पहुंचे। जिसके समुचित ईलाज हेतु तुरन्त अनुमण्डलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। अवर निर्वाचन पदाधिकारी, डिहरी द्वारा अनुमण्डलीय अस्पताल में जाकर बच्चों का हाल-चाल लिया गया।

वहां उपस्थित अनुमण्डल अस्पताल के अस्पताल प्रबंधक द्वारा सभी बच्चों की तबीयत अच्छी होने की बात कही गयी। अवर निर्वाचन पदाधिकारी, डिहरी द्वारा डॉक्टर की टीम को बच्चों पर नजर रखने की सलाह दी गयी। अनुमण्डल पदाधिकारी, डिहरी के विद्यालय पहुंचने पर सभी बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी ली गयी। उपस्थित ग्रामीणों से प्राप्त आवेदन को अग्रेत्तर कार्रवाई करने हेतु जिला शिक्षा पदाधिकारी, रोहतास को तत्काल अग्रसारित कर दिया गया।

अनुमण्डल पदाधिकारी, डिहरी द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी, रोहतास से जानकारी प्राप्त की गयी, जिसमें जिला शिक्षा पदाधिकारी, रोहतास द्वारा बताया गया कि उक्त मामले में कमिटी गठित करते हुए जाँच करायी जाएगी एवं जाँचोपरान्त दोषियों के विरूद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

छेड़खानी व मारपीट करने के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

काराकाट (रोहतास)। काराकाट थाने क्षेत्र के एक गांव में एक लड़की के साथ मारपीट व छेड़खानी करने का असफल प्रयास की मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद जेल भेज दिया । पीड़िता ने थाने में लिखित शिकायत कर अपने ही पड़ोसी पर आरोप लगाकर नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उसने बताया कि अपने घर में नाश्ता बना रही थी की अचानक नामजद आरोपी ने उसके घर में चुपके से घुसकर बुरी नीयत से छेड़खानी करने की प्रयास करने लगा ।

जब मैं उसका विरोध की तो भद्दी-भद्दी गाली देने लगा और झोटा पकड़ के पटक दिया और बेरहमी से घसीट-घसीट कर मुझे पीटा जिससे मैं बेहोश हो गई। होश आने पर काराकाट एचएचसी में इलाज कराया और थाने में आवेदन दिया। थानाध्यक्ष ने बताया की मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपित जोरावरपुर गांव निवासी फरीद खान के 20 वर्षीय पुत्र शफीक खान है।

बदमाशों ने 3 जवानों पर हमला कर किया घायल, जवान का पिस्टल छीना, दो गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । आरा-मोहनिया नेशनल हाईवे पर गुरुवार की रात क्रॉस मोबाइल के तीन जवान के साथ जियो पेट्रोल पंप पर मौजूद बदमाशों ने मारपीट की। मारपीट के दौरान तीनों जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसमें से एक की हालत गंभीर है। घटना के बाद बदमाशों ने एक जवान का सर्विस पिस्टल भी छीन लिया।

घटना के दौरान मौजूद लोगों की मदद से जवानों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। सूचना मिलते ही मौके से पर पहुंची पुलिस टीम ने दो बदमाश को गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही जगदीशपुर सीडीपीओ राजीव चंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर अन्य बदमाशों की गिरफ़्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।इस संबंध में जवानों ने बताया गया है कि गुरुवार की रात क्रॉस मोबाइल जवान रात्रि गश्ती के लिए जियो पेट्रोल पंप पर गए थे। जहां कुछ बदमाश पहले से मौजूद थे। किसी बात को लेकर कहासुनी हुई और बदमाश मारपीट करने लगे। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने संदिग्धों का वीडियो बनाने लगे। जिसके बाद बदमाशों ने अपने अन्य साथियों को फोन कर बुलाया और तीनों जवानों पर हमला कर दिया।मारपीट के दौरान बदमाश ने एक जवान का सर्विस रिवाल्वर छीनकर उसी के सिर पर जोर से मार दिया। जिससे उसका सिर फट गया और गंभीर चोट आई। इसके अलावा दो जवान भी इस हमले में मामूली रूप से जख्मी हो गए।

श्री मौनी बाबा की मनाई गई 71 वीं पुण्यतिथि

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) : स्थानीय शहर के नासरीगंज-डिहरी मुख्य मार्ग पर नया बस पड़ाव के सामने श्री मौनी बाबा मंदिर परिसर में श्री मौनी बाबा की 71 वीं पुण्यतिथि उनके परम शिष्य श्री श्री 108 श्री गिरवर लाल दास जी महाराज के सानिध्य में मनाई गई । सर्वप्रथम श्री मौनी महाराज जी के प्रतिमा समक्ष आचार्य उग्रसेन उपाध्याय द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ स्वस्तिवाचन करते हुए पूजन अर्चन की गई । तत्पश्चात महाराज जी की महाआरती भी की गई । पूजन अर्चन के उपरांत श्री श्री 108 श्री गिरवर लाल दास जी महाराज ने श्री मौनी जी महाराज के जीवन वृतांत के बारे में बताया । साथ ही साथ पूजन अर्चन संपन्न होने के उपरांत भंडारे का आयोजन किया गया । जिसमें हजारों श्रद्धालु भंडारा में शामिल होकर महाप्रसाद ग्रहण किया । मौके पर डॉ नागेंद्र झा महिला महाविद्यालय बिक्रमगंज के संस्थापक सचिव सह भारतीय जनता पार्टी के वरीय नेता डॉ बलिराम मिश्रा , प्राचार्य डॉक्टर अमरेंद्र मिश्रा, अखिलेश्वर तिवारी उर्फ श्रीधर तिवारी ,रंजीत चौबे ,अरविंद सिंह ,नंदजी चौबे ,मोहन साह,रंजीत सिंह, बिंदु सिंह , प्रियंका देवी,शशि प्रभा चौबे ,शोभा देवी सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे ।

किसान का बेटा बना इंडिगो विमान कंपनी में पायलट

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) । उड़ान पंखों से नहीं, बल्कि होंसलों से होती है ये साबित कर दिखाया है । राजपुर प्रखंड क्षेत्र के धोबडीहा गांव निवासी किसान पिंकू सिंह के बेटे आदित्य कुमार ने ।आदित्य ने इंडिगो विमान कंपनी में पायलट बन धोबडीहा गांव ही नहीं बल्कि प्रखंड का भी नाम रौशन किया है । आदित्य की प्रथम शिक्षा डेहरी ऑन सोन जेम्स इंग्लिश स्कूल में हुआ । वही अपने लक्ष्य की खोज के बदलें में पढ़ाई के लिए दिल्ली चला गया ।कई सालों की काफी मेहनत बाद आज उन्होंने इंडिगो एयर में पायलट बनकर परिवार का नाम रौशन किया है । जानकारी के मुताबिक आदित्य के पिता एक किसान हैं । मां रिंकी देवी एक कुशल गृहिणी हैं । मां रिंकी देवी राजपुर प्रखंड के पूर्व प्रमुख भी रह चुकी हैं । आदित्य ने बताया कि मेरा परिवार मेरी ताकत है । पिता जी एक किसान है । पिता जी दिन रात कठिन मेहनत से दो रुपया कमाकर हमारा हर अरमान पूरा किए है । मामा मुकुल चौधरी इन लोगों ने हमे मंजिल तक पहुचाने में प्रत्येक मोड़ पर साथ दिया है । उन्होंने छात्र-छात्राओं को संदेश दिया कि परिश्रम के उपरांत कोई भी कार्यों का रिजल्ट बेहतर होता है । आप लोग असफलता पर घबराए नहीं क्योंकि मैं चौबीस घंटा में बारह घंटे की नियमित अध्ययन करता था । तब जाकर आज हमें मंजिल मिला है ।आप लोग पढ़ते समय कांसेप्ट को क्लियर करते चले और प्रत्येक प्रश्न पर फोकस करते रहिए । आप लोग निरंतर परिश्रम कीजिए सफलता निश्चित मिलेगी । वही उक्त गांव निवासी कौशल राय, योगेंद्र तिवारी, अमित ,अमरेंद्र तिवारी , अलगु राय, सत्येंद्र तिवारी , संजय तिवारी, सोनु तिवारी, ऋषि, प्रेम, विकास तिवारी, सूरज तिवारी समेत अन्य लोगों ने आदित्य को बधाई दी है ।

जिले के 23 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण सम्पन्न हुयी 70 वीं बीपीएससी परीक्षा, 3879 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

प्रातः किरण संवाददाता

बक्सर :बिहार लोक सेवा आयोग, पटना द्वारा आयोजित एकीकृत 70 वीं बीपीएससी परीक्षा शुक्रवार को जिले के 23 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्वक संपन्न हुयी। परीक्षा में कुल 11460 परीक्षार्थियों में 3879 अनुपस्थित रहे जबकि 7581 शामिल हुए। जिला मुख्यालय में कुल 20 केंद्र बनाये गए थे जबकि 3 परीक्षा केंद्र डुमरांव में बनाये गये थे।

परीक्षा के सफल आयोजन एवं विधि व्यवस्था संधारण हेतु शुक्रवार को डीएम अंशुल अग्रवाल एवं एसपी शुभम आर्य के द्वारा संयुक्त रूप से विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान बिहार लोक सेवा आयोग, पटना द्वारा आयोजित एकीकृत 70वीं संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगिता परीक्षा का बक्सर जिला अंतर्गत सभी 23 परीक्षा केंद्रों पर स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त परीक्षा संपन्न हुई। डीएम ने शहर के संत मेरी उच्च विद्यालय, नई बाजार, एम.भी. कॉलेज चरित्रवन एवं एमपी हाई स्कूल रामरेखा घाट का निरीक्षण किया गया।

केन्द्राधीक्षक, वीक्षक, दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों को पूरी सतर्कता के साथ बिहार लोक सेवा आयोग के द्वारा निर्गत निदेशों का अक्षरशः अनुपालन करने का निर्देश दिया गया। साथ ही उक्त परीक्षा को स्वच्छ, निष्पक्ष, भयमुक्त, कदाचार मुक्त वातावरण में परीक्षा का आयोजन कराने हेतु निर्देश दिया गया। दण्डाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि परीक्षा से संबंधित को छोड़कर किसी भी अन्य व्यक्ति को परीक्षा केन्द्र के परिसर में प्रवेश नहीं करने दिया जाय।

टीकाकरण अभियान को लेकर स्वास्थ्यकर्मियों ने गुलजार मोहल्ला में निकाली जागरूकता रैली

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास) । बिक्रमगंज नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत गुलजारबाग मोहल्ला में टीकाकरण अभियान को लेकर स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा शुक्रवार को जागरूकता रैली निकाली गई । जागरूकता रैली का आयोजन बिक्रमगंज पीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सौरभ प्रकाश के नेतृत्व में की गई । रैली का आयोजन गुलजारबाग मोहल्ला के सीफा हॉस्पिटल से शुरूआत की गई । तत्पश्चात उक्त स्थल से टीकाकरण को लेकर जागरूकता रैली गुलजारबाग , सामुदायिक सामुदायिक भवन, कश्मीरी मस्जिद,पीरी मोहल्ला से होते हुए सीफा अस्पताल पर आकर संपन्न हुई । रैली में एएनएम स्कूल की छात्रा, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक बिक्रमगंज अशोक कुमार , प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक सूर्यपुरा मोहम्मद इरफान खान,पीरामल फाउंडेशन जिला प्रोग्राम लीडर कुश कुमार,प्रखंड सामुदायिक मोबिलाइजर अनीश नारायण ,राजीव कुमार ,अर्पण कुमार पट्टीदार ,राजू सिंह , डॉ आजाद ,आशा कर्मी एवं आशा फैसिलिटर द्वारा गांव में टीकाकरण के लिए जन जागरण को लेकर टीकाकरण के लिए जागरूक किया गया । साथ ही साथ सभी वार्ड वासियों को यह भी बताया गया कि आज सामुदायिक भवन गुलजारबाग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिक्रमगंज द्वारा निःशुल्क टीकाकरण कैंप का आयोजन किया जाएगा । जिसमें सभी बच्चे एवं गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण किया जाएगा । साथ ही योग्य लाभार्थियों को निःशुल्क जांच और दवा वितरण की जाएगी । मौके पर सीफा अस्पताल के डॉक्टर अकील अहमद , अयूब खान की सराहनीय भूमिका रही । इसकी जानकारी बिक्रमगंज पीएचसी स्वास्थ्य प्रबंधक अशोक कुमार ने दी ।

विद्युत विभाग ने मील संचालक पर लगाया 4.43 लाख रुपए का जुमार्ना

बिक्रमगंज(रोहतास) । बिक्रमगंज नगर परिषद बिक्रमगंज अंतर्गत गुलजारबाग मोहल्ला स्थित मील संचालक पर एसटीएफ के नेतृत्व में दंडित राशि लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है । बताते चलें कि वार्ड 27 स्थित असलम हुसैन पिता कुर्बान हुसैन के आटा चक्की परिसर का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि इनके परिसर में पूर्व से विद्युत सम्बन्ध है,जिसका उपभोक्ता संख्या 108532855 है ।परंतु उक्त उपभोक्ता द्वारा मीटर से पहले मुख्य सर्विस तार में कटिंग कर अतिरिक्त तीन फेज तार जोड़कर मीटर को बाईपास करते हुए अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा की चोरी की जा रही थी । जिससे की वास्तविक मान पठन अवरूद्ध हो रहा था । अभिनिर्धारण पदाधिकारी सह सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार द्वारा बताया गया कि उपरोक्त उपभोक्ता के प्रत्येक माह का खपत जीरो यूनिट था तथा परिसर में लगे तीन फेज का मीटर प्रीपेड मोड से विच्छेदित प्रदर्शित हो रहा था । इनके इस कृत्य से साउथ बिहार पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड पटना को 4 लाख 43 हजार 059 रुपए के राजस्व की क्षति हुई है । जांच दल एसटीएफ के सहायक अभियंता समरजीत कुमार, जेई बिक्रमगंज नवदीप गोयल, जेई दिनारा बिकाश कुमार सहित अन्य कर्मी उपस्थित थें ।

संपत्ति विवाद को लेकर सगे भाइयों की पिटाई,जख्मियों का आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है इलाज

आरा। जिले के धोबहा थाना क्षेत्र के शुक्लपुरा गांव में शुक्रवार के शाम संपत्ति बंटवारे के विवाद को लेकर सगे भाइयों की पिटाई कर दी गई।जिससे तीनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार जख्मियों में धोबहा थाना क्षेत्र के शुक्लपुरा गांव निवासी स्व.राम प्रवेश शुक्ला के 34 वर्षीय पुत्र मनीष शुक्ला,32 वर्षीय पुत्र अनु शुक्ला एवं 50 वर्षीय टुनटुन शुक्ला शामिल है। इधर अनु शुक्ला ने बताया कि उन लोगों का पैतृक घर शुक्लपुरा गांव में है। लेकिन उन्होंने गजियापुर गांव में भी अपना घर बनाया है और वे लोग वहीं रहते हैं। बड़े भाई से कुछ महीनों से संपत्ति बंटवारे को लेकर विवाद चला आ रहा है। शुक्रवार की शाम जब वह तीनों भाई अपने गांव गजियापुर से शुक्लपुरागांव गए। तभी उनके बड़े भाई से कहासुनी हुई। जिससे तीनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। वहीं दूसरी तरफ अनु शुक्ला ने अपने बड़े भाई निकू शुक्ला व उनके बेटे चंदन शुक्ला सहित उनके परिवार वालों पर खुद को फसुली व अपने दोनों भाइयों को लाठी-डंडों से मारकर जख्मी करने का आरोप लगाया है. बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

कबड्डी टीम को किया गया रवाना

छपरा कार्यालय।बिहार राज्य कबड्डी संघ के तत्वावधान में जुनियर बालिका कबड्डी प्रतियोगिता जो सीतामढी जिला कबड्डी संघ के द्वारा सितामढी स्टेडियम डुमरा में दिनांक 14 दिसंबर से 17 दिसंबर तक आयोजित हैं जिसमें सारण जिला कबड्डी संघ अपना बालिका कबड्डी दल शुक्रवार को छपरा ज0 से रवाना किया। कबड्डी दल में बुची कुमारी, प्रियंका कुमारी, अनुष्का कुमारी,अंजू कुमारी,आरती कुमारी, चांदनी कुमारी,वैभवी कुमारी, सुप्रीया कुमारी,प्रिया कुमारी,निशा कुमारी,पालक राज ऐवं अनुष्का कुमारी,टीम कोच-रोहित कुमार सिंह, टीम मैनेजर -राज कुमार सिंह। उक्त अवसर पर संरक्षक - सुरेश प्रसाद सिंह, सभापति बैठा,सचिव-पंकज कश्यप, सुशील कुमार सिंह, राकेश कुमार सिंह,सुरज कुमार आदि उपस्थित थे।

बिस्कोमान प्रतिनिधि चुनाव संपन्न, पुन सत्येन्द्र चुनें गए

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । बिस्कोमान प्रतिनिधि चुनाव आज जिला सहकारिता पदाधिकारी के निर्देशन में आज कोऑपरेटिव बैंक आरा के सभाकक्ष में संपन्न हुई । जिसमें आज सभी नौ प्रतिनिधि का निर्वाचन संपन्न हुआ । जिसमें वर्ग ए स्पेशल से अभिजीत कुमार, वर्ग ब से प्रेम कुमार सिंह निर्विरोध चुने गए । वर्ग ए से मतदान उपरान्त सत्येंद्र नारायण सिंह, त्रिवेणी प्रसाद सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, वाल्मीकि सिंह , राणा प्रताप सिंह , ओम प्रकाश सिंह , विमलेश कुमार सिंह चुने गए । निर्वाचन होने पर निर्वाचन पत्र प्रदान किए गए । सभी प्रतिनिधियों का निर्वाचन होने पर, बिहार ग्रैपलिंग संघ के हरि ओम उत्तम समेत आरा बक्सर जिले के सभी पैक्स अध्यक्ष एवं व्यापार मंडल प्रतिनिधियों ने अपनी बधाई दी है।

निशि कुमारी ने नेशनल जूनियर एथलेटिक्स 2024 में गोल्ड मेडल जीतकर बिहार का नाम किया रोशन

प्रातः किरण संवाददाता

तिलौथू(रोहतास) । भुवनेश्वर में आयोजित 39वें नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 में बिहार के तिलौथू स्थित राधा शांता महाविद्यालय की पूर्व छात्रा निशि कुमारी ने हेप्टाथलॉन में गोल्ड मेडल जीतकर न केवल अपने महाविद्यालय बल्कि पूरे बिहार का नाम रोशन किया है ।निशि ने सात प्रकार के एथलेटिक्स खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल हासिल किया। उनका यह प्रदर्शन खेल के प्रति उनकी मेहनत और लगन का प्रमाण है ।निशि राधा शांता महाविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई कर रही हैं। इसके साथ ही वह महाविद्यालय स्थित इग्नू अध्ययन केंद्र की भी छात्रा हैं। वर्तमान में निशि बिहार सरकार के पशुपालन विभाग में खेल कोटा के तहत नौकरी कर रही हैं।13 दिसंबर, शुक्रवार को निशि के राधा शांता महाविद्यालय पहुंचने पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार सिंह ने उनका भव्य स्वागत किया। उन्हें अंगवस्त्र, शॉल और महाविद्यालय की पत्रिका भेंट कर सम्मानित किया गया।

श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की तैयारी पूरी, कल निकलेगी भव्य जलयात्रा

प्रातः किरण संवाददाता

काराकाट (रोहतास) : काराकाट नगर पंचायत के बाद गांव के उत्क्रमित मध्य विद्यालय के समीप में होने वाले 25 कुंडीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की सभी तैयारी पूरी कर ली गयी है। श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज के सानिध्य में होने वाले महायज्ञ अनुष्ठान में देश के विभिन्न धर्म स्थलों से साधु, संत महात्मा व विद्वान प्रवचनकर्ता भाग होंगे। महायज्ञ की शुरूआत शुक्रवार 13 दिसंबर से भागवत कथा का प्रारंभ किया गया। जिसमे प्रथमदिन भागवत कथा सुनने के लिए भक्तों की भारी भीड़ दिखी। शोभा यात्रा 15 दिसंबर को होगी। शोभा यात्रा यज्ञ स्थल से शुरू होकर कंचनपुर टोला से गोडारी एनएच 120 मुख्य पथ के रास्ते बहुआरा काली मंदिर परिसर में स्थित कुआ से कलश में जल भरकर कंधबहुआरा के रास्ते पुनः यज्ञ स्थल पर पहुंचेगी। बताया गया की जलयात्रा काफी भव्य व आकर्षक निकलेगी। जलभरी यात्रा में माथे पर कलश लेकर काफी संख्या में महिला-पुरूष श्रद्धालु भाग लेंगे। साथ ही गाजेबाजे के साथ हाथी, घोड़ा, ऊंट व वाहनों का लंबा काफिला शामिल रहेगा। अनुष्ठान की पूणार्हुति 20 दिसंबर को होगी।

यज्ञ आयोजन समिति में अध्यक्ष राम विनोद मिश्रा, उपाध्यक्ष नंदबेस्व मिश्रा, कोशाध्यक्ष बृजबिहारी मिश्रा, महासचिव अवधबिहारी मिश्रा, सचिव उमाकांत मिश्रा, संयोजक शंभु सरण मिश्रा, दिनेश मिश्रा , कृष्णकांत मिश्रा, श्यामसुंदर मिश्रा, विनय मिश्रा, विश्वमित्र मिश्रा, निखिल मिश्रा, कृष्ण मिश्रा,अमित मिश्रा, धीरज मिश्रा, प्रेमनारायण मिश्रा, मुक्ति नारायण मिश्रा, वीरेंद्र कुशवाहा, पिंटू, मनोज कुमार सहित लगभग 100 कार्यकर्ता की टीम शामिल है। समिति की तरफ से मिलीं जानकारी के अनुसार यहां जीयर स्वामी जी महाराज का आगमन 14 दिसंबर की देर शाम में होगा। इस दौरान स्वामी जी महाराज के अतिरिक्त अन्य साधु-संतों का आगमन होगा। साथ ही प्रवचन समेत अन्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। महायज्ञ के लिए नगर पंचायत के बाद गांव के उत्क्रमित मध्य विद्यालय की समीप भव्य यज्ञ मंडप का निर्माण पूरा कर लिया गया है। साधु-संतों व श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए जगह-जगह आकर्षक तोरण द्वार बनाए गए है।

संत-महात्माओं के ठहरने के लिए अलग टेंट रहेगा:

महायज्ञ में आने वाले संत महात्माओं के ठहरने लिए अलग व विशेष प्रकार के टेंट लगाए गए है। इसमें काफी संख्या में संत महात्मा ठहर सकेंगे। दूरदराज से आने वाले भक्तों व अतिथियों के लिए रहने व खाने-पीने की व्यवस्था की गयी है। महायज्ञ में बड़ी संख्या में लोगों के आने की उम्मीद है। इसको देखते हुए यज्ञ समिति ने यज्ञ क्षेत्र को कई किलोमीटर के दायरे में विस्तार किया गया है। गाड़ियों की पार्किंग की भी व्यवस्था की गयी है।

बढ़ती ठंड से बचने के लिए वितरित किया गया कंबल

प्रातः किरण संवाददाता

शेरघाटी।थाना क्षेत्र के कचौड़ी पंचायत स्थित नयन बिगहा गांव के स्थानीय खेल मैदान में 14 वार्डों के अक्षम, बेबस, लाचार, असहायों के बीच कंबल वितरण किया गया।

मगध प्रमंडल पैक्स अध्यक्ष सह मुखिया संघ जिला अध्यक्ष सीता राम यादव ने बताया कि 13 वार्डों के लगभग 7 सौ लोगों के बीच कंबल वितरण के बाद कहा कि पूरे प्रखंड के गरीबों के बीच एक सप्ताह के भीतर वितरण का काम पूरा कर लिया जाएगा। इस मौके पर स्थानीय लोगों ने वितरण में सहयोग किया।

काफी संख्या में लोगों को जुट जाने के कारण कुछ लोग वापस भी लौट गए। ग्रामीणों ने कहा कि दो दिन पहले ही पंचायत में गरीब परिवार के असहाय लोगों को चिन्हित कर लिया गया था।

चिन्हित सूची के अनुसार वितरण किया गया। बाद में कुछ अधिक लोग आ गए जिसमें से कुछ लोग को वापस जाना पड़ा। उन्हें भी चिन्हित करने का काम करके जरूरत मंद को कंबल मुहैया कराया जाएगा।

बीईओ फूलसाधार प्राथमिक विद्यालय के निरीक्षण में पाई कई अनियमितता

कार्रवाई को लेकर डीईओ को लिखूंगा पत्र:बीईओ

प्रातः किरण संवाददाता

कुर्था (अरवल) स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय फूलसाथर में बुधवार को प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी परमानंद पासवान ने विद्यालय का औचक निरीक्षण किया निरीक्षण के क्रम में विद्यालय में कई प्रकार की अनियमितता पाई उन्होंने कहा कि विद्यालय के प्रधानाध्यापक की लापरवाही एवं गैर जिम्मेदाराना हरकत के वजह से विद्यालय में कई प्रकार के घोर अनियमितता पाई गई है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के निर्देश पर इ शिक्षा कोष पोर्टल पर 75 फीसदी बच्चों की एंट्री होनी चाहिए लेकिन एंट्री बिल्कुल शून्य है वही उन्होंने कहा कि निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि विद्यालय में नामांकित बच्चों की संख्या 248 है जबकि बुधवार को महज 60 बच्चे ही उपस्थित हैं उन्होंने बताया कि वर्ग एक में 43 बच्चे नामांकित है जबकि 23 उपस्थित, वर्ग 2 में 46 बच्चे नामांकित है 12 उपस्थित, वर्ग 3 में 32 बच्चे नामांकित है 5 उपस्थित, वर्ग 4 में 40 बच्चे नामांकित हैं 4 उपस्थित, वर्ग 5 में 87 बच्चे नामांकित हैं 16 उपस्थिति इस प्रकार उन्होंने कहा कि विद्यालय में शिक्षक की संख्या 9 है जिसमें 7 शिक्षक उपस्थित है दो सी एल पर थे वहीं उन्होंने कहा कि विद्यालय जांच के क्रम में न तो हमें एमडीएम रजिस्टर मिला और नहीं अंडा / फल का कोई रजिस्टर प्रधानाध्यापक द्वारा दिया गया वही उन्होंने विद्यालय के अभिलेखों का संधारण भी त्रुटिपूर्ण एवं अप्राप्त बताया है।

उन्होंने कहा कि उक्त विद्यालय में भवन निर्माण के बाद भी बच्चों को जर्जर खपड़े वाले भवन में पढ़ाया जा रहा था जिसमें कभी भी कोई अप्रिय घटना घट सकती है इन सारी बातों को लेकर विद्यालय के प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया गया उन्होंने कहा कि एमडीएम में प्राप्त चावल आपूर्ति का भी सही आकलन नहीं हो पाया है जिससे स्पष्ट होता है कि कहीं न कहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक विद्यालय बीतीय अनियमित में भी संलिप्त हैं उन्होंने कहा कि इन सारे मामलों को लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी को कार्रवाई के लिए लिखूंगा।

असामाजिक तत्वों ने तीन बीघा धान के फसल में लगाई आग, लाखों की संपत्ति राख

बटाई पर लेकर खेती का कार्य करते थे सरोज चंद्रवंशी

प्रातः किरण संवाददाता

कुर्था (अरवल) स्थानीय थाना क्षेत्र के सचई मठिया गांव के बधार में रखे तीन बीघा धान के फसल में बीती रात असामाजिक तत्वों ने आग लगा दी जिससे लगभग लाखों रुपए की संपत्ति जलकर पूरी तरह से राख हो गए प्राप्त जानकारी के अनुसार सचई मठिया गांव निवासी सरोज चंद्रवंशी जिनके खेतों में धान की कटाई चल रहा था और तीन बीघे की धान की फसल काटकर खेत में रखी हुई थी जिसे बीती रात असामाजिक तत्वों ने आग लगा दी। हालांकि देर रात जब आग की लपेट उठने लगी तो ग्रामीण दौड़कर उक्त खेत में पहुंचे तब तक धान के फसल जलकर पूरी तरह से खाक हो गए थे इस बाबत सरोज चंद्रवंशी ने बताया कि किसी तरह बटाई पर खेत लेकर खेती का कार्य करता था जिससे परिवार का जीवकोपार्जन होता था इस वर्ष तीन बीघे में धान की फसल लगाई थी हालांकि फसल काफी बेहतरीन था खेत में धान की कटाई का कार्य चल रहा था धान काट कर खेत में ही रखा हुआ था तभी बीती रात अज्ञात अपराधियों ने हमारे धान के खेत में रखे धान के बोझ में आग लगा दी उन्होंने बताया कि जले हुए धन की कीमत लगभग दो लाख रुपए की है जो पूरी तरह से नष्ट हो गए अब मेरा परिवार दाने-दाने को मोहताज हो गया वहीं उन्होंने बताया कि अभी खेत वाला का पैसा भी नहीं दे पाया हूं उसके अलावा खाद बीज का भी बकाया मेरे ऊपर है ऐसे में धान में आग लग जाने के वजह से हम लोग मानो पूरी तरह से दाने दाने को मोहताज हो गए उन्होंने कहा कि उक्त मामले को लेकर स्थानीय थाने में व अंचलधिकारी को आवेदन के माध्यम से सूचित कर दिए हैं।

डीएम ने पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को मेडल व प्रशस्ति पत्र से किया सम्मानित

दिल्ली पब्लिक स्कूल के निदेशक समेत अन्य लोग दी शुभकामनाएं

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल डीएम कुमार गौरव ने पंजाब और हरियाणा में खेले गए राष्ट्रीय सेस्टोबॉल प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। दिल्ली पब्लिक स्कूल के स्पोर्ट्स टीचर सूरज कुमार अपने खिलाड़ियों के साथ अरवल समाहरणालय पहुंचे जहां स्पोर्टस शिक्षक सूरज कुमार के द्वारा जिला पदाधिकारी कुमार गौरव को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किए। डीएम कुमार गौरव ने दिल्ली पब्लिक स्कूल के सेस्टोबॉल के सभी खिलाड़ियों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किए। गौरतलब है किछठवे जूनियर एवं सीनियर सेस्टो बॉल चैंपियनशिप का आयोजन पंजाब के सुनाम में आयोजन किया गया था,जिसमें देश अनेकों राज्य के खिलाड़ी भाग लिया, जिसमें बिहार के जूनियर गर्ल्स में पंजाब और बिहार के बीच एक जबरदस्त सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया जिसमें बिहार का टीम ने दो पॉइंट से पीछे रह गया इसके वजह से बिहार के गर्ल्स टीम ने थर्ड प्लेस लाया और बिहार का नाम रोशन किया , दिल्ली पब्लिक स्कूल के निर्देश धर्मेंद्र कुमार, समाजसेवी विक्रम सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सुधीर शर्मा में बधाई देते हुए कहा कि हमारे छोटे से जिले में बिहार का नाम रोशन किया। पंजाब और हरियाणा में सेस्टो बॉल मैं खेलने के बाद सभी खिलाड़ियों को दिल्ली पब्लिक स्कूल में सम्मानित करते और उनके साथ गेटूगेदर पार्टी का आयोजन किया गया।

सड़क हादसे में मृतक के परिजनों से मिले सत्येंद्र कुमार राय

भाजपा जिलाध्यक्ष के चाचा की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल। भाजपा के कोसी प्रमंडल के क्षेत्रीय सह प्रभारी सत्येंद्र कुमार राय ने अरवल जिला के ग्राम सकरी मसूदा के एक ही परिवार के 13 लोग शादी में शामिल होने जा रहे थे तभी सड़क दुर्घटना में दो लोगों का मृत्यु हो गया था और 11 लोग घायल हो गए थे जिनका का इलाज पीएमसीएच में चल है। बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच सुप्रीमटेंडेंस से सत्येंद्र कुमार राय बात कर सभी को समुचित इलाज करने के लिए बात की और उनके घर जाकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उसके बाद सत्येंद्र कुमार राय ने भाजपा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी चाचा मृत्यु हो गया था उनके घर जाकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए भगवान से प्रार्थना किया की पुण्य आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें उनके साथ भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष अजय पासवान भाजपा जिला मंत्री टोनू कुमार मिश्रा युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष विकास कुमार यादव अरवल ग्रामीण मंडल महामंत्री रामकुमार तिवारी भाजपा वरिष्ठ नेता डॉ अनिल कुमार यादव मौजूद थे

अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर काल्पनिक आपातकालीन अभ्यास किया गया

गया। डीजीसीए , भारत सरकार के प्रावधानों के आलोक में गया हवाई अड्डा, गया पर दिनांक 13/12/2024 को अपराह्न के 2.30 बजे पूर्ण पैमाने पर काल्पनिक आपातकालीन अभ्यास किया गया है। इसमें विमान दुर्घटना उपरांत यात्रियों के सुरक्षित बचाव, जरूरतमंद यात्रियों को चिकित्सकों की टीम द्वारा परीक्षण तथा अग्निशमन विभाग द्वारा ससमय आग पर काबू पाने से संबंधित अभ्यास किया गया है। इस आपातकालीन अभ्यास के दौरान बंगजीत साहा, विमानपत्तन निदेशक, श्री सर्वेश सिंह, कासो, सी.आई.एस.एफ, प्रभात कुमार, सिविल सर्जन, गया, डॉ राकेश अहलूवालिया, डॉ विकास सिंह, अर्श सुपरस्पेसियलिटी अस्पताल, अवधेश कुमार, उपमहाप्रबंधक एटीसी, अविनाश एम.वी. सोरेग, उपमहाप्रबंधक संचार, जीतेश कुमार, इंस्पेक्टर, एन डी आर एफ., ए.सी.बोरो, प्रभारी अग्निशमन के अलावे विभिन्न स्टेकहोल्डर ने बढ़-चढ़कर भाग लिया है। इस दौरान विमानपत्तन निदेशक ने बताया गया है इस आपालकालीन अभ्यास डी. जी.सी.ए. द्वारा जारी प्रावधानों के अनुरूप दो वर्ष में एक बार किया जाता है एवं इस प्रकार के अभ्यास इसलिए किए जाते हैं ताकि ऐसी स्थिति होने पर होने वाली चुनौतियों का सामना सुगमता से किया जा सके। इस तरह के अभ्यास से कार्मिक की दक्षता का परीक्षण एवं एजेंसियों को उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया जाता है। अभ्यास उपरांत विभिन्न लोकेशन पर प्रतिनियुक्त पर्यवेक्षकों द्वारा होने वाली समस्याओं से अवगत कराया गया है जिससे आगामी अभ्यास में इसे दूर किया जा सके। इस अवसर पर अर्श अस्पताल से आये चिकित्सकों की टीम द्वारा भी महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये जिसपर आश्वासन दिया गया कि भविष्य में इसे दूर करने का प्रयत्न किया जायेगा। अंत में विमानपत्तन निदेशक द्वारा अभ्यास में भाग लेने वाले सभी महत्वपूर्ण एजेंसियों को धन्यवाद दिया गया है।

किट ला स्कूल के डायरेक्टर द्वारा शीतल शांडिल्य को बेस्ट स्टूडेंट का मिला सार्टिफिकेट

गया। भारत में एक स्थान रखने वाले किट ला स्कुल के द्वारा गया के टेकारी विधानसभा के कोंच की रहने वाली भाजपा के महिला मोर्चा की पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ0 शालिनी एवं शिक्षाविद श्रवण नारायण शांडिल्य के पुत्री को किट ला स्कूल के अच्छे एटेंडेंस और अच्छे व्यवहार और डिस्पीलिन के कारण साल का वेस्ट स्टुडेंट का सार्टिफिकेट से सम्मानित किया गया है जिससे गर्व की बात है गया शहर और कोच प्रखंड के लिए। जिससे हर कोई मां-पिता को बधाई दे रहे हैं।

कोई बकायेदार बख्शें नही जाएंगे, प्रशासन कड़ाई से निबटेंगे

प्रातः किरण संवाददाता

गया। अनुमण्डल पदाधिकारी, सदर गया द्वारा जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, गया के साथ निलाम पत्र वाद की विचार-विमर्श किया गया है, जिसमें कई वादों में लेनदारों को नोटिस देने के पश्चात भी उपस्थित नहीं हो रहे हैं। ऐसे में जिन लेनदारों के पास अनुमण्डल स्तर पर निलाम पत्र लंबित हैं। उन लेनदारों को दो नोटिस के बाद अनुमण्डलीय न्यायालय में उपस्थित नहीं होने पर पुलिस पदाधिकारी,पुलिस बल के माध्यम से लेनदारों के पते पर पहुंच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। ऐसे में नोटिस प्राप्ति के पश्चात अविलम्ब संबंधित न्यायालय में निश्चित रूप उपस्थित होकर अपना पक्ष रखेंगे। कोई बकायदार बचेंगे नहीं।

डीएम ने जनता दरबार में 12 परिवादियों के सुनी फरियाद

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल। जिलाधिकारी कुमार गौरव के द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में 12 परिवादियों के फरियाद को सुना गया। परिवादियों द्वारा भूमि विवाद, अनियमितता, अतिक्रमण, रजीस्ट्री, नल जल योजना, नगर परिषद, आईसीडीएस, उप विकास आयुक्त, ग्रामीण कार्य विभाग एवं अन्य विभागों से संबंधित मामले थे। फरियादियों के आवेदनों के शीघ्र निष्पादन हेतु जिला पदाधिकारी द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निदेश दिये गये। कलेर प्रखण्ड स्थित ग्राम जयपुर निवासी मीना कुमारी द्वारा बताया गया कि वार्ड नं0 05 के अति पिछड़ी जाति के महिला हूँ तथा मेरे गाँव में आँगनबाड़ी सेविका सहायिका की बहाली का चयन हो रही थी। सीडीपीओ कलेर द्वारा सामान्य जाति को नम्बर बढ़ाकर चयन किया गया है। उचित कार्रवाई करते हुए मेरा चयन की स्वीकृति करवाने की कृपा की जाए।इस संबंध में जिला पदाधिकारी द्वारा जिला प्रोग्राम पदाधिकारी, आई. सी.डी.एस., अरवल को नियमानुसार जाँच कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु निदेशित किया गया। सोनभद्र वंशी सूर्यपुर प्रखण्ड स्थित ग्राम करवा बलरामपुर निवासी इन्द्रदेव सिंह द्वारा बताया गया कि आम गैरमजरूआ जमीन पर मकान बनाने के लिए मिट्टी भरकर आम रास्ता को श्यामनन्दन पासवान व अन्य लोगों द्वारा अवरूद्ध किया जा रहा है। आम रास्ता को अतिक्रमण से मुक्त करने की कृपा की जाए। इस संबंध में जिला पदाधिकारी द्वारा प्रखण्ड विकास पदाधिकारी सोनभद्र वंशी सूर्यपुर को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने हेतु निदेशित किया गया। अरवल प्रखण्ड स्थित बनिया बिगहा निवासी राजू साव द्वारा बताया गया कि मेरे घर के बगल में चुड़ा मिल चला रहे है, मिल का भुसा छत एवं कमरा में आता है, जिससे बच्चों को पठन-पाठन में काफी कठिनाई होती है। मना करने पर गाली गलौज किया जाता है, उचित कार्रवाई करने की कृपा की जाए। इस संबंध में जिला पदाधिकारी द्वारा कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद अरवल को नियमानुसार जाँच कर आवश्यक कार्रवाई करने हेतु निदेशित किया गया।इसी क्रम में द्वितीय अपीलीय प्राधिकार से संबधित आज कुल 01मामलों की सुनवाई हुई तथा 01मामलों का निष्पादन किया गया।

महुआवां पैक्स प्रबंधन समिति की बैठक में लिए गए कई निर्णय

प्रातः किरण संवाददाता

शेरघाटी।आमस के महुआवां पैक्स भवन में शुक्रवार को नवनिर्वाचित पैक्स अध्यक्ष चुनचुन यादव की अध्यक्षता में प्रबंधन समिति के सदस्यों की बैठक हुई। करीब दो घन्टे तक चली बैठक में किसानों से धान अधिप्राप्ति एवं किसानों को खाद उपलब्ध कराने हेत खाद अनुज्ञप्ति और पैक्स द्वारा जनवितरण प्रणाली की दुकान संचालित करने हेतु मुख्य रूप से चर्चा हुई। बैठक में मौजूद प्रबंध समिति के सदस्यों ने प्रस्ताव लाया की महुआवां पैक्स के नाम से खाद का लाइसेंस नहीं है जिस कारण किसानों को खाद नहीं मिलता है इसलिए किसानों को काफी परेशानी होती है। सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि पैक्स के नाम से खाद का लाइसेंस बनवाया जाए और जन वितरण प्रणाली की दुकान भी पैक्स द्वारा संचालित की जाए ताकि आसपास के लाभुकों को अनाज लाने के लिए दूर नहीं जाना पड़े। बैठक में मौजूद सभी सदस्यों ने इस कार्य के लिए सर्वसम्मति से पैक्स अध्यक्ष चुनचुन यादव और प्रबंधक अनवर हुसैन को अधिकृत किया।पैक्स प्रबंधक अनवर हुसैन के द्वारा नवनिर्वाचित अध्यक्ष और प्रबंध समिति के सभी सदस्यों को धान अधिप्राप्ति से संबंधित सहकारिता विभाग की पूरी जानकारी दिया। बैठक में शामिल नवनिर्वाचित अध्यक्ष और सभी प्रबंध समिति के सदस्यों के अलावा बैठक में शामिल हुए प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी को प्रबंधक के द्वारा बुके देकर स्वागत किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष चुनचुन यादव ने प्रबंधन समिति के सभी सदस्यों को और सभी सदस्यों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष चुन चुन यादव को माला पहनकर स्वागत किया। बैठक में नवनिर्वाचित अध्यक्ष चुनचुन यादव प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी मुनींद्र कुमार प्रबंधक अनवर हुसैन प्रबंधन समिति सदस्य विजय सिंह सत्येंद्र यादव विनय महतो सुजीत कुमार भरत सिंह मुन्ना देवी ललिता देवी लालती देवी कामता पासवान मौजूद थे।

बीजेपी सांसद ने मृतक कैदी के परिजनों को सांत्वना दी

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। भाजपा के पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह औरंगाबाद मंडल कारा में बंद सजायाफ्ता कैदी सदर प्रखंड के जम्होर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गाँव के निवासी रंजीत सिंह की मौत की खबर सुनकर देर रात सदर अस्पताल पहुँचकर परिजनों से मुलाकात किया सांसद ने कहा कि रंजीत सिंह वर्ष 2018 से जेल में बंद थे गुरुवार को अचानक जेल में उनकी तबियत बिगड़ गयी जिसके बाद जेल प्रसाशन के द्वारा उन्हें सदर अस्पताल भेजा गया लेकिन अस्पताल पहुँचने से पहले ही उनकी मौत हो गई।मृतक के परिजनों ने इलाज नहीं कराने का आरोप लगाया है।परिजनों ने पूर्व सांसद से कहा कि उनकी तबीयत खराब थी पर जेल प्रबंधन के द्वारा उनका इलाज नहीं कराया गया।देर शाम परिजनो को मोबाइल पर जेल प्रशासन के द्वारा फोन पर सूचना दी गई कि रंजीत सिंह का तबियत खराब है आप सदर अस्पताल आइए इनको सदर अस्पताल में इलाज के लिए लाया जा रहा है और जब परिजन लोग सदर अस्पताल पहुँचे वँहा देखे की रंजीत सिंह को जेल से ही मृत लाया गया था परिजन ने जेल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया और काफी आक्रोशित दिखे।पूर्व सांसद ने इस घटना को लेकर देर रात जिला पदाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से फोन पर बात कर सभी बातों से अवगत कराया और इस घटना का उच्चस्तरीय जाँच और जेल प्रशासन पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप को लेकर एफआईआर करने का माँग किया एवं शव का पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड गठित कर डॉक्टर का टीम बनाकर और वीडियो रिकॉर्डिंग करवाकर पोस्टमार्टम कराया जाए।हत्या के मामले में उक्त कैदी को आजीवन कारावास की सजा हुई थी।कैदी ने सीने में दर्द होने की शिकायत की थी।इस मौके पर सदर अस्पताल में जिला महामंत्री अधिवक्ता मुकेश सिंह,जिला मीडिया प्रभारी मितेन्द्र कुमार सिंह,पैक्स अध्यक्ष गुंजन सिंह,पूर्व पैक्स अध्यक्ष अरबिन्द सिंह एवं सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण एवं मृतक के परिजन लोग मौजूद थे।

महादलित परिवारों को जमीन का हक दिलाकर रहेंगे : लोजपा (र)

प्रातः किरण संवाददाता

गया।टेकारी विधानसभा क्षेत्र के टेकरी प्रखंड के नेपा पंचायत में खार पर थाना के बगल में बसे हुए दलित महादलित टोला के लोगों के द्वारा लोजपा रामविलास के जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह को सूचित किया गया कि हम लोगों को सरकार के पदाधिकारी के द्वारा सरकारी योजना के तहत जमीन देने का पर्चा दिया गया था। जो काफी वर्षों से मामला टिकरी आंचल में लंबित थी। इस मामले को जिला अध्यक्ष अपने जिला एवं प्रखंड अध्यक्ष पदाधिकारी के साथ जाकर टेकारी अंचल अधिकारी से मिलकर लंबित पड़े जमीन कार्य को गंभीरता से समझ कर परचाधारी लोगों को अंचलाधिकारी ने आश्वासन देते हुए कहा कि पंचानपुर थाना के पीछे जो सरकारी जमीन है इस जमीन में सारे लोगों को हम जमीन अलॉट कर देंगे। जिससे दलित महा दलित बस्तियों में खुशी की लहर दौड़ गई और चिराग पासवान जिंदाबाद स्वर्गीय रामविलास पासवान अमर रहे जितनराम मांझी जिंदाबाद, नीतीश कुमार जिंदाबाद एनडीए जिंदाबाद का नारा लगा इसके बाद जिला अध्यक्ष अपने साथियों के साथ महमनना पंचायत के रामनगर के निवासी पार्टी के पदाधिकारी महेंद्र पासवान के आवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात कर घटना की जानकारी लिए विदित है कि बीते कुछ दिन पहले उसे गांव में आपसी विवाद हुई थी इसके बाद इस पंचायत के गहरपुर गांव में जनसंपर्क करते हुए रणधीर सिंह के आवास पर पहुंचकर पार्टी के संगठन को टिकरी में विस्तार करने पर चर्चा किया वहां के लोगों ने भी पार्टी के प्रति अपनी बातों को रखा और पार्टी से जुड़ने के लिए जिला अध्यक्ष जी को आश्वासन दिया है। इसके बाद टेकारी पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष रंजीत सोनार के यहां भी जाकर उनका हाल-चाल लिया उनके यहां भी बाढ़ में आपसी विवाद हुई थी उसकी भी जानकारी लिए आज के समय में मोहौल शांतिपूर्ण है। वहीं जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह के साथ टिकारी प्रखंड अध्यक्ष अजय पासवान जिला सचिव नरेश पासवान टेकरी नगर परिषद अध्यक्ष शिवकुमार पुरुषोत्तम कुमार सौरभ कुमार निर्भय पासवान अंकित कुमार आदि सैकड़ो की संख्या में साथ थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता में अधिवक्ताओं की भूमिका अहम : जिला जज

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वाधान में कल दिनांक 14 दिसम्बर को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत का सफल आयोजन के लिए जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार श्री राज कुमार के प्रकोष्ठ में जिला जज द्वारा जिला विधि संघ एवं अधिवक्ता संघ के सभी पदधारी अधिवक्ताओं एवं कार्यकारिणी सदस्यों के साथ एक बैठक आयोजित करते हुए कहा गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता तथा अधिक से अधिक वादों के निस्तारण के लिए आप सभी का सहयोग आवश्यक है जिससे कि राष्ट्रीय लोक अदालत सफलता के साथ-साथ अपने ही कीर्तिमान को स्थापित करते हुए लक्ष्य हासिल करें। इस बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव श्री सुकुल राम उपस्थित रहें।

जिला जज के प्रकोष्ठ में आयोजित बैठक में जिला विधि संघ के अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय सचिव, जगनारायण सिंह तथा अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्री संजय सिंह एवं सचिव, श्री सिधेश्वर विद्यार्थी सहित कार्यकारिणी के अन्य पदधारी अधिवक्ता उपस्थित रहें।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा कल दिनांक 14 दिसम्बर को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए कार्यकारिणी के सभी पदधारी अधिवक्ताओं के साथ बैठक का मुख्य उद्देश्य था कि स्वयं अधिवक्ता के साथ-साथ उनके साथ काम करने वाले अधिवक्ताओं का इस राष्ट्रीय लोक अदालत में सक्रीय भागीदारी से अपेक्षा से अधिक परिणाम मिलने की संभावना प्रबल है जिसके लिए सभी का पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए सहयोग मांगा गया।

इस अवसर पर जिला जज द्वारा कहा गया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार का यही उदेश्य है कि न्याय सभी के पास सुलभ हो जिसके लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार काफी तत्पर रहता है और इसमें सभी विद्वान अधिवक्ताओं का सहयोग मिलता है और राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन तथा इसकी सफलता सामुहिक प्रयास का प्रतिफल होता है और यह क्रम आगे भी जारी रहें इसके लिए सभी का सहयोग इसके निरंतरता के लिए आवश्यक है।

जिला जज द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत में किस प्रकार का वादों का निष्तारण संभव है इस सम्बन्ध में विस्तार से बताया गया। वादों के निस्तारण के क्रम में आने वाले चुनौतियों एवं समस्याओं का आपसी तालमेल एवं सहयोग से उसे दूर करते हुए निष्पादन कराने में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया गया। इस बैठक में दोनों अधिवक्ता संघ के पदधारियों द्वारा यह विश्वास दिलाया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निस्तारण हेतु दोनों संघ यथा सभव अपने स्तर से प्रयास करते हुए पुराने राष्ट्रीय लोक अदालत में निष्तारण हुए वादों से अधिक वाद का निस्तारण कराने में पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा। बैठक के बाद जिला जज के द्वारा कल आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत कर तैयारियों का समीक्षा और जायजा किया गया।।

जानवर को पानी पिलाने के लिए कुआँ से पानी भरने गया व्यक्ति के डूबने से मौत

शेरघाटी। थाना क्षेत्र के चाँपि पंचायत के रानीचक गांव में जानवर को पानी पिलाने के लिए पानी भरने गया व्यक्ति के कुएं में डूब जाने से हुई मौत मृतक व्यक्ति की पहचान जग्गू यादव 40 वर्ष के रूप में किया गया है। उक्त घटना की जानकारी देते हुए शेरघाटी थाने के पुलिस ने बताया कि व्यक्ति जानवर को पानी पिलाने के लिए कुआं से पानी भरने गया था। तभी पैर फिसलने से वह कुएं में डूब गया काफी देर के बाद उसको डूबने की सूचना मिली इसके बाद जब उसे निकाला गया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी और उसकी मौत हो गई ।उक्त घटना के बाद परिवार के लोगों पर पहाड़ सा टूट पड़ा मृतक के दो छोटे-छोटे बच्चे हैं ।

अनुमंडल अनुश्रवण समिती की बैठक आयोजित

अवैध नर्सिंग होम पर कार्रवाई करे स्थानीय प्रशासन :भूषण सिंह

प्रातः किरण संवाददात

मधुबनी। जयनगर अनुमंडल अनुश्रवण समिति की बैठक अनुमंडल पदाधिकारी जयनगर वीरेंद्र कुमार के अध्यक्षता में अनुमंडल कार्यालय में आयोजित किया गया। बैठक में गत बैठक की पुष्टि नये राशनकार्ड व खाद्यान्न की गुणवत्ता जयनगर में अबैध नर्सिंग होम में उपचार के दौरान लगातार हो रहे मौत विधुत विभाग एवं शिक्षा से संबंधित समस्याओ का निदान करने पर बैठक में चर्चा किया गया। अनुमंडल अनुश्रवण समिति सदस्य सह भाकपा माले प्रखंड सचिव भूषण सिंह ने बैठक में सीएमआर के माध्यम से कि जा रहे आपूर्ति चावल के गुणवत्ता पर ध्यान रखने एवं एसएफसी बिहार गोदाम जयनगर से लदनियां चले जाने के कारण जनवितरण प्रणाली दुकानदारो को खाद्यान्न उठाने में हो रहे असुविधाएं के कारण उपभोक्ताओ को समय पर आपूर्ति नही होने को देखते हुए जयनगर में गोदाम के लिए भूमि अधिग्रहण कर अविलम्ब निर्माण करने तथा जयनगर में दर्जनो अबैध नर्सिंग होम स्थानीय उपाधीक्षक कुमार रौनित अनुमंडल अस्पताल के संरक्षण में संचालित होने के कारण लगातार महिलाएं की हो रहे मौत को देखते हुए नर्सिंग होम पर कार्रवाई करने शहर में प्रखंड कार्यालय पटना गद्दी चौक स्टेशन चौक बस स्टैंड के नजदीक 11 हजार वोल्ट विधुत तार पेड़ से सटने के कारण होने वाली बड़ी घटनाएं को देखते हुए अविलम्ब स्थाई निदान करने देवधा दक्षिणी मौजा एवं कुआढ़ मौजा में अंचल कार्यालय जयनगर के अभिलेख संख्या-1 व 4 वर्ष 2004 - 2005 में दर्जनों महादलित पचार्धारी को दिए गए पर्चा के आधार पर भूमि पर कब्जा एवं अवैध खरीद-विक्री पर रोक लगाने बसेरा योजना 2 के तहत वर्षों से भूमि पर बसे भूमि की पर्चा देने और जयनगर से कोरहिया तक कमला नदी के तटबंधो के किनारे बसे सैकड़ो भूमिहीन परिवारों को बसेरा योजना 2 के तहत भूमि आवास देने और उद्यमी योजना के तरह 2 लाख रुपए सहायता राशि प्राप्त करने के लिए अंचलाधिकारी जयनगर को दिए गए 1886 आवेदन पर जांचोपरांत 70 हजार रूपया तक का आय प्रमाण-पत्र बनाने और प्राइवेट स्कूलो में महंगे प्रकाशन के किताब पर रोक लगाने की मांग किया गया।बैठक में प्रखंड आपुर्ति पदाधिकारी लदनियां एवं बासोपट्टी जयनगर विपिन आंसु बासोपट्टी - लदनियां के अमीतेश कुमार बिहार गोदाम बासोपट्टी प्रबन्धक मुशर्रफ हसन मुख्य पार्षद कैलाश पासवान भाकपा-माले प्रखंड सचिव भूषण सिंह कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष सुरेंद्र महतो माकपा अंचल मंत्री कुमार राणाप्रताप सिंह जदयू प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार सिंह विधायक प्रतिनिधि नरेन्द्र नारायण कुंवर विधान परिषद प्रतिनिधि अनुरंजन सिंह बासोपट्टी प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि विरेन्द्र यादव बसपा के सावित्र सहित जनवितरण प्रणाली दुकानदारो के प्रतिनिधि दीपक कुमार एवं सुरेश यादव और रसोई गैस प्रबन्धक अनुमंडल कर्मचारी सुरेंद्र दत्ता अन्य लोगो ने भाग लिया ।

एमपी हाई स्कूल में उर्दू भाषी छात्रों के प्रोत्साहन के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन,डीएम ने दीप जलाकर किया उद्घाटन

प्रातः किरण संवाददात

बक्सर) शुक्रवार को दिन बिहार के बक्सर के एमपी हाई स्कूल में मंत्रिमंडल सचिवालय, उर्दू निदेशालय, बिहार एवं जिला प्रशासन बक्सर के संयुक्त तत्वाधान में उर्दू भाषी छात्रों के प्रोत्साहन हेतु बाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन बक्सर डीएम श्री अंशुल अग्रवाल ने दीप जलाकर की।

जिला पदाधिकारी ने अपने संबोधन में छात्रों द्वारा प्रस्तुत अभिभाषणों की सराहना करते हुए कहा कि यह विषय आज की परिस्थितियों के अनुरूप बेहद प्रासंगिक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार सरकार द्वारा उर्दू को दूसरी राजभाषा का दर्जा देना, इस भाषा की विरासत को सहेजने और इसे नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक अहम प्रयास है। ऐसे कार्यक्रम न केवल छात्रों की शैक्षणिक और रचनात्मक क्षमताओं को निखारते हैं, बल्कि उर्दू भाषा के प्रति उनके उत्साह और लगाव को भी बढ़ावा देते हैं।

मौके पर कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी बक्सर ने उर्दू भाषा की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उर्दू केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी साझा विरासत और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। इस अवसर पर राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान, बक्सर के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी भी उपस्थित थे, जिन्होंने कार्यक्रम की सफलता की सराहना की।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला उर्दू भाषा कोषांग के कर्मियों, श्री मोहम्मद अमीनुल्लाह और श्री मोहम्मद जहानगीर अंसारी का विशेष योगदान रहा।

गल्ला व्यवसाई की दुकान से चोरों ने उड़ाए गल्ला बक्सा समेत रुपये

■ घटना के लगभग ढाई घंटे बाद पहुँची पुलिस

प्रातः किरण संवाददाता

शेरघाटी।शहर के गोला बाजार स्थित मुख्यमार्ग पर गला व्यवसाय के दुकान से चोरों ने उड़ाए लाखों रुपए बहुत घटना के जानकारी देते हुए पीड़ित व्यवसाय दिनेश साव ने बताया कि मेरे दुकान के बक्से का गला रखा हुआ था। जिसमें ल्गभग एक लाख रुपए एवं आवश्यक कागजात रखे हुए थे, मैं तकरीबन 2 मिनट के लिए बाथरुम करने अपने दुकान से बाहर निकाला उतने ही देर में मेरे दुकान से गला का बक्सा गायब हो गया।

जब मैं यहां पहुंचा तो देखा कि मेरे दुकान का बक्सा गायब है हालांकि काफी खोजबीन किया लेकिन कुछ भी पता नहीं चल पाया। उक्त घटना के बाद पीड़ित व्यक्ति ने इसकी सूचना पुलिस को दी लेकिन पुलिस वहाँ पहुँची लेकिन खानापूर्ति करते हुए चली गई।

इधर जानकारी देते हुए पीड़ित व्यक्ति ने बताया कि सीसीटीवी कैमरे में दो बच्चे को बक्सा ले जाते हुए देखा जा रहा है, जिसको लेकर पुलिस को सूचना दी गई लेकिन पुलिस इस पर कोई भी करवाई नही किया जा रहा है।

बता दे की शेरघाटी शहर में आए दिन दुकानदारों के दुकान से सामान चोरी करना एवं अन्य सामान को चोरी करने का मामला लगातार बढ़ता जा रहा है, और शेरघाटी पुलिस हाथ पैर हाथ रखकर सोई हुई है जिससे लोगों में भय का माहौल बन गया है। इधर व्यवसाय करने वाले लोगो का कहना है कि पुलिस पदाधिकारी के लापरवाही के कारण शहर में लगातर ऐसी घटना हो रही है। पुलिस के कार्य शैली बेहतर नहीं दिख रही है जिससे चोर उच्चके काफी आसानी से चोरी कर ले रहे हैं और फरार हो जा रहे हैं।

उक्त घटना को लेकर शेरघाटी थाना अध्यक्ष से संपर्क साधा गया लेकिन थाना अध्यक्ष से बात नहीं हो पाई।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित जनसंवाद यात्रा की तैयारी का पदाधिकारियों ने किया निरीक्षण

प्रातः किरण संवाददाता

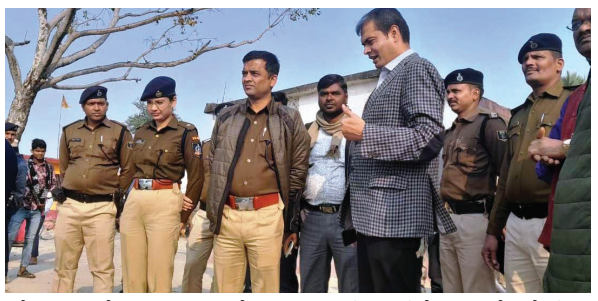

सिंहवाड़ा (दरभंगा)।15 दिसंबर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रस्तावित जनसंवाद यात्रा की जिलावार तैयारी के बीच जिला पदाधिकारी राजीव रौशन, वरीय पुलिस अधीक्षक जगुनाथ जला रेड्डी,प्रशिक्षु एसपी कोमल मीणा ,सामाज कल्याण निदेशक नेहा निपुर,उप विकास आयुक्त चित्र गुप्त कुमार एडीएम कुमार राकेश रंजन, जिला पंचायती राज पदाधिकारी प्रशांत कुमार,जिला स्वच्छता समन्वयक प्रशांत कुमार, पीओ यशवंत कुमार ने शुक्रवार को भराठी कृषि फार्म हाउस स्थित वृहद आश्रय स्थल व सिमरी पंचायत सरकार भवन व पैक्स भवन ,उच्च व मध्य विधालय परिसर पर संचालित कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। विभागीय अधिकारी दिशा निर्देश देकर कार्य में तेजी लाने को कहा है।डीएम ने वृहद आश्रय स्थल परिसर पर पौधरोपण करने के साथ प्रवेश द्वार को चकाचक करने का निर्देश मनरेगा पदाधिकारी दिया है।

पंचायत सरकार भवन के ऊपरी तल पर चहारदिवार निर्माण व स्वास्थ्य उप केन्द्र को रंग रोगन के साथ पुस्तकालय में पुस्तक की संख्या बठाने को कहा है।दो पंचायत को जोड़ने वाली चन्दशार पोखर के सौन्दर्यीकरण को लिए मिट्टी कार्य चल रहा है। अतिक्रमण मुक्त कर परिसर में बने अवैध झोपडी नुमा घर को हटाकर महादलित परिवार को सीओ के माध्यम से पंचायत में सरकारी भूमि आवंटित कर मकान निर्माण कराने का आदेश डीडीसी व मुखिया दिनेश महतो को दिया गया है।शास्त्री चौक पर बने कचरा अपशिष्ट परिसर के बाहर पेपर ब्लाक से सेलिंग कर आस पास के एरिया के गड्ढे को समतल करने को कहा गया है।

डीएम ने मुख्य मंत्री के आगमन को लेकर अधिकारियों को कार्यस्थल पर कैम्प करने को कहा है जिससे की कार्य में तेजी आ सके।स्वच्छता अभियान से साफ सफाई शौचालय ,पेयजल व्यवस्था व सरकार की उपलब्धि के प्रचार-प्रसार हेतू पंचायत भवन परिसर में जगह-जगह होल्डिंग लगाने को कहा है। दो पंचायत सिमरी व रामपुरा को जोडने वाली चन्दसार पोखर का निरीक्षण कर सौन्दर्यीकरण के बीच दो घाट के संपर्क को लेकर पुलिया व बैठने को लेकर चेयर निर्माण की प्रगति का जायजा लेकर परिसर में लगे पेड की पेंटिंग का आदेश दिया गया।मध्य विद्यालय सिमरी के नव निर्माण कस्तुबरा गांधी का अवलोकन कर स्टेडियम से अवैध कब्जा हटाने का निर्देश सीओ को दिया है।बासुदेव मिश्र उच्च विद्यालय पहुंचे डीएम ने निर्माणधीन साइकिल स्टैंड का निरिक्षण कर प्रधानाध्यापक डॉ एस एस प्रसाद से सौन्दर्यीकरण की जानकारी ली।मौके पर जिपस ओमप्रकाश ठाकुर, मुखिया दिनेश महतो,पूर्व मुखिया भोला पासवान,सरपंच अशोक महतो,पंचायत समिति तमन्ना अंसारी व गुड्डू यादव ,प्रधानाचार्य चन्देशवर महतो,जिपस सहायक अभियंता कृष्ण देव प्रसाद,रामेशवर झा,जेई दिनकर सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

पोषण वाटिका या न्यूट्री-गार्डन से होते हैं कई तरह के फायदे :ओम प्रकाश राय

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। विभागीय निदेशालोक मे तथा प्रखण्ड साधन सेवी प्रधानमंत्री पोषण योजना गडहनी बसंत सिंह के मार्गदर्शन मे प्रखण्ड अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय मन्दूरी में प्रधानाध्यापक ओम प्रकाश राय एवं उपस्थित सभी छात्र छात्राओं द्वारा प्रधानमंत्री पोषण योजना के तहत पोषण वाटिका लगाने सबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे भिन्न भिन्न प्रकार के पौधारोपण किया गया।तत्पश्चात बच्चो को संबोधित करते हुए श्री राय ने बताया कि पोषण वाटिका उस वाटिका को कहा जाता है जो घर के आस-पास स्थित हो और जिसे घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु वनस्पतियों, सब्जियों के उत्पादन के लिए प्रयोग किया जाए।वाटिका शुरू करने का मुख्य उद्देश्य समुदाय के सदस्यों को अपने घर के पिछले हिस्से में स्थानीय खाद्य फसलों को उगाने के लिये प्रोत्साहित करना।साथ ही, उन्हें ताजे फल तथा सब्जियों की एक सस्ती, नियमित और आसान आपूर्ति की सुरक्षा प्रदान करना है।पोषण वाटिका या न्यूट्री-गार्डन से कई तरह के फायदे होते हैं जिसमे पोषण वाटिका से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।इससे पोषक तत्वों की कमी को पूरा किया जा सकता है।पोषण वाटिका से ताजी और स्वादिष्ट सब्जियां और फल मिलते हैं।

इससे बच्चों में अच्छी आदतें विकसित होती हैं।वहीं इससे स्थानीय किसानों और ग्रामोद्योगों को आर्थिक गतिविधियां मिलती हैं। सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को दूर करने में पोषण वाटिका मददगार साबित होती है।

इससे बच्चों को खेती की समझ आती है साथ ही बच्चों में पोषण से जुड़े विचार विकसित होते हैं।वहीं बच्चों में फायदेमंद भोजन के प्रति जागरूकता बढ़ती है।

पोषण वाटिका स्थानीय फलों और सब्जियों के माध्यम से महत्वपूर्ण सूक्ष्म पोषक तत्व प्रदान करके आहार विविधता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

पोषण वाटिका जमीनी स्तर पर समन्वित कार्रवाई का एक अच्छा उदाहरण है।इस अवसर पर ग्रामीणो मे पुष्पा देवी, सकून देवी, पप्पू कुमार चौधरी, कौशल्या देवी, युगेश चौधरी, चितरंजन प्रसाद व छात्र में सत्यम कुमार, शिवम कुमार, इति कुमारी, खूशबू कुमारी, बजरंगी, शिवानी शबनम, आर्यन, रोहित, आदि सहीत सैकडो छात्र छात्राओं ने सराहनीय कार्य किया।

मकेर पंचायत की चहुंमुखी विकास करना ही उदेश्य:माला

प्रातः किरण संवाददाता

मकेर(सारण), कस्बा मकेर पंचायत का चहुमुखी विकास करना ही मुख्य उदेश्य है उक्त बातें पंचायत के मुखिया माला देवी का कहना है । शुक्रवार को पंचायती राज योजना के तहत पन्द्रहवीं वित्त आयोग के तहत 14 लाख रुपये की लागत से पंचायत भवन का निर्माण का शिलान्यास किया गया है ।मुखिया पति संजीत राय उपस्थित ग्रामीणों की उपस्थिति में प्रथम इट की नींव डालकर शुभारंभ किया गया ।उपस्थित ग्रामीणों के बीच लड्डू से मोह मीठा किया गया ।मुखिया पति संजीत राय ने कहा कि पंचायत में सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतारकर चहुमुखी विक ास करना है साथ ही आदर्श पंचायत बनाने का मुख्य लक्ष्य है । उक्त अवसर पर ग्रामीण चंद्रिका राय, हवलदार राय, विश्वनाथ राय ,श्याम कुमार, राहुल पू री, विधान राय ,गोलू कुमार, मनोज राय , बहारण मिया , कन्हैया साह ,इदर ीश मियां ,अहसान अंसारी आदि लोग उपस्थित थे ।

राम जानकी मंदिर के प्रांगण में रामचरित मानस यज्ञ का किया गया अयोजन

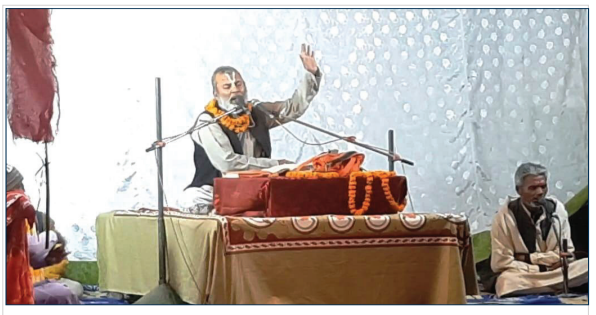

प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा। जिले के ग्वालपाड़ा प्रखण्ड क्षेत्र के बभनगामा महेश गांव स्थित राम जानकी मंदिर के प्रांगण में प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी बीसवां रामजानकी प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर रामचरित मानस यज्ञ का आयोजन शुक्रवार को किया गया। संयोजक महंत वैद्यनाथ दास जी महाराज ने बताया कि इस अवसर पर चित्रकूट से आए भानु शंकर व्यास, भागलपुर से संगीता सुमन, रंजीता रंजन, रामायणी रामबालक दास डुमरिया भागलपुर से आए हुए महान संतों की वाणी से भक्त जन अभिभूत हो रहे हैं, संतो की वाणी को सुनने भक्त जनों का सैलाब उतड़ आया है, इस अवसर पर चार दिनों के लिए मेला का आयोजन किया गया है, तथा रात में पुरैनी से आए कैलाश निराला के द्वारा राम लीला, रास लीला का अयोजन किया जाता है, भजन, कीर्तन, एवम प्रवचन से भक्ति का माहौल बना हुआ है। संयोजक महंत वैद्यनाथ दास जी महाराज ने कहा कि लगातार बीस वर्षों से होने वाले आयोजन में पूरे गांव समाज के लोगों का सहयोग मिलता है।

संजीवनी नर्सिंग होम में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

संजीवनी होम में ईलाज के लिए पहुंच रहे जरूरतमंद, मरीजों के बीच डॉ अनिल कुमार ने किया कंबल का वितरण

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय।शहर के श्यामचक स्थिति संजीवनी होम एवं मेटरनिटी सेंटर के प्रांगण में लायंस क्लब छपरा सारण के तत्वधान में प्रत्येक गुरुवार को ब्लड शुगर जांच, बीपी जांच के लिए परमानेंट प्रोजेक्ट के तहत डायबिटीज और हाइपरटेंशन क्लिनिक का शुभारंभ किया गया था। जिसके तहत संजीवनी नर्सिंग होम में लायंस डॉ अनिल कुमार के द्वारा मरीजों का निःशुल्क ब्लड शुगर, बीपी, एचबीए1सी, बीएमआई जांच कर परामर्श दिया गया साथ ही जरूरतमद मरीजों को दवा भी उपलब्ध कराया गया। इस मौके पर डॉ अनिल कुमार ने कहा कि वर्तमान में बढ़ती जा रही कई तरह की बीमारियां, तनाव और डिप्रेशन, स्वस्थ और सेहतमंद जीवनशैली को बेहद प्रभावित करता है। इसका प्रभाव न केवल आपके मन व मस्तिष्क पर नकारात्मक रूप से पड़ता है, बल्कि यह आपको शारीरिक रूप से भी कमजोर कर देता है। इसी लिए लोगों को स्वस्थ्य के प्रति जागरूक करने के उदेश्य से इस तरह का आयोजन प्रत्येक गुरुवार को निःशुल्क ब्लड शुगर, बीपी जांच कर परामर्श दिया जाता है। उन्होंने कहा कि सर्दियों में ब्लड प्रेशर की समस्या तेजी से बढ़ते हुए देखी जा रही है. सर्दी के मौसम में बीपी ज्यादा और गर्मी में लो होती है. दरअसल, कम तापमान के चलते रक्त वाहिकाएं अस्थायी रूप से संकीर्ण होते हैं. इससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है. संकुचित नसों और धमनियों के जरिए रक्त को प्रवाहित करने के लिए ज्यादा दबाव की जरूरत होती है. इसका हार्ट हेल्थ पर असर पड़ सकता है. इसी वजह से ठंड में हार्ट अटैक के केस ज्यादा पाए जाते हैं.

डायबिटीज मरीजों की बढ़ती है समस्या

सर्दियों में ब्लड प्रेशर ही नहीं डायबिटीज के मरीजों की परेशानी भी काफी हद तक बढ़ सकती है. तापमान में गिरावट होने के साथ कई डायबिटिक में ब्लड शुगर बढ़ जाता है. ठंडा मौसम शरीर का तनाव बढ़ा देता है, जिसके प्रतिक्रिया में शरीर ऊर्जा को बढ़ाने कोर्टिसोल जैसे स्ट्रेस हार्मोन रिलीज करता है. ये हार्मोन इंसुलिन प्रोडक्शन को कम कर ब्लड शुगर लेवल के बढ़ाते हैं. इस स्थिति में किडनी, लिवर, हार्ट पर निगेटिव असर पड़ सकता है. इसे कंट्रोल में रखने शरीर को ठंड से बचाकर समय-समय पर दवाईयां लेते रहना चाहिए।

जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सच्ची इबादत: डॉ अनिल

संजीवनी नर्सिंग होम में ईलाज के लिए पहुंच रहे जरूरतमद मरीजों के बीच डॉ अनिल कुमार कंबल, मच्छरदानी, साडी कपड़ा का वितरण कर रहे है.

उन्होंने कहा कि मेरे लिए समाज ही सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि मेरे जीवन में अगर मेरे माँ पिता के बाद किसी का योगदान है तो समाज का है. इसी लिए मै अपने समाज के प्रति अपने यथा शक्ति के हिसाब से हमेशा समर्पित रहता हु. मेरे लिए समाज ही सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि मेरे यहां जो भी लोंग ईलाज करने आते है उसमें जो जरूरतमद है उन्हों कंबल, मच्छरदानी, साडी कपड़ा दिया जाता है यह कार्य पुरे ठंड किया जाता है और इससे मुझे बहुत खुशी मिलती है. किसी के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सच्ची इबादत है.

इस मौके पर डॉ अनिल कुमार, लायंस शैलेन्द्र सिंह उर्फ चुलबुल सिंह, एसबीआई बैंक ब्रांच मैनेजर कुणाल कपूर,लक्ष्मण यादव, स्वेता सिंह, रीता देवी, गुड्डू कुमार, शैलेश कुमार समेत इत्यादि मौजूद थे।

12 लाख की स्मैक की खेप बरामद, गुप्त सूचना पर 100 ग्राम स्मैक के साथ दो तस्कर भी गिरफ्तार

मधेपुरा । मधेपुरा पुलिस को मिली बड़ी सफलता, पुलिस ने गुप्त सुचना के आधार पर दो ड्रग पैडलरों को स्मैक की खेप के साथ किया गिरफ्तार। गिरफ्तार तस्कर के पास से 100 ग्राम स्मैक मादक पदार्थ हुआ बरामद, बरामद स्मैक की कीमत आँकी जा रही 12 लाख। वहीं इस मामले मे मधेपुरा एएसपी प्रवेंद्र भारती ने बताया कि पुलिस अधीक्षक मधेपुरा के निर्देश पर अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान गुरुवार सध्या में मधेपुरा टाउन थानाध्यक्ष विमलेंदु कुमार को पश्चिम बंगाल से मुरलीगंज के रास्ते मधेपुरा में दो ड्रग पैडलर द्वारा स्मैक की बड़ी खेप लाने की सूचना मिली थी।जिसके बाद प्राप्त सूचना के आधार पर एएसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया।

गठित टीम के द्वारा मधेपुरा-मुरलीगंज मुख्य सड़क स्थित पुराने बस स्टेण्ड से पूरब गुमटी नदी पुल के निकट पहुँच कर आने जाने वाले चाहनों का चेकिंग प्रारंभ किया गया ।जहाँ चेकिंग के दौरान दो व्यक्ति पुलिस बल को देखकर भागने लगे। स्थिति संदिग्ध होने पर दोनों व्यक्ति को पुलिस बल के सहयोग से पुल पर ही पकड़ लिया गया। इनकी पहचान मधेपुरा के घैलाढ ओपी क्षेत्र के सबैला, दीघरा, वार्ड संख्या 16 निवासी गजेंद्र यादव के पुत्र सुमित कुमार एवं मो. मोइन के पुत्र परवेज आलम के रूप में हुई है। वहीं तलाशी लेने के दौरान इनके पास से 100 ग्राम स्मैक बरामद किया गया। एएसपी ने बताया कि बरामद स्मैक की बाजार में अनुमानित मूल्य 10-12 लाख रुपये आंकी जा रही है। छापेमारी टीम में टाउन थानाध्यक्ष विमलेन्दु कुमार के साथ साथ दरोगा संतोष कुमार सिंह, दरोगा सचिन कुमार, सिपाही सीपुल कुमार, सोमू कुमार, नीरज कुमार, सतीश कुमार सहित टेक्निकल टीम के सदस्य शामिल थे।

आईसीआईसीआई प्रू लाइफ ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में 99.04 प्रतिशत क्लेम सिर्फ 1.2 दिनों में निपटाए

पटना /मुंबई। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने जुलाई 2024 से सितंबर 2024 की अवधि में 99.04 प्रतिशत का क्लेम सेटलमेंट रेशियो हासिल किया है, जो इंडस्ट्री में सबसे अधिक है। खास बात यह है कि डेथ क्लेम निपटाने में औसतन केवल 1.2 दिन का समय लगा है।आईसीआईसीआई प्रू लाइफ इंश्योरेंस के चीफ ऑपरेशन्स ऑफिसर, अमीश बैंकर ने कहा, क्लेम वह पल है जब ग्राहक का विश्वास हम पर टिका होता है, और हम हर क्लेम को संवेदनशीलता के साथ संभालते हैं। वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में हमने 99.04 प्रतिशत क्लेम सेटल किए, जबकि नॉन-इन्वेस्टिगेटेड क्लेम्स का एवरेज सेटलमेंट समय (डॉक्युमेंट्स प्राप्त होने के बाद) केवल 1.2 दिन था। इस अवधि में हमने 451 करोड़ रुपये के डेथ क्लेम निपटाए। हमारी क्लेम फॉर श्योर पहल के तहत, हम सभी दस्तावेज जमा होने के बाद योग्य क्लेम्स को एक दिन में निपटाने का वादा करते हैं। इस पहल के तहत वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में हमने 71.24 करोड़ रुपये के डेथ क्लेम निपटाए। हम लगातार इंडस्ट्री में अग्रणी क्लेम सेटलमेंट रेशियो के साथ सबसे आगे बने हुए हैं। वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में यह 97.94 प्रतिशत, वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में 98.14 प्रतिशत, वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में 98.52 प्रतिशत और पूरे वित्त वर्ष 2024 में 99.17 प्रतिशत रहा।

बालू खनन में लगे ट्रैक्टर को किया गया जब्त

शेरघाटी। अवैध तरीके से बालू खनन कर सरकारी राजस्व को हानि पहुंचाने के मामले में शुक्रवार को थाना क्षेत्र के बुढ़िया नदी घाघर घाट से पुलिस ने ट्रैक्टर जप्त की है। थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि खनन विभाग के नियमानुसार प्राथमिकी की कार्रवाई की जा रही है। ट्रैक्टर मालिक का पता लगाई जा रही है।

मदन मोहन हलदर चैलेंज शील्ड एक और रोमांचक संस्करण के साथ आया वापस

पटना / बीरभूम। मदन मोहन हलदर चैलेंज शील्ड फुटबॉल टूनार्मेंट, बीरभूम में सबसे उत्सुकता से प्रतीक्षित खेल आयोजनों में से एक और रोमांचक संस्करण के साथ वापस आ गया है। 1990 में अहमदपुर प्लेयर्स एसोसिएशन द्वारा स्थापित यह टूनार्मेंट पूरे पश्चिम बंगाल से टीमों को आकर्षित करते हुए इस क्षेत्र में सबसे प्रसिद्ध आयोजनों में से एक बन गया है। समावेशिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में, यह आयोजन एक ऑल-वुमन चैरिटी फुटबॉल मैच को भी उजागर करेगा, जो पश्चिम बंगाल में महिला फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए अहमदपुर प्लेयर्स एसोसिएशन के समर्पण को प्रदर्शित करेगा।मदन मोहन हलदर चैलेंज शील्ड अपने शुरूआती दिनों से ही काफी विकसित हो चुका है, जो 5,000 रुपये के शुरूआती बजट से बढ़ा है, और अहमदपुर प्लेयर्स एसोसिएशन 2024 में अपना पचासवां वर्ष भी मना रहा है। मदन मोहन हलदर चैलेंज शील्ड में मुर्शिदाबाद, दुगार्पुर, बीरभूम और कोलकाता सहित जिलों की आठ टीमें शामिल होंगी, जो तीन दिनों तक नॉकआउट प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करेंगी। इस आयोजन के बारे में बोलते हुए हल्दर वेंचर लिमिटेड के अध्यक्ष प्रभात कुमार हल्दर ने कहा कि हम मानते हैं कि मजबूत, स्वस्थ समुदायों के निर्माण के लिए खेल आवश्यक हैं।

एनकेएम उच्च विद्यालय में भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा स्टैंडर्ड क्लब कार्यक्रम का किया गया आयोजन

मधेपुरा। जिले के आलमनग प्रखंड के एनकेएम उच्च विद्यालय आलमनगर में भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा स्टैंडर्ड क्लब कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को किया गया। विद्यालय के शिक्षा समिति सदस्य सर्वेश्वर प्रसाद सिंह, भारतीय सेना में कार्यरत कर्नल अमित कुमार, एन के एम उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक सतीश कुमार ठाकुर, भारतीय मानक ब्यूरो के मेंटर अजय कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान मुख्य अतिथि सर्वेश्वर प्रसाद सिंह ने उपस्थित छात्रों को उपभोक्ता वस्तुओं आभूषण की खरीदारी करते समय आईएसआई मार्क, एग मार्क एवं हॉलमार्क पर ध्यान देने वह असली नकली की पहचान करने की जानकारी प्रदान की गई। उपस्थित छात्रों के बीच दी गई जानकारी के दौरान संबंधित एक पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें लगभग 20 छात्रों ने भाग लिया। इस दौरान भारतीय मानक ब्यूरो के मेंटर अजय कुमार ने कहा कि इस कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य छात्रों को सामान खरीदते समय होने वाले धोकेदारी से बचाना है उन्होंने कहा कि आज के समय असली नकली की पहचान करना मुश्किल हो गया है। यह कार्यक्रम इसी उद्देश्य की गई है ताकि छात्र असली नकली की पहचान कर सके इसके लिए एक एप का निर्माण किया गया है जिसके माध्यम से आप इसकी पहचान आसानी से कर सकते हैं। इस अवसर पर नंदकिशोर माधवानंद उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक सतीश कुमार ठाकुर, शिक्षक सुभेन्द्र कुमार सिंह, दीपक कुमार झा, ब्रह्मचारी शर्मा, संतोष शर्मा, अच्युतानंद पांडे, भारतीय मानक ब्यूरो मैटर अजय कुमार, राधा मोहन राय, राजेश पासवान सहित कई छात्र मौजूद थे।

परमानपुर में पांच दिवसीय राज्य स्तरीय हैंडबॉल और बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता का हुआ उद्घाटन

मधेपुरा। जिले के घैलाढ़ प्रखंड के कामेश्वर मध्य विद्यालय परमानपुर में शुक्रवार को बिहार राज्य सीनियर महिला हैंडबॉल और बिहार राज्य सीनियर पुरुष/ महिला बॉल बैडमिंटन संघ के तत्वाधान में 12वी बिहार राज्य सीनियर महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता ओर 31 वी बिहार राज्य सीनियर पुरुष महिला बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप का उद्घाटन किया गया। शहीद कैप्टन आशुतोष के स्मृति में 12वीं बिहार राज्य सीनियर महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ शहीद के पिता डॉ रवीन्द्र भारती, प्रो सत्यजीत यादव , जिला खेल पदाधिकारी निकिता, जिला पार्षद प्रतिनिधि व आयोजन सचिव डॉ बी. के आर्यन, श्री कृष्णा टीवीएस शोरूम के मालिक व आयोजन अध्यक्ष नरेंद्र चंद्र नवीन, पैक्स अध्यक्ष ललन यादव, बीएनएमयू के निदेशक खेल के डॉ मो अब्दुल फजल ने फीता काटकर कर किया। शुभारंभ से पहले शहीद कैप्टन आशुतोष के चित्र पर उपस्थित अतिथियों व आयोजन सदस्यों ने पुष्प अर्पित किया। मौके पर प्रो सत्यजीत यादव ने कहा कि खेल मनुष्य के जीवन का एक महत्वपूर्ण भाग है। खेल में जीत और हार तो तय है। जिला पार्षद प्रतिनिधि डॉ विनीत कुमार आर्यन ने कहा कि इस सुदूर इलाके में इस तरह के प्रतियोगिता का आयोजन सराहनीय प्रयास है।

विश्व चैंपियन गुकेश को बधाइयां देने वालों को लगा तांता

क्रिकेटर, एथलीट्स, निशानेबाजी सब हुए एकजुट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय खेल जगत ने विश्व चैंपियन बनकर इतिहास रचने वाले किशोर डी गुकेश की प्रशंसा करते हुए उन्हें लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा बताया। 18 वर्षीय गुकेश की जीत का जश्न पूरे देश में मनाया गया और उनकी अविश्वसनीय उपलब्धि की सराहना की गई। गुकेश ने सिंगापुर में चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ खिताबी मुकाबले की 14वीं और आखिरी बाजी में जीत हासिल की। 5 बार के विश्व चैंपियन और महान खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद ने इतनी कम उम्र में इतनी बड़ी जीत हासिल करने के लिए गुकेश की प्रशंसा की। आनंद ने कहा कि यह एक बड़ी उपलब्धि है। 18 साल की उम्र में विश्व चैंपियन बनना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। जीत के बाद उन्हें जश्न मनाते देखना एक शानदार नजारा था। उम्मीद है कि इससे कई महत्वाकांक्षी खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी। गुकेश ने गैरी कास्परोव के 22 साल, छह महीने और 27 दिन के रिकॉर्ड को तोड़ा, जब उन्होंने 1985 में खिताब जीता था।

शतरंज का प्रतिभाशाली खिलाड़ी : खेल मंत्री मनसुख मांडविया

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने उन्हें शतरंज का प्रतिभाशाली खिलाड़ी बताया। उन्होंने लिखा, ''प्रतिष्ठित विश्व शतरंज चैंपियनशिप का खिताब जीतने और शतरंज के इतिहास में सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनने के लिए डी गुकेश को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। आपकी कड़ी मेहनत और समर्पण ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है।

एक पीढ़ी को 'बड़े सपने देखने' के लिए प्रेरित किया:अभिनव बिंद्रा

भारत के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा ने कहा कि गुकेश ने अपनी शानदार उपलब्धि से एक पीढ़ी को 'बड़े सपने देखने' के लिए प्रेरित किया है। बिंद्रा ने कहा कि गुकेश, विश्व शतरंज चैंपियन बनने पर बधाई। दबाव में आपकी प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और शालीनता ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। आपने न केवल एक खिताब जीता है, बल्कि एक पीढ़ी को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया है। आपको आगे और भी बड़ी सफलता की शुभकामनाएं।

हम सभी के लिए एक शानदार पल : वीरेंद्र सहवाग

पूर्व स्टार क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने कहा- वाह, आप शानदार रहे गुकेश। सिर्फ 18 साल की उम्र में गुकेश डोमाराजू सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बन गए हैं। हम सभी के लिए एक शानदार पल और आप एक प्रेरणा हैं, गुकेश।

अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ ने दी बधाई

अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने ट्वीट किया- एक नया विश्व चैंपियन। बधाई डी गुकेश। यह गुकेश के लिए एक शानदार वर्ष का समापन है जिन्होंने कैंडिडेट्स 2024 टूर्नामेंट और शतरंज ओलंपियाड भी जीता।

भारत को आप पर गर्व है: नीरज चौपड़ा

देश के पहले और एकमात्र ट्रैक एंड फील्ड ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने 'एक्स' पर लिखा- बधाई हो, गुकेश। दुनिया में सर्वश्रेष्ठ और ऐसा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी। भारत को गर्व है।

64 खानों के खेल में आपने अनंत संभावनाओं की दुनिया खोल दी है : सचिन तेंदुलकर

महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने कहा कि अपनी जीत के साथ गुकेश ने अनंत संभावनाओं की दुनिया खोल दी है। तेंदुलकर ने 'एक्स' पर लिखा- 64 खानों के खेल में आपने अनंत संभावनाओं की दुनिया खोल दी है। बधाई हो डी गुकेश सिर्फ 18 साल की उम्र में 18वें विश्व चैंपियन बनने पर! विशी के नक्शेकदम पर चलते हुए अब आप भारतीय शतरंज के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की अगली लहर का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

क्या शानदार उपलब्धि है: हिकारू नाकामुरा

अमेरिकी ग्रैंडमास्टर हिकारू नाकामुरा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा- डी गुकेश और पूरे भारत तथा हर जगह के भारतीयों को बहुत-बहुत बधाई। क्या शानदार उपलब्धि है। नाकामुरा ने आनंद को उनके योगदान के लिए बधाई भी दी। उन्होंने लिखा- विश्वनाथन आनंद मैं आपको जन्मदिन की शुभकामनाएं देना भूल गया था लेकिन मुझे लग रहा है कि एक महीने तक आपके पैर जमीन पर नहीं पड़ेंगे। आपने जो किया है, वह बेमिसाल है।

रहाणे ने खेली 98 रन की धमाकेदार पारी

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचा मुंबई

बेंगलुरु (एजेंसी)। अजिंक्य रहाणे की शानदार 98 रन की पारी और सूर्यांश शेज की संयमित फिनिशिंग की बदौलत मुंबई ने बड़ौदा पर 6 विकेट से जीत दर्ज करके सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024 के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। 159 रनों का पीछा करते हुए रहाणे की शानदार पारी ने मुंबई के लिए जीत की नींव रखी। अनुभवी बल्लेबाज ने 56 गेंदों की अपनी पारी में 11 चौके और पांच छक्के लगाए और बड़ौदा के गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ा दीं। वह शतक से चूक गए, लेकिन उनके प्रदर्शन ने सुनिश्चित किया कि मुंबई पूरे लक्ष्य का पीछा करते हुए नियंत्रण में रहे।

रहाणे को श्रेयस अय्यर का अच्छा साथ मिला जिन्होंने 30 गेंदों पर 46 रनों की तेज पारी खेली। दोनों ने 88 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की जिसने मुंबई को जीत की दहलीज पर पहुंचा दिया। अय्यर के आउट होने के बाद सूर्यकुमार यादव एक रन बनाकर आउट हो गए और शिवम दुबे ने लय बनाए रखी, इससे बाद सूर्यांश शेज ने डेब्यू करने वाले शाश्वत रावत की गेंद पर छक्का लगाकर मैच को अपने नाम किया। मुंबई ने 16 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। बड़ौदा के गेंदबाजों ने मुंबई की मजबूत बल्लेबाजी लाइनअप पर दबाव बनाने में विफल रहते हुए कड़ी चुनौती पेश की। अतीत शेठ और अभिमन्यु सिंह राजपूत ने एक-एक विकेट लिया, जिसमें राजपूत ने पारी के अंत में रहाणे को आउट किया - मुंबई को जीत की ओर ले जाने वाला एक सांत्वना विकेट। रहाणे की शानदार पारी ने उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिलाया जिसने मुंबई के सफल लक्ष्य का पीछा करने में उनकी भूमिका को रेखांकित किया।

इस जीत के साथ मुंबई फाइनल में पहुंच गई, जहां उनका लक्ष्य एक चुनौतीपूर्ण प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ चैंपियनशिप जीतना है। इससे पहले बड़ौदा ने शिवालिक शर्मा की देर से की गई आतिशी पारी की बदौलत 158/7 का प्रतिस्पर्धी लक्ष्य रखा। हालांकि शेज और तनुश कोटियन की अगुआई में मुंबई के अनुशासित गेंदबाजी आक्रमण ने उन्हें पारी के अधिकांश समय तक काबू में रखा।

गुजरात जायंट्स के गेंदबाजी कोच बने प्रवीण तांबे, मिताली हो चुकी हैं अलग

अहमदाबाद (एजेंसी)। अगले साल फरवरी में शुरू होने वाली विमेंस प्रीमियर लीग के तीसरे सत्र से पहले मिताली राज गुजरात जायंट्स से अगल हो गई हैं। वहीं डेनियल मार्श को बल्लेबाजी और प्रवीण तांबे गेंदबाजी कोच के रूप मे गुजरात की टीम के कोचिंग दल में शामिल किया गया हैं। गुजरात जायंट्स की मेंटॉर रही मिताली राज अब इसी भूमिका में आंध्रा क्रिकेट एसोसिएशन के साथ जुड़ गई हैं, जहां वह सीनियर टीम के साथ काम करने के अलावा राज्य की टीम को तैयार करने पर भी काम करेंगी। पहले दो सत्र तक फैंचाइजी में सहायक कोच की भूमिका निभाने वाली पूर्व भारतीय स्पिनर नूशीन अल खदीर भी अब कोचिंग दल का हिस्सा नहीं होंगी।

अल-खदीर के पास इस समय अंडर 19 महिला टीम का प्रभार है जो कि अगले साल मलेशिया में होने वाले विश्वकप के दूसरे संस्करण के लिए तैयारी कर रही है। यह घोषणा 15 दिसंबर को बेंगलुरु में आयोजित होने वाली डब्ल्यूपीएल की नीलामी से कुछ ही दिन पहले ही की गई है। इस पर निर्णय 2024-25 के घरेलू सत्र के शुरू होने से पहले ही ले लिया गया था। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज माइकल क्लिंगर टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे जबकि डेनियल मार्श बल्लेबाजी और प्रवीण तांबे गेंदबाजी कोच के रूप मे टीम के कोचिंग दल से जुड़ेंगे।

अपने करियर में 150 प्रथम श्रेणी मैच खेल चुके मार्श 2013 से 2017 के बीच तसमानिया के मुख्य कोच रह चुके हैं और 2022 में उन्हें ऑस्ट्रेलिया महिला टीम का सहायक कोच नियुक्त किया गया था। वहीं 41 वर्षीय तांबे इस समय आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के स्पिन गेंदबाजी कोच हैं। क्लिंगर ने अपने बयान में कहा कि पिछले वर्ष हमने साथ मिलकर बहुत अच्छा काम किया था और अगले सत्र के लिए जिन खिलाड़ियों को रिटेन हमने किया मैं उनके ईद गिर्द एक मजबूत टीम बनाने की ओर देख रहा हूं। हम एक विनिंग माइंडसेट के साथ अपना शतप्रतिशत देने का पूरा प्रयास करेंगे।

सबसे युवा विश्व चैम्पियन बनना बहुत बड़ी बात : शुभमन गिल ने गुकेश की तारीफ की

ब्रिसबेन (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट टीम की ओर से डी गुकेश को बधाई दी जो सबसे युवा शतरंज विश्व चैम्पियन बने हैं। गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को सिंगापुर में हुए मुकाबले में 7.5 . 6.5 से हराकर खिताब जीता। गिल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट से पूर्व मीडिया से कहा, 'मैं डी गुकेश को पूरी भारतीय टीम की ओर से बधाई देना चाहता हूं। सबसे युवा विश्व शतरंज चैम्पियन बनना ही अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। गुकेश से पहले रूस के गैरी कास्पारोव सबसे युवा विश्व चैम्पियन थे जिन्होंने 1985 में 22 वर्ष की उम्र में अनातोली कारपोव को हराकर खिताब जीता था। वह विश्वनाथन आनंद के बाद खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय हैं।

शुभमन गिल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में हार का कारण बताया - भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल ने एडिलेड में दिन-रात के टेस्ट में टीम की 10 विकेट से हार पर विचार करते हुए बताया कि टीम लाल गेंद से खेलने की अधिक आदी है। उन्होंने कहा कि गुलाबी गेंद थोड़ी अलग है, जिससे रोशनी में खेलते समय सीम स्थिति का अंदाजा लगाना अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाता है। पर्थ में सीरीज के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया पर रनों के लिहाज से अपनी सबसे बड़ी टेस्ट जीत दर्ज करने के बाद भारत को एडिलेड ओवल में दूसरे टेस्ट में 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा, जिससे पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई।

गिल ने कहा, मुझे लगता है कि गुलाबी गेंद लाल गेंद से थोड़ी अलग होती है। गेंदबाज के सीम और हाथ को भांप पाना थोड़ा मुश्किल होता है, खासकर जब आप रात में खेल रहे हों। और हम दिन में लाल गेंद से खेलने के ज़्यादा आदी

हैं। गुलाबी गेंद के टेस्ट की गतिशीलता के कारण हम ज़्यादा नहीं खेलते हैं। और सिर्फ रात में खेलते हुए सीम की स्थिति और गेंद को छोड़ने के लिए हाथ की स्थिति को भांप पाना थोड़ा मुश्किल होता है। इसलिए बल्लेबाज के तौर पर खेलना थोड़ा मुश्किल है।

भारत गाबा में तीसरे टेस्ट में बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगा। यह वह स्थान जहां भारत ने 2021 में ऐतिहासिक तीन विकेट से जीत हासिल की और इस स्थल पर ऑस्ट्रेलिया के 33 साल के दबदबे को समाप्त किया। मैच में शुभमन ने दूसरी पारी में 91 रनों की पारी खेलकर भारत की जीत में योगदान दिया। अब जब भारत उसी स्थल पर वापस आया है और अभ्यास सत्र किया है, तो शुभमन ने कहा, 2021 के बाद स्टेडियम में प्रवेश करना पुरानी यादों को ताजा कर रहा था। विकेट अच्छा लग रहा है, हम कल और जानेंगे।

शुभमन ने टेस्ट क्रिकेट के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने की चुनौतियों पर प्रकाश डाला और कहा कि डाउन अंडर खेलने के लिए मानसिक फिटनेस सबसे महत्वपूर्ण चीज है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जिस तीव्रता से यहां मैच खेले जाते हैं, खासकर टेस्ट मैच। 5 दिनों के दौरान उस तीव्रता को बनाए रखना सबसे मुश्किल कामों में से एक है, यही बात ऑस्ट्रेलिया दौरे को इतना मुश्किल बनाती है। किसी भी चीज से ज़्यादा, यहां ऑस्ट्रेलिया में मानसिक तीव्रता और मानसिक फिटनेस की जरूरत होती है।

विराट रोहित को रिटायरमेंट लेने के लिए कौन बोल सकता है? ग्रेग चैपल ने दिखाया रास्ता

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के महान खिलाड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट में भारी गिरावट से गुजर रहे हैं। कोहली पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक बनाने में कामयाब रहे, लेकिन वह लंबे समय तक अपने करियर के पहले भाग में स्थापित मानकों से मेल नहीं खा सके। रोहित शर्मा के लिए चिंताएं अधिक हैं क्योंकि वह स्तरीय प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। इसी बीच ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज इयान चैपल ने तीखी बातें की है। उन्होंने विराट और रोहित की रिटायरमेंट पर भी बात की है।

चैपल ने कहा कि आप स्वयं जानते हैं कि आप अपने चरम पर हैं या नहीं। लेकिन वे स्पष्ट रूप से गेम खेलना पसंद करते हैं। वे इसे यथासंभव लंबे समय तक खेलना चाहते हैं और उनके पास जब तक संभव हो सके इसे खेलने का हर कारण, हर अधिकार है। इसलिए आपको कठिन निर्णय लेने के लिए अच्छी, मजबूत चयन नीतियों और चयन पैनल की आवश्यकता है। ये निर्णय लेना आवश्यक रूप से खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं है। हो सकता है कि वे यह निर्णय लेना चाहें।

इंग्लैंड ने तीसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग 11 की घोषणा की, वोक्स की जगह इसे मिला मौका

हैमिल्टन (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)। इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सेडन पार्क में होने वाले सीरीज के तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच के लिए अपनी प्लेइंग 11 की घोषणा की, जिसमें दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स को क्रिस वोक्स की जगह टीम में शामिल किया गया।

कप्तान बेन स्टोक्स ने शुक्रवार को संवाददाताओं को बताया कि इंग्लैंड हैमिल्टन में होने वाले तीसरे आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप मुकाबले के लिए अपनी टीम में एक बदलाव करेगा जिसमें तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स को साथी तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की जगह टीम में शामिल किया गया है। इसका मतलब है कि ओली पोप विकेटकीपर की भूमिका में बने रहेंगे, क्योंकि इंग्लैंड न्यूजीलैंड सीरीज में क्लीन स्वीप करने की कोशिश कर रहा है, जिसने क्राइस्टचर्च और वेलिंगटन में शुरुआती दो मैच जीते हैं।

न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लाथम ने शुक्रवार को अपनी प्लेइंग 11 का खुलासा नहीं किया, कप्तान ने सुझाव दिया कि वह शनिवार सुबह तक इंतजार करेंगे और फिर घोषणा करेंगे कि अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउथी को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने से पहले अंतिम टेस्ट खेलने का मौका मिलेगा या नहीं। साउथी को तीन तेज गेंदबाजों के लिए साथी तेज गेंदबाजों विल ओ-रुरके, नाथन स्मिथ और मैट हेनरी के साथ संघर्ष करना पड़ रहा है, जबकि बाएं हाथ के स्पिनर मिशेल सेंटनर को श्रृंखला में अपनी पहली उपस्थिति के लिए लाइन-अप में वापसी का मौका मिलेगा।

शीर्ष क्रम के बल्लेबाज विल यंग का ब्लैक कैप्स के लिए खेलना तय है, दाएं हाथ के इस बल्लेबाज को बल्लेबाजी की शुरुआत करनी होगी, जबकि डेवॉन कॉनवे अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए वेलिंगटन में रहेंगे। यंग को भारत में न्यूजीलैंड की हालिया श्रृंखला में वाइटवॉश के दौरान प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के पहले दो टेस्ट के लिए कीवी टीम की प्लेइंग 11 में जगह बनाने में असफल रहे।

जब लाथम से पूछा गया कि क्या साउथी को हैमिल्टन में अपने टेस्ट करियर का शानदार अंत करने का मौका मिलेगा, तो उन्होंने चुप्पी साध ली। लाथम ने कहा, मुझे यकीन है कि वह

कितना अच्छा प्रदर्शन कर सकता है, करना चाहता है और अपनी भूमिका को सर्वश्रेष्ठ तरीके से निभाने की कोशिश करना चाहता है, चाहे वह कुछ भी हो। मुझे यकीन है कि अगर उसे वह अवसर मिलता है, तो वह जो भी हो, उसके लिए आभारी होगा। मुझे यकीन है कि अगर उसे वह अवसर मिलता है, तो वह अगले पांच दिनों में क्या होने वाला है, इसे लेकर वह उत्साहित है।

इंग्लैंड की प्लेइंग 11

जैक क्रॉली, बेन डकेट, जैकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रूक, ओली पोप, बेन स्टोक्स (कप्तान), गस एटकिंसन, मैथ्यू पॉट्स, ब्रायडन कार्स, शोएब बशीर।

न्यूजीलैंड की संभावित 11

टॉम लैथम (कप्तान), विल यंग, ??केन विलियमसन, रचिन रवींद्र, डेरिल मिशेल, टॉम ब्लंडेल, ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सेंटनर, नाथन स्मिथ, मैट हेनरी, टिम साउथी, विल ओ-रुरके।

गाबा पर इतिहास दोहराने उतरेगा भारत, रोहित और विराट से उम्मीदें

ब्रिसबेन (एजेंसी)। एडीलेड में मिली हार के बाद गाबा पर वापसी के इतिहास को दोहराने के इरादे से भारतीय टीम शनिवार से शुरू हो रहे बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट में जब आस्ट्रेलिया से खेलेगी तो नजरें रोहित शर्मा और विराट कोहली के बल्लों पर लगी होंगी। श्रृंखला 1-1 से बराबर होने के बाद ब्रिसबेन टेस्ट निर्णायक साबित हो सकता है।

भारतीय गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों की कमजोरी का फायदा उठाना चाहेंगे जिनके लिए ट्रेविस हेड दूसरे टेस्ट में संकटमोचक साबित हुए। स्टीव स्मिथ और कोहली दोनों ही लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। गेंदबाजी में भारत के पास जसप्रीत बुमराह है जिसने श्रृंखला के बाकी सभी गेंदबाजों को अपने सामने बौना साबित कर दिया है। उन्हें हालांकि दूसरे छोर से अधिक सहयोग की जरूरत है।

इसके साथ ही उन्हें रोहित और कोहली जैसे बल्लेबाजों से अच्छे रनों की भी दरकार है ताकि वह खुलकर गेंदबाजी कर सके। रोहित और कोहली के खराब फॉर्म को लेकर लगातार चर्चा हो रही है और आधुनिक क्रिकेट के इन दोनों महानायकों के लिए यह टेस्ट काफी महत्वपूर्ण होगा। उनकी गैर मौजूदगी में भारत ने 2021 में यहां वापसी करके शानदार जीत दर्ज की थी। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने दोनों पर उछाल और सीम से हमले बोले हैं और यहां भी पिच से अच्छी सीम मिलने की उम्मीद है।

रोहित और कोहली के पास प्रतिभा की कमी नहीं है लेकिन इस समय फॉर्म साथ नहीं दे रहा। भारत के लिए सबसे बड़ी समस्या पहली पारी में निराशाजनक बल्लेबाजी रही है। पिछले एक साल

में भारत में और विदेश में खेले गए टेस्ट में छह बार पहली पारी का स्कोर 150 या कम रहा है। रोहित और कोहली ने 2024-25 सत्र में पहली पारी में 6.88 और 10 की खराब औसत से रन बनाए हैं।

कोहली ने पर्थ टेस्ट में शतक लगाया लेकिन रोहित से कप्तानी पारी का इंतजार है। रोहित के पास इतना अनुभव तो है कि वह बखूबी जानते हैं कि पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड जैसे शानदार गेंदबाजों को हर गेंद पर पीटा नहीं जा सकता। बाजू में खिंचाव के कारण एडीलेड टेस्ट से बाहर रहने के बाद हेजलवुड टीम में लौटे हैं। रोहित सफेद गेंद के बादशाह रहे हैं लेकिन अगर गाबा पर वह अच्छी पारी खेल जाते हैं तो महान क्रिकेटरों में उनका नाम शुमार होगा। इसके लिये सबसे पहले उन्हें अपना बल्लेबाजी क्रम तय करना होगा। वह पारी की शुरूआत करेंगे या छठे नंबर पर उतरेंगे, यह उन्हें देखना है क्योंकि ऐसे में अगर शीर्षक्रम धीमा खेलता है तो वह पुरानी कूकाबूरा पर आक्रामक खेल सकते हैं।

पहले दो टेस्ट में ऑफ स्पिनर आर अश्विन और वॉशिंगटन सुंदर का प्रदर्शन ठीक ठाक रहा लेकिन बल्लेबाजी में गहराई के लिये रविंद्र जडेजा बेहतर विकल्प हैं। तेज गेंदबाजी में आकाश दीप के पास विविधता है लेकिन कप्तान रोहित को हर्षित राणा की दिलेरी पसंद है। ऑस्ट्रेलिया की बात करें तो उसकी बल्लेबाजी भी चिंता का सबब है। हेड की हालत आजकल ऋषभ पंत की तरह हो गई है। स्टीव स्मिथ का खराब फॉर्म चिंता का सबब है। मार्नस लाबुशेन ने एडीलेड में अर्धशतक जड़ा लेकिन वह पुराने फॉर्म में नहीं दिख रहे। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बुमराह के पहले स्पैल को सावधानी से खेलना चाहेंगे क्योंकि उन्हें पता है कि इसमें कामयाब रहने पर बाकी भारतीय गेंदबाजों से उन्हें इतना खतरा नहीं है।

तीसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग 11 - पैट कमिंस (कप्तान), जोश हेजलवुड , एलेक्स कैरी, ट्रैविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिच मार्श, नाथन मैकस्वीनी, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क।

तीसरे टेस्ट के लिए भारत की संभावित प्लेइंग 11 -यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल, विराट कोहली, रोहित शर्मा (कप्तान), ऋषभ पंत, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह।

मैच का समय - भारतीय समयानुसार सुबह 5.50 बजे से।

यहां होगा तीसरा टेस्ट

ब्रिस्बेन के द गब्बा स्टेडिसम में

यहां देखें मैच

मैच स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर देख सकते हैं।लाइव स्ट्रीमिंग जियोसिनेमा ऐप पर भी होगी। इसी के साथ ही मैच से जुड़े अपडेट्स के लिए आप पंजाब केसरी के साथ भी बने रह सकते हैं।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com | @Pratahkiran | epaper.pratahkiran.com | @Pratahkiran

उत्तराखण्ड शासन

विकसित भारत, सशक्त उत्तराखण्ड

"प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में देवभूमि उत्तराखण्ड निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर है। तीर्थाटन एवं पर्यटन की दृष्टि से लोग यहां आयें तथा पर्यटन के साथ-साथ तीर्थों के भी दर्शन कर सकें, इसके लिए राज्य सरकार द्वारा जरूरी कदम उठाये जा रहे हैं ताकि पर्यटक शीतकाल में पर्यटन के साथ तीर्थों का भी आनन्द ले सकें।"

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

देवभूमि रजत उत्सव
9 नवंबर 2024-25 | उत्तराखण्ड

"21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

देवभूमि उत्तराखण्ड

शीतकालीन यात्रा

श्री यमुनोत्री धाम का शीतकालीन प्रवास

1 यमुना मन्दिर
खरसाली (उत्तरकाशी)

यमुनोत्री चारधाम यात्रा का प्रथम पड़ाव है। यमुनोत्री मन्दिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद होने पर मां यमुना की डोली को खरसाली लाया जाता है जो कि मां यमुना का शीतकालीन प्रवास स्थान है। शीतकालीन प्रवास के दौरान खरसाली में ही मां यमुना की पूजा की जाती है और यहीं पर यमुना जी के भाई भगवान शनिदेव जी का मन्दिर भी स्थित है।

श्री गंगोत्री धाम का शीतकालीन प्रवास

2 गंगा मन्दिर
मुखीमठ, मुखबा (उत्तरकाशी)

मुखीमठ, मुखबा स्थित मां गंगा का शीतकालीन प्रवास स्थान है। शीतकाल के दौरान गंगोत्री मन्दिर के कपाट बंद होने पर मां गंगा की मूर्ति को गंगोत्री से मुखबा लाया जाता है और शीतकाल के दौरान इसी मन्दिर में मां गंगा की पूजा की जाती है।

श्री केदारनाथ धाम का शीतकालीन प्रवास

3 ओंकारेश्वर मन्दिर
ऊखीमठ (रुद्रप्रयाग)

ऊखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मन्दिर भगवान केदारनाथ का शीतकालीन प्रवास स्थान है। शीतकाल के दौरान भगवान केदारनाथ की पूजा इसी मन्दिर में की जाती है। केदारनाथ मन्दिर से मूर्तियों की उत्सव डोली को ऊखीमठ लाया जाता है और ओंकारेश्वर मन्दिर में छह महीने तक पूजा की जाती है।

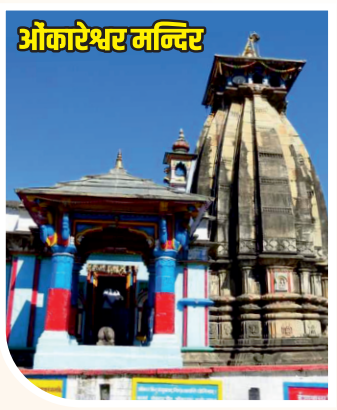

श्री बदरीनाथ धाम का शीतकालीन प्रवास

4 योगध्यान बदरी मन्दिर
पांडुकेश्वर (चमोली)

शीतकाल के दौरान बदरीनाथ मन्दिर के कपाट बंद होने पर नारायण योगध्यान बदरी मन्दिर, पांडुकेश्वर (चमोली) में जनकल्याण के लिए ध्यान अवस्था में रहते हैं। पांडुकेश्वर स्थित योगध्यान बदरी मन्दिर में उद्धव जी और कुबेर जी की उत्सव डोलियों को भी लाया जाता है। आदिगुरु शंकराचार्य की डोली शीतकाल के दौरान ज्योतिर्मठ स्थित नृसिंह मन्दिर में प्रवास करती है।

सनशाईन पर्यटन

एक ओर जहां देश के बहुत से भाग कोहरे की चादर ओढ़े हैं, वहीं देवभूमि उत्तराखण्ड के पहाड़ों में खिलखिलाती धूप का आनन्द उठाया जा सकता है।

आईये! आप भी उत्तराखण्ड में आध्यात्म व पर्यटन का आनन्द उठाईये।

उत्तराखण्डः एक अद्वितीय, रोमांचक और प्राकृतिक गंतव्य

इको-टूरिज्म हो या वाइल्डलाइफ टूरिज्म या रोमांचकारी अनदेखी बर्फीली चोटियां और रोमांचकारी स्कीइंग और माउंटेन बाइकिंग, पैराग्लाइडिंग और ट्रेकिंग के रोमांचकारी रास्ते, आपको यहां वह सब कुछ मिल सकता है जिसके लिए कई देशों की यात्रा करनी पड़ सकती है। उत्तराखण्ड अब हरित पर्यटन, माइंडफुल ट्रैवल, वन्यजीव यात्रा, प्राकृतिक पर्यटन के लिए जाना जाता है। बेहतर पर्यटन नीतियों और उच्च संभावनाओं को देखते हुए विगत वर्षों में राज्य में पर्यटन के क्षेत्र में बेहतर निवेश तो हुआ ही है साथ ही भविष्य में कई बड़े निवेशकों ने पर्यटन क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं तलाशी हैं। साहसिक गतिविधियों के लिए उत्तराखण्ड उभरता हुआ पर्यटन स्थल बनता जा रहा है।

#ExploreUttarakhand
@DIPR_UK

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

www.uttarainformation.gov.in | uttarakhandDIPR | DIPR_UK | uttarakhand DIPR

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129